्री सं० की० -- (बी० एन०) -- 73

Me Gazette of India

्रपाधिकार से प्रकाशित Publisheb ay Authorit

सं॰ 44] No. 44) नई बिस्सी, शनिवार, नवस्वर 1, 1986 (कार्तिक 10, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1986 (KARTIKA 10, 1908)

इस भाग में भिन्न पृथ्व संख्या वी काती है जित्त कि वह अलग संकलन के कप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in societ that it that ye has find as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 11

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा श्राणोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० ए० 32013/2/86-प्रणा० I--संघ लोक सेवा शोग (कर्मचारी) विनियम, 1958 के विनियम 7 के अनुसार घ लोक सेवा आयोग के अध्यक्षको प्रदत्त गिक्तियों के अन्तंगत सं० लो० से० आ० के के० स० स० संवर्ग के निम्नलिखित प्रो अनुभाग प्रश्चितिरियों को उनके सामने निर्दिष्ट अवधि लिए अथवा आगामी आवेणों तक जो भी पहले हो के० से० के ग्रेड-I में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न सेतदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते ह:-

» सं० नाम	ग्रवधि		
सर्वश्री			
बी० एन० ग्ररोड़ा	3−9−86 से	24-11-86 तक	
्वी० डी० शर्मा	3 -9-8 6 में	24-11-86 नक	
डी० भ्रार० मदान		24─11─86 नक	
धनीश चन्द्र		24-11-86 तंक	
एस० डी० शर्मा		24-11-86 तक	
पी० डी० श्रीवास्तव	25-8-86 स	24-11-86 तक	
	Γ	्म० पी० जैन	

श्रवर सचिव (का० प्रशा०)

सम्ब लोक सेवा मार्गेग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार, लोकशिकायत तथा पेंगन मंत्रालय (का० भ्रीर प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 श्रमतूबर 1986

सं० ए त०-20/65-प्रशा०-5--निवर्तन होने पर, श्री एस० सी० प्रंग्रीश, श्रपर-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, न दिनांक 30 कित्रकार, 1986 (ग्रपराह्म) से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया ।

धर्मपाल भस्ला प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

FRED NO. D—(DN)—73

गृह मंत्रालक

गहानिदेशालय, के० रि०पु० बल,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० म्रो— दो— 143/69—स्था०— राष्ट्रपति, श्री सी० एम० पाण्डे, म्रपर पुलिस उप-महामिरीक्षक के० रि॰ पुर बस्

(24683)

को केन्द्रीय रिजर्ज पुलिय बल में आशामी आदेश आरी होने तक प्रोविजनल रूप से पुलिस उप-महानिरीक्षक के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

- 2. तदनुसार उक्त श्रिष्ठकारी ने पुलिस उप-महानिरीक्षक, के० रि० पु० वन, कोहिमा का कार्यभार दिनांक 30-8-86 (पूर्वाह्म) से सम्भाला है।
- ां गो-रो-2252/83-स्थानाा-1—-राष्ट्रपति जी ने डाक्टर भूनेन्द्र कुनार मेहना की ग्रस्थामी रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल इ्यूटी ग्राफितर (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 2-9-1986 (अपराह्म) से सहर्ष नियुक्त किया किया है ।
- ं प्रां-रो-2253/86-स्थायना-I--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर विवेक कुमार को ग्रस्थायी रूप से श्रामामी देश जारी होने न ६, केन्द्रीय रिनर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी ग्राफितर (डी० ए.प० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर] 4-9-86 (पूर्वाह्म) से सहषं नियुक्त किया है।

विनांक 6 श्रक्तुश्रर 1986

सं डी० एक० 56/85—स्थापना—І—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री के० के० मेहना, द्वितीय कमान/सहायक कमांडेंट, की सेवायें दिनांक 16-9-1986 (ग्रपराह्म) से निर्यात तिरीक्षण एजेंसी (एकन्नपोर्ट इन्सपेक्शन एजेंसी), वाणिष्य मंत्राज्ञा, नई दिल्ली की प्रतिनियुक्ति श्राधार पद सोंपी जाती है।

दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1986

सं० डी॰ एक० 43/85-स्थापना-I-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री पी॰ एस॰ सेहराबस, सहायक कमांग्रेट, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, इम्फाल की सेवार्ये दिनांक 27 जून, 1986 (पूर्वाह्म) से इन्टेलिजेंस ब्यूरो (गृह मंत्रालय), भारा उठार, नई दिल्लो को प्रतिनियुक्त के ग्राधार पर सौंपी जासी हैं।

एम० ग्रशोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्थापना)

विस्त मंद्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग) प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद-461005, दिनांक 30 विसम्बर 1986

कमांक: 7(66)/5174—इस कार्यालय के पत्न कमांक
7(66)/8850 दिनांक 6-2-1986 के तारमस्य में श्री
सी० पी० भाटिया का बेतनमान २० 840-40-1000दे० श्र०-40-1200 में शहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर तदर्थ
िय, कि जी श्रवधि दिनांक 1-8-1986 से 31-1-1987

तक | याज्य तक यह पद नियमित रूप से नहीं भराजाता, इसमें से जो भी पहले हो, तक नदाई जाती है।

> ण० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एंच लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राज्यहरू । नई दिल्ली--110002, दिनांक 9 स्रक्तूबर 1986

सं प्रशासन 1 का ब्रा० संख्या 174--इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी की सी० सुली वार्धनय आयुप्राप्त करने के परिणामस्बरूप 31 अक्सूबर, 1986 (अपराह्म) को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृक्त होजायोंगे। जनकी जन्म तिथि 22 अनत्वर 1928 है।

मोहन खुराना उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्र०)

रंक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई विल्ली-110066, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० प्रणा० /11/2158-86-शी एस० क्यू० हुसैन, स्थायी अनुभाग ग्राधिकारी (लेखा) जिन्हें दिनांक 21-2-81 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी ग्रेड में पदोन्नत किया गया था को परिवीक्षा के दौरान उनके श्रसंतोषप्रद कार्य सम्पादम के कारण दिनांक 8-4-85 (श्रपराह्न) से स्थाणी श्रनुभाग श्रधिक के ग्रेड में पदावनत कर दिया गया था।

झार० बी० कपूर रक्षालेखाभ्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

क्षी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेका कलकत्ता-700061, विनांक 3 ग्रम्तूबर 1986

विषय: सेवा निवृत्ति

सं० 8/86/ए/ई-1 (एन० जी०)—सार्धक्य निवृश्यायु प्राप्त कर श्री हरी प्रसन्न चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक स्टाफ ग्रधिकारी (मो० एवं स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक दिनांक 30-9-86 (श्रपराह्म) से सेवा निवृक्त हुए।

 श्री चक्रवर्ती को उसी दिन से पेंशन स्थापना में स्थानः न्तरित किया जाता।

> एस० दासगुष्तः उपमहानिदेशक, ग्रा० नि०/प्रशासनं इस्ते महानिदेशक, ग्रायुध निर्माणियां

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन ग्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 सितम्बर 1986

मं० प्र०-6/247 (31)—पूर्ति तथा निपटान महानिदे-णालय, नई दिल्ली के अधीन निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) और स्थानापन उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "क" ग्रेड-11) (इंजीनियरी णाखा) श्री टी० के० बनर्जी अधिवर्षता आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31 अगस्त, 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए ।

> श्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रणासन) **कृते म**हानिदेणक, पूर्वितथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय
(खान विभाग)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
कलकत्ता-700016, दिनांक 1 श्रवतूक्षर 1986

सं० 6634बी/ए-19012 (2-ए० के० एस०)/85-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री प्रशीत कुमार सिन्दर की सहायक भूभीतिकी विद् के एप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200६० के स्यूनतम वेतनभान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1-9-86 के पूर्वास्त में नियुक्त कर रहे हैं।

भ्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

सं० ए० 19011 (242) 78-स्था० ए०--विभागीय श्रीवित समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री दीपनकर नाग, स्थानापम सापक खान नियंत्रक को भारतीय खान लियं में उप खाननियंत्रक के पद पर नियमित रूप से दिनाक -8-1986 (पूर्वाह्म) से श्रागामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011 (79)/86-स्था० ए०--विभागीय मदोन्नति समिति की सिफारिण पर, श्री एम० श्रार० कई कर, अप्रयस्क प्रसाधन श्रीधकारी की भारतीय खान ब्यूरों में २० 1500-60-1800-100-2000/- के बेतनसान में स्थाना-

पन्न रूप में अधीक्षक अधिकारी (अयस्क असाधन) के पद पर 25-8-1986 (पूर्वाक्ष) से पदोन्नति की गई।

सं० ए-19011 (154)/86-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित सिमिति की सिफारिण पर, श्री एस० के० घोष, उप अयस्क प्रमाधन अधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में रु० 1300-50-1700/- के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में झयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 25 अगस्त, 1986 के अपराह्न से पदोन्नित की गई ।

जी० सी० शर्मा सह(यक प्रशासन प्रधिकारी कृते महानियंत्रक,

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सिलम्बर 1986

सं०-6/61/86-एस०-2--पदोन्नत होने पर आक्राण-वाणी, नई दिल्ली से उनका स्थानान्तण होने के फलस्वरूप दूरदर्शन महानिदेशक द्वारा श्री श्रार० पी० सर्मा को दूरदर्शन केन्द्र, राजकोट में प्रणासनिक श्रीधकारी के पद पर 4-9-1986 (पूर्वाह्न) से 31-10-1986 तक नियुक्त किया जाना है। वे मुख्यालय से दूर स्थित दिल्ली में कार्य करते रहेंगे।

> बलबीर सिह संधू प्रशासन/उपनिदेशक कृते महानिदेशक

आराशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्तूबर 1986

सं० 28/12/85-ए.म०-दो — महानिदेशक, श्राकाश-वाणी निम्ति खित पार्म रेडियो रिपोर्टरों को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पये के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के श्रागे लिखी तारीख से फार्म रेडियो श्रिष्ठकारी के पद पर श्रगले श्रादेशों तक श्रस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं:---

त्र नाम केन्द्र का नाम जहां फार्म फार्म रेडियो सं० रेडियो ग्रिधकारी के रूप ग्रिधकारी के रूप में तैनात किया गया है मे नियुक्ति की तारीख

सर्वश्री

- 1. ए० एन० विस्वास भ्राकाशवाणी, भुसियांग 23--7-86
- 2. निग्सिग रायसन भ्राकाशवाणी, इम्फाल 25-8-86

मोहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिवेशक कृते महानिवेशक नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 श्रमतुबर 1986

सं० 4 (72)/80-एस-1-श्री ए० कृष्णामूर्ति, कार्यक्रम निष्पादक भाकाशवाणी बंगलीर ने 10 जुलाई, 1986 में सरकारी सेवा से त्याग-पन्न दे दिया है।

> श्राई० एल० भाटिया प्रशासन उपनिदेशक (कस्याण) कृते महानिदेशक

कृषि मंत्रालय (कृषि एवं सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निवेणालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1986

पत्नांक : 7-23/77-प्रणासन-प्रथम--सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने परश्री एक आर० गाबा, सहायक कीट विज्ञानी (संमूह "ख"-राजपित्त) ने सितम्बर 30, 1986 को अपराह्म में वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निदेशालय में सहायक कीट विज्ञानी के पद का कार्यभार संभला (छोड़) दिया है ।

श्रार० एल० रजक वनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार

फरीदाबाद, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1986

पत्नाक: 7-15/86 प्रणासन-प्रथम-भारत सरकार के वनस्पति रक्षा सलाहकार, श्री कुलसुमन सिंह कपूर को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सितम्बर 17, 1986 (पूर्वाह्म) से वनस्पति रक्षा मगरोध एवं मग्रह निदेणालय के ग्रधीन ग्रस्थायी रूप से ग्रगले ग्रादेशों तक केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, बारामूला (जम्मू कम्मीर) पर निगरानी ग्रधिकारी (समूह "ख" राजपन्नित) के पद पर निगुक्त करते हैं।

एस० पी० कुटार मुख्य प्रणासनिक ग्रधिकारी,

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं० ना० इँ० स०/का० प्र० भ०/0703/1699— इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0703/1527, दिनांक 9~8-1986 के क्रम में महायक लेखा श्रीधकारी श्री जु० सूर्यानारायण राघु की लेखाधिकारी— 11 के इप में २० 840-40-1000-द० रो०~40-1200 के बेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 1-10-1986 एवंत या आगामी आदेशों पर्यत-इनमें से जो भी पूव घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

दिनांक 4 अक्तूबर 1986

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/0704/1800—६ कार्यालग की प्रधिसूचना सं० ना० ई० स०/ का० प्र० भ०, 0704/1672—दिनांक 10-9-86 के ऋम में प्राणुलिपित श्रेणी—III, श्री नु० श्री प्रजय कुमार की सहायक कामिन अधिकारी के रूप में ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ प्राधार पर निशुक्ति को दिनांक 29-10-86 पर्यंत प्रथवा ग्रागामी प्रादेशों पर्यंत—इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, ग्रागे बढ़ाया जाता है।

सं० ना० ६० स०/का० प्र० भ०/0704/180. — इस कार्यालय की प्रिधसूचना संख्या ना० ६० स०/का० प्र० भ०/0704/1651, दिनां त 01-9-1986 के अस में सहायक लेखा-कारश्री ए० पाष्पाचन की सहायक कार्मिक ग्रिधकारी के रूप में २० 650-30-740-35-880-६० रो०-40-960 वे वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 29-1 1986 पर्यंत अथवा ग्रागामी ग्रादेशों पर्यंत — इनमें संजो पूर्वघटित हो, श्रागे बढ़ाया जाता है।

गोपाल पिह, प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

राजस्थान परमाणु बिजलीघर

म्रणुशक्ति~323303, दिनांक 7 म्रम्तूबर 1986

सं० रापिबिष/भर्ती/2 (17)/86/स्थ०/792---राजस्थान परमाणु बिजलीघर के मुख्य प्रधोक्षक रा० प० बि० घ० की स्थायी सहायक मेंद्रन श्रीमती पी० हेनरी को राजस्थान परमाण बिजलीघर में दिनांक 18--9--84 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्राद होने तक स्थानापन्न रूप में मेद्रन (650-1200) के पद प् नियुक्त करते हैं।

> म्रार० के० चौ सहायक का**मिक** स्रधिकारी (भ

भारी पानी परियोजनाएं

बस्बई-400 008, दिनां र 3 अक्तूबर 1986

मं० 05012/मा०पी०ग्रो०थी०/41-12—भारी पानी न योजनात्रों के प्रधान कार्यकारी, श्री रेबाना डोरायस्व सहायक सुरक्षा ग्रिधिकारी, भारी पानी परियोजना (म को इसी परियोजना में श्री वी०के० हरिमथ, मुख्या ग्रिटि जो छुट्टी पर हैं के स्थान पर 1 मई 1986 (पूर्वा०) से 12-1986 (ग्रप०) तक के लिए स्थानापन्न सुरक्षा ग्रिधि नियुक्त करते हैं।

> श्रीमती के०पी० कल्याणी_ड प्रशासन अधिका

घन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017, दिनांक 29 सितम्बर 1986

सं० 020/1 (15.1)/86-स्थापना-I-इसरो उपग्रह् केन्द्र, के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शायी निधियों से श्रगले श्रादेश प्राप्त होने तक बिल्कुल श्रनतिम एवं श्रस्थायी श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

् ऋ० नाम् सं०	पदन≀म	दिनांक
i. कुमारी रेवती कडेकर	वैज्ञानिक/ग्रभियंता एस० बी०	16-6-86
2. मुरलीधरन टी०एम०	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	1-4-86
)3. श्री रतीश राव बी० ः	वैज्ञानिक/स्रभियन्ता एस० बी०	20-3-86
4. श्री घ्रार० सुनील ₁)	वै ज्ञा निक/स्रभियन्ता—— एस० बी०	30-6-86
5. श्री पी० स्वामी <i>ण</i> ग्रार० ऐताल	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता— एस० बी०	30-6-86
6. श्रीकेल्जी०मंजुनाथ	वैज्ञानिक्/प्रभियन्ता⊢⊢ एस० बी०	20-5-86
7. श्रीप्रसन्नवें कटेश एच० एन०	वैज्ञानिक/ग्राभियन्ता एस० बी०	2-6-86

एच० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० ए० 12025/1/84-ई० एस० — संघ लोक सेवा अगायोग की सिकारिश पर, राष्ट्रपति, श्री जी० थामाराई सल्वान को दिनांक 9-9-1986 (पूर्वाह्न) से ग्रौर ग्रन्स आदेश होने तक 700-1300 स्पए के वेतनमान में उड़नयोग्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० थामाराई सेलवान को निदेशक, उड़ न योग्यत। कलकत्ता के/कार्यालय में तैनात किया जाता है।

> एम० भट्टा**चा**र्जी, उपनिदेशक, श्रशासन

वन ऋनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरादून, दिनांक 7 अक्तूबर 1986

मं 16/452/86-स्थापना-1-संघ लोक नेदा प्रायोग की सिकारिश पर प्रश्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय, देहरादून, श्रीमती नीना चौहान, अनुसंधान सहायक ग्रेड-I को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय के भारत डेनमार्क परियोजना, हैदराबाद में दिनांक 8-9-86 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों नक अनुसंधान अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जगदी*श* नारायण सक्सेना **शु**ल सचित्र वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुरूक समाहर्तालय

बम्बई-400020, दिना । 7 सितम्बर 1986

सं० $II/3\xi$ (ए.) 2/77 पार्ट-III—बम्ब ξ -1 केन्द्रीय उत्पाद शुक्क समाहर्तालय में तैनात श्री एन० जे० शाह, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुक्क, समूह "ब" दिनांक 1-9-1986 को स्वेच्छया सेवा निवृत्त हो गए हैं।

संव 11/3ई (ए) 2/77 पार्ट-III--केन्द्रीय उत्पाद गुरुक के निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने प्रोक्षिति पर उनके नामों के श्रामे दर्शायी गई तारीख से बम्बई-1 केन्द्रीय उत्पाद गुरुक समाहतलिय में स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुरुक समूह "ख" के रूप में कार्यभार मंभाल लिया है ।

ऋ∘ सं०	ना म	कार्यभार संभालने र्व	तारीख
_	श्रीविजयदन श्रीवी०एम०	28-8-1986 पोल 29-8-1986	

3. श्री स्नार० एम० श्रुगारपुरे

4. श्री कें वी० राणे

ए० एम० सिह्ना, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुरुक

29-8-1986 (पूर्वी०)

05-9-1986 (अप०)

कोयम्बत्तूर, दिनांक 29 प्रगस्त 1986

सी० सं० II/3/74/85—स्थापना—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित निरीक्षकों को केन्द्रीय उत्पाद णुलक के मधीक्षक येख (ग्रुप बी) 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200-क० के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है श्रीर उनके नामों के सामने दी गयी तारीख से उन्हें इस कलकटरी में तैनान किया जाता है :--

ऋमांक नाम

श्रधीक्षक के रूप में नियुक्ति ची तारीख

सर्वश्री---

5. एचं ज्ञानराज

1. एम० जयरामन 05-05-1986 (एफ० एन०)
2. श्रीमती के०पी० पार्वती 06-06-1986 (एफ० एन०)
3. एस० राममूर्ति 18-06-1986 (एफ० एन०)
4. के० ए० फिग्रेडो 09-07-1986 (एफ० एन०)

जी० बी० नायक उप समाहर्ता (पीतथाई) कृते समाहर्ता

19~08−198€ (ম্পা≎ ম্ল≎)

इन्दोर, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1986

सं 0 11/86--- प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद गुरुक समूह "ख" के पद पर पदोन्नत होने पर निम्नलिखित निरीक्षकों ने उनके नाम के प्रामे दर्शायी गई तिथियों को प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद गुरुक ममूह "ख" के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं।

%रु० नामा तैनातो स्थान कार्यग्रहण कीतिथि सं०

सर्वश्री---

सी श्रार जी मुलकर अधीक्षक, के व उ शु 1-9-86 सांख्यिकी शाखा मुख्यालय (पूर्वाह्न)
 सी जियकी शाखा मुख्यालय (पूर्वाह्न)
 सी जियकी शाखा मुख्यालय (पूर्वाह्न)
 राजनन्दगांव (अपराह्न)
 अधीक्षक, के उ शु 24~9-86 नागदा (अपराह्न)

एस० ह्यी० रामाकृष्णन समाहर्ता

बड़ोदरा, चिनांक 24 सिक्षम्बर 1986

सं० 24/1986—श्री बी० एल० भट्ट व रिष्ठ : ई ६ क (वर्ग "क") केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुक्तः (तकनीकी शास्त्रा) मुख्यालय, बड़ोद्यरा दिनांक 8-9-86 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-9-86 के श्रपराह्म में निदर्तन की श्रायु पर सेवा से निवृत होंगे।

सं० 25/1986—श्री आर० एम० तिवेदी, प्रणासनिक स्रिधकारी (वर्ग "ख")केन्द्रीय उत्पादन भौर सीमा गुल्क मण्डल II बर्ड दरा दिनाक 17-9-86 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदन्तुसार, वे दिनांक 30-9-86 के अपराह्म में निवर्तन की आयु पर सेवा से निवृत्त होंगे।

सं० 26/1986—श्री डी० डी० लाङ, प्रशासनिक प्रिधिकारी (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बलसाड, दिनांक 29-9-86 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-9-86 के अपराह्म में निवर्तन की आयु पर सेवा से निवृक्त होंगे।

श्रीमती वरलक्ष्मी--राजमानिकम् समाहर्ता

सम्पद्दा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० ए०-12026/2/86-प्रणा० "ख"—-नष्ट्रपति, कैन्द्रीय सिवालय सेवा के एक स्थायी अनुभाग श्रीधकारी श्री जी० जार्ज पारकन को 12 सितम्बर, 1986 के पूर्वीह्न से श्रागामी श्रादेशों तक श्री टी० के० गुडू के स्थान पर जिन्होंने 13-8-86 श्रपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है, सम्पदा सहायक निदेशक (मुकदमा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

लक्षमन दास सम्पदा उप-निदेशक (स्था०)

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्यविभाग

कार्यालय कम्पनी राजिस्ट्रार

ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मेसर्स धूप सन्स रखर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड चे विषय में ८

ग्वालियर, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

क्रमांक 2488/पी० एस०/सी० पी०/1985--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रमुखरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि मैं० धूप सम्स रबर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिसिटेड, रायपुर (म०प्र०) का नाम भाज रिकस्टर से काट दिसा गमा है और अन्त कम्पनी विभटित हो हो गमी है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स श्री बंसीधर ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ग्यालियर, सिनांक 10 श्रक्तूबर 1986

स० 695/पी० एस० सी० पी० कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतव्-क्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० श्री बंसीघर कम्पनी शाइबेट लिमिटेड बिलासपुर (म० प्र०) क नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

> एस० करमाकर कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वानियर

कम्पनी मधिनियम, 1956 एवं मैं० सीमेंट कन्स्ट्रक्शन कं० लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 8 श्रन्तूबर 1986 सं० 718/31206/560/3—कम्पर्ना श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतव्दारा मह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर मे० सीमेंट कन्स्ट्रमणन कं० विभिन्दे का नाम इसके प्रति-कूल कारण दिशत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उनत कम्पनी विश्वटित कर दी आयेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं भलविन होस्डिगज एवं इंजीनियर्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 8 ग्रन्त्बर 1986

सं० 717/31116/560/2—सी 31-4-86—कम्पनी
प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलविन होस्डिगज एवं इन्जीनियसं लिमिटेड कानाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया होती रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> (ह०) भ्रपठनीय कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

प्रकल् आह् . टॉ. एन. एस. ----

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वभीन स्थान

भारत बन्धार

कार्यालय, सहायक वायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16, दिनांक 22 सितम्बर, 1986 निर्वोध सं० एल०सी० 803/86-87 --श्चत मुझे,एच० बी० उपाध्याय,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के निधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुक्स 1,00,000/- रा. स्टेजिंधिक हैं

म्रोर जिसकी संख्या श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो वयनाड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय कलपेड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के श्रधीन, नारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इत्यमान विद्याल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कंपति का उचित वाजार मूल्य, उसके दत्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दत्रयमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यन्तरक के निए तय पाया चवा प्रतिफल, निस्मीलियत उद्देश्यों से उसल अन्तरक सिक्त वे वास्तिकक रूप से कलित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तारण संहुई किसी बाब की बावल, उपक विधिनियम के संधीन कर दोने के बन्तारक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; शौद्र/या
- (क्य) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्त् वास्तियों का जिल्हें भारतीय नाय-कार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कार विभिनियम, या धन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए बा, कियाने में स्विधा के लिए;

 राजिंगरी रब्बर श्रीर प्रोडूस कम्पनी लिमिटेड, श्रालप्पी।

(भ्रन्तरक)

 श्री एम० मैय्याप्पन जूनियर, 106/सामनोम हई रोड, मझास-600028

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त रम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्ष बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी वृन्य व्यक्ति बुवारा अथोहस्ताक्षरी के पाद विचित्त में किए वा सकेंचे।

अनुस्पी

उप-रजिस्ट्री, कार्यालय कलपेडा के दस्तावेज सं० 619/ 86 में संलग्न प्रनुसूची के प्रनुसार वयनाड फरकका में एनटेवन श्रार मकान स्नीन के 323.25 स्थल का 2/5 भाग।

> एच० वी० उपाघ्याय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,एरणाकुलम

शक्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में र सकत जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर, निकासिधित व्यक्तिकों द्र अव्यक्ति का

तारीख: 22~9~1986

प्रकप वाद .टी. एन . एस . -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चित-16, दिनौंक 22 सितम्बर, 1986 निर्वेश सं०एल० सी० 801/86-87 — ग्रतः मुझे, एच० वी० उगाज्याय,

आवकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य (,0).000/-रु. से अधिक हैं

म्रोर ितकी संख्या अनुसूची के अनुतार छर, जो वयनाहै में स्थित है (म्रोर इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विति है), रिस्ट्रोक्स् अधिकारी के कार्यालय कलपेडा में भारतीय रिस्ट्रोक्स्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 24-2-1986

करो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिकल से, एसे द्रियमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-इस, निस्ति खित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कव से कथित नहीं किया गया है —

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बायत, उपस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इंतरिक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 कुमारी राजिमिटि खर और प्रोड़न स्मिनी लिमिटेड, ग्रामणी से यह का डायरेक्टर फ्रर्मायां सुक्रमण्यं ग्रीर ईप्पन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्श्री मैंय्याप्पन, मैंय्याप्पन का पवनी, 106, साननोम रहैरोट, महुराई मद्वास-60008।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करकी पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकरू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इर सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियक, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

नन्स्तरि

उपरिजस्ट्री कार्यालय कलपेडा के दस्तावेण सं० 620/ 86 में संलग्न अनुसूची के अनुसार वयनाड यएकका में प्लान टेशन और मागन के 323.25 स्थल का 2/5 भाग।

> एच० वी० उपाध्याय, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अरं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वैं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-306 GI/86

तारीख: 22-9-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन, दिनांक 22 सितम्बर 1986

निदेश सं० एल० सी० 802/86-87—अतः मुझे, एच०वी० उपाध्याय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रभात (सकत अधिनियम) कहा गया हो), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिलकी संख्या अनुसूची के अनुमार है, जो वयनाड में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं), रिक्ट्रीकर्सा अधितारी के नार्यालय कलपेड्डा में रिक्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24-2-1986।

को पूर्वोक्न सप्यक्ति को उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोयत सम्पक्ति का उचित बाजार भून्य, उनके प्रयमान प्रतिफल से, एोमे क्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त क तरण लिखित में बाम्तविक हम से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, जन्त अधिनियम के अधिन गए पीने के अंतरक के अधिनय में कर्ण करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'ती किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों हारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कःर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था., छिजाने के सुरिशा के लिए;

 कुमारी राजागरी छए श्रीएप्रोडकटस व ध्यनी जिम्हिड, श्राक्षणी।

(भन्तरक)

2 श्रीमती एम० श्रदाशाम्मी श्रार० मुदय्या का पक्ती, 97 सानयोम हाई रोड, मद्रास-28।

(मन्तरिती)

को यह स्वता धारी करके प्रोंक्त सम्मत्ति के सर्वत् भी विष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्षवत् सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाकोप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन कि अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- [(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास निवास में किसे वा सकेंगे।

स्येष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस संभ्याय में विभा पदा हैं 🗈

ननुसूची

ं उपरिक्रिस्ट्रार कार्यालय कल**ेड्**ड्रा के एस्त वेः सं० 618/86 में संलग्न अनुसूची के अनुसार ध्यनाड फर्यना में प्रानटेबन भार मकान स्थित के 323.25 स्थल का 1/5 भाग। स्वि

> एच० पी० उपा**ध्याय** स्थम **प्राधिकारी** गहायक ऋष्यक्रर श्राय्थन (निरी**क्षण)** श्र**र्ज**तरेंः, एरणाकुलम

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

मोहर:

तारीख: 22-9-1986

इस्प बार्: टी. एन. एस.

नाथकर निधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के नधीन सूचना

मारत तरकारु

कार्यान्य, बहायक बायकरु वायुक्त (निर्क्षिण)

मर्जन रेंज- I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 19 सितम्बर 1986

िदेश सं० ए० सी०/रें ज-II/कल/19—श्रतः मुझे, ग्राई० के॰ गायेन,

बायकर अधिरियम, 1961 (.961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मार जितकी संख्या है तथा जो श्रांतिकेत-11, मणोक रोड, कप-26 (प्रोर इसने उपायद मनुसूचो में मोर पूर्ण रूप सं बांगत है), रिल्ट्रिन्सी मोधारा कार्यालय, सक्षम प्राचित्रारों, मं, रिल्ट्रिन्सण मधित्यम, 1908 (1908 का 16) के मधा, तारीख 8-2-1986

को प्वांवत सम्पास के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए लय पाया बवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त आधीन्यम् के अधीन कर दोने के अंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयादशार्थ अतारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

बक्त: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्रामतो मो/हनो हिरानन्य छवलानी एवं ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2 सरोवर ट्रेड एसोसियेशन लि॰।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि ला में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, का उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में पीएभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यय औ दिया गया हैं।

अनुसूची

क्षेत्र 1753.59 फुट, श्रीतिकेत ग्रशोक **रोड,**कलक्**ता** 27 पर ग्रवस्थित।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहाय ह त्राय हर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 19-9-1986

अक्ष्य आहे^{*}, टी. एवं. एवं. अन्यस्थ

भागकर व्योधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 264-भ (1) जो जभीन सुभवा

नारुव सरकार

कार्याजन, सहायक आयकर बायुक्त (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 19 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ए सी-52/ब्राप-11/क्ल/86-87:-- अत: मुर्स, श्राई० के० गायेन,

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिनकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकसा में स्थित है। श्रीर इता उपायद अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), पी ल्ट्री जो श्रीधारी के कार्यालय सक्षम प्राधितरों, में, पी ल्ट्री तला अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयंत, तारीख 10-2-1986।

को पृथोंक्त सम्पत्ति सं उचित बाबार मृत्य संकम कै इक्यमान बेतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ते यह विष्याम

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वन्तिरिक्रियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नितिश्चित उद्बेच्य से उक्त अन्तरण सिखित में आस्तिक क्ष्य के अधित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिक निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व बों कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निष् सरि/धा
- (च) येथी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों कार्ड, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था था किया धाना चाहिए था, जियाने में सुविधा औं लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं रेनोक्स कामिशायल लिं।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रतुल कटारका।

(म्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यभाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीय में 45 दिन की कविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वदिष, जो भी अविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाराई
- (व) इस त्थना के राजपत्र में प्रकादन की दारीय वें
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्व्य किसी कल व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकारी वें
 पास सिविस में किए वा सकेंगे।

अनुसूची

क्षेत्र: 2294 वर्ग फुट पलैट नं० 3 एतीसरी मंजिल पर, 8, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-27 में मवस्थित।

> भाई० के० गायेन, सक्षम प्राधि गरी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रें ्-II, कल .ला

दिनौंक: 19-9-1986

मोहर

प्रकृप जा**र्व**्द<u>ी ह्रुव पुर</u> क्रक्कारकारकार

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरोक्तक)

मर्जन रेंज-II, कलकता

कलकता, दिनौंक 19 सितम्बर, 1986

निर्देश सं० ए० सी०-53/ब्रार-IJ/कल०/86-87- ब्रत मुझे, श्राई० के० गायेन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिल्ली संख्या 15 है तथा जी स्निपुर पार्क रोड, कराज्या में स्थित है स्रोट इया उपायद स्रासूचों में स्रोट, पूर्ण इप ले विशि है), रिल्ट्रिट की स्रधि दं के विश्व सक्षम प्राधिकारी में, रिल्ट्रिट का स्निधिक, 1908 (1908 हा 13) के प्रधान, तारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पान्त के उचित बाजार म्स्य से कम के क्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या हैं ह—

- (क) जनगरण से हुई किसी जाय की बायत, उपल जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा की लिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा की लिए।

बतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के, बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात :--- श्रानितो इमारता देवा गुण्ता

(ऋतर्क)

2 फतेपूरिया होंसिंग हैमा लिं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी त्यिक्तया पर सूचना की तम्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थातर सर्पात्स में हितमक्ष किसी अन्य स्थिति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकार।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उत्तक अधिनियम के अध्याय 20-क में पोरभाषिर हैं, कही अर्थ होगा, बो उस अध्याय पंदिस गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 16 कट्ठा 11 छटा ह 1 वर्ग फुट 15, ग्रलिपुर पार्क रोड पर मर्थास्थत।

> श्राई० के० गायेन, सन्नम प्राधि ऽरण सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंं:-11, कलकत्ता

तारी**ख**: 19—9—1986

मोहरः

प्रकृष मार्ड्-दी. एव. एत . - - - - - - - -

(श्रन्तरक)

2 हिन्सूत इवैन्स्टमेंट सि०।

1 श्रा वाग्रा विशेष्टिक्स व्हि०।

(भन्तरिती)

बायकर मिनियम, 1981 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सूचना

धाउत संस्कात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक)

ग्रर्जन रेंज-I^I, कलकत्ता

कलकता, दिनः ह 19 सितम्बर, 1986

दिश सं० ए० सी०--54/ग्रार-II/ रूल/ 86-- 87,--- भतः मुझे, माई० के गायेन,

शायकर कार्यानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसको संख्या 12 है तथा जो प्रशिपुर प्रवेश्न, कलकत्ता में स्थित है। (ग्रीर इत्तत उपायद्ध अपुसूचा मेश्राप, पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिएड्राज्सी अधिजरा के जायन्य आर्० कलकत में, प्रिल्ट्राक्टल श्रीष्ठियम, 1908 (1908 का का 16) के अधान तारोख 28-2-1986

कर्णपृक्षकित सम्भात के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमाभ प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का अफित बाजार न्त्यः उतक रर्भान प्रतिकल सं, एस द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह अतिफल स अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयां) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पामा गमा भौतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बारत विक रूप संकिथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण से हुन्दं किसी पायु की बावट, उक्त व्याधिनियम् के बधीन कर दने के अन्त्रक वी वाधित्य में कमी करने या उससे बखने में सुविधा का लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी जाय का किसी अग का दान्य जास्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर श्रीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिनानं में सुविधा के किए,

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्चन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस गुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🦸 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ 📭 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से 'कसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचरा कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी 🕏 मास लिखिल पें किए जा सकेंगे।

स्पय्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, अने अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ श्रीमा को उस अध्यान में विका यया है।

मनुसूची

2/5 वाँ ग्रंग जमीन 17 कट्ठा, 4 छटाक, 16 दर्गफुट 12 अभिपुर अवेत्यु, कलकत्ता पर अवस्थित।

> माई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भाग्यत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, कलकसा

अक्ष: सक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- .

दिन: क : 19-9-1986

प्रकृप बार्च, टी. एन एस...-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार कार्याक्य, सहायक बायकार बायुक्त (मिररिक्रण)

श्रर्जन रेंज-II, जलक्सा

कलकत्ता, दिनां ह 19 सितम्बर 1986

निर्देश सं०ए० सी०—55/प्राप्—ार/ःल०/3 त-87'⊶— प्र∆ः मुझे, प्राई० के० गायेन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थक पश्चात 'उक्त भी धीनयम कहा गया है') की धारा 269- के अधीन सभम धाधिकारी को यह विश्वास करत श कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

घोर जिनकी संख्या 12 है नथा को आिष्ण अवेन्यू, ा ता में स्थित (है और इपने उपाबद अनुस्कों में ओल, पूर्ण सम से बिंगत है), रजिल्लोकर्ता अधि परि के परित्य आहे ००० कनहता में, रिक्लोक्टिंग अधि त्यम, 1908 (1900 ा 16) के अधीन नारीख (8-2-1986

म्ह प्रांचन संपत्ति को अचित बाजार म्ल्य में कम के ह्यान अधिक को लिए अन्तरित की गई है और मफे गह रिक्शाम करने का कारण है कि ध्याप्तेंकित संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उपके हृदयमान प्रतिफाल से एोसे राज्यमान प्रतिफाल का पत्त्रहाल का पत्त्रहाल के पत्त्रहाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; जीड/पा
- (क) एसी किसी धाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा जा का का वा किया धाना चाहिए था, छिपान में सुविधा व किया।

ा इंग्ल प्रोजैक्टस प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

2 सराफ होस्डिंग्न प्रा० लिं०।

(भ्रम्तिरती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्बन के विश्व कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में की इंभी शाक्षीप इ---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी का कितारों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविध , को भी व्यक्ति बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर पृशेंक्ड ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस मुखना के राजपत्र में त्रकाइन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगित्त में हित-बव्ध किसी अन्य श्र्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षदी के पास निश्वित में किए वा सकेंचे।

स्पद्धितरणः ---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदौं का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हागा। जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसू**ची**

2/5 वां ग्रंश जमीन भागः --- 17 कट्टा, 4 छटा ह, 16 वर्ग फुट, 12, श्रालिपुर श्रवेन्यु कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> ग्नाई० के० गायेन सलम शा**ध**ारी सहायक ग्रायकर श्रायुक₃ (निरीक्षण) श्रर्जनरे∴ा, कलकत्ता

बत: जब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण व, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जं अधीन, निम्नलिखित प्यथितयों, अर्थात् —

तारीख: 19-9-1986

प्रकथ बाहर्र हो। १म. एस. ००००--

कावभार विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्थना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

प्रजैन रेंध-II, कलक्सा

कलकत्ता, दिनांक 19 सियम्बा 1986

निर्वे सं ० ए० सी०-56/माए-11/कल०/86-87 -यतः मुझे, आई० े० गायन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) नेजियं इसम इसके पश्चात् 'उन्नतः अधिनियम' कहा गया है), की गर 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रस्ति ।

भौरि कि सं ० 10 है तथा जा धनदेवें खन्ना रेड, फलका में विधत है (श्रोप इसमे उपावज अनुसूचा में श्रीर पूर्ण का प्रियोग है), प्रिश्त की श्रीधारी के कार्यात्य सक्षम अधि गरी में, प्रियोग हुए रण अधि नियम 1908 (1908 का 1)) के अभोर, नारीख 3-2-1986

को पूर्वोविष्ठ सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम है इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्त हो बिश्न का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उत्तिक साजार मृत्य इसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए ने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हद्देश्य से उत्तत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त व्यथिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्क में कमी करने या उससे अचने में श्रीवधा के जिल् वीर्/या
- (भ) ऐसी लिसी बाब या किसी धन का अन्य आस्तियाँ कां, प्रेम्ब भारसीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? कां 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कां 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जरात अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) एउ० पी० मान्य एवं एसोडियेट्न। (भ्रन्तरक)

(2) ए० एण्ड ए० डेवलोपमेन्टस प्रा० लि०। (अन्हिती)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकत स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति धविशः;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षेत्र: 5 कट्ठा, 13 छटा ह, 5 वर्ग फुट, 10, धनवेबी खन्ना रोड, कलकत्ता-54 में भवस्थित।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रें :-II, कलकत्ता

तारीख: 19~9~1986

प्ररूप बाह . टी , एन , एस . -----

रापालण क्रिनियम, 1964 (1961 **का 43) की** प्रारा 269-थ (1) के **अधीन सुणना**

श्रारत सरकार

कार्यालयः, सहस्रक आरफ्टर आयुक्त (निज्योक्षणः) अर्जन र्-1ा कलकत्ता

कलकता, दिनांक 5 सितम्बर 1986

निदेश सं० ए० सी०~46/आए--II/ कर्ल/86~87 --यतः मुझे, आई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्ता अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधिन राज्य गिंधवारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्स 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर िसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्री जिल्ला श्रीविकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों में, रिजस्ट्रीर रण श्रीविक्यम, 1908 (1908 का 16) के अवीच, तारीख 10-2-1986

श्री पुर्वोत्तन सम्पत्ति को उचित जाजान जान्य सं कम को क्ष्यमान प्रीमित्रण हो लिए अ अगर को गई हो और मुक्ते यह जिल्लास नामों का हारण हो कि प्रधापनींकत संगति का उपित आजार मान्य जाना पाना का प्रतिक्षना में एसि स्वयसान पतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत में अधिक ही नौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के निए तव पामा क्या प्रतिक्रज, जिल्लाकित एवंद्रीय सं उन्त अन्तरण लिखिस मां का कि का कर से अधिक वहीं किया क्या है के---

- (कां) जन्तरण ने हुइ किसी जात की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (व) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियां अर्थ, विज्रु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया अर्थ हों है। वी, छिपान में सुविधा के निष्:

अतः अन, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण भा, मी. अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभाग (1) ा, रेनोक्स कांमशियल लि०।

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती इमारती देवी गुप्ता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप अ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बड़ सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास चिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 1 ए, 1 बी, पहली मंजिल पर, 8522 बर्ग फुट, 8, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-27।

> आई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, कलकता

दिनांक: 5-9-1986

मोहर:

3--306 GI/86

क्षाल बाहु हो है एवं, एक

जानकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की जानकर उर्थ-क (1) के संभीत स्वाता

STATE STREET

कार्यसर, सञ्चय बारकर बागुबस (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4435 — श्रतः मुझे, बी० ग्रार० कौणिक.

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या तीन मंजलावाला मकान, 41, जगनाथ ज्याद राजकोट में है। तथा जो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 24-9-1986

को नृजीवत तम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्रांमान प्रतिफल के सिए बन्धरित की गई है और बुओ वह विश्वास फरने का कारण है कि बनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उनके देग्वमान प्रतिफल से, एसे क्रियमान प्रतिफल का न्यह प्रतिवात से मौक्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सम पामा गया प्रतिकत्त निम्निसिचित क्ष्यक्त से उच्त सन्तरण विवित्त में गानाविक रूप से क्रीक्त नहीं किया बना है :--

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जीवित्रसम के बधीन कर दोने के बन्तरक के कृतित्व में कनी करने मा बबबे वचने में बृतिधा के लिए; बार/माः

कतः वव, उपत विधिनियम, की धारा 269-न व विमृत्यस्य की, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपपारा (1) ोत ि लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 निर्मला बेन हरी प्रसाद भट्ट 41, आगनाथ प्लाट, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

2 श्री प्रभु दास नरमेरास कामदार श्रीर 6 श्रन्य, श्रनुपम पर्लेटस, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने, जाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (वेस्ट), बम्बई--86।

(अन्तरिती)

भागे बहु सूचना बार्य कारके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

क्षम बुज्यात्व भी सर्वन भी सम्बन्ध में कोई भी साम्रोदा---

- (क) इस स्वया के प्रकार वे प्रकार की तारीय से 45 दिन की जनिए या तस्त्रवंभी व्यक्तियों पर स्वया की ताबील के 30 दिन की नवीय को भी व्यक्ति कर में समाज होती हो, के नीतर प्रवेतिक व्यक्तियों के वे किसी व्यक्ति हुन्याः
- (क) इस स्थान के रावषण में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपत्ति में हित्तनक्ष किसी अन्य स्थानत द्वारा, स्थोहस्ताकारी के शास विशित में किस का क्योंने।

स्पाक्षीकरण :--इसमें प्रवृक्त सन्धां और पदों का, वां उन्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में विद्या स्था है।

वंग्स्च

तीन मंजलावाला मकान, 41, न्यू जागनाथ प्लाट राजकोट में रिजिम्ट्रेशन नं० 6637/24~9~1986।

> बी० ग्रार० कौशिक ्सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंजनी, श्रहसदाबाद

दिनांक: 7-10-1986

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक ६ श्रन्तूबर 1986 न्देश सं० पी० श्रार० नं० 47.33/11/86–87 ---

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4733/II/86-87 — श्रतः मुझे, पी० श्रार०कौशिः,

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या बंगला नं० 57, सैफ सोनायटी, लम्से खूझन है। तथा जो रोड, श्रार्ठ एफ० नं० 31, टी० पी० एफ० नं० 8, मुगत में स्थित है (श्रीर इसके उपावत श्रमु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री उत्ती श्रिध हारी के कार्यात्य मुनत में रिजस्ट्री करण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख 29-9-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्द प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (२) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सूविधा के रिट्; गौर/या
- (१) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

लतः १७, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिष्टित व्यक्तियों, अर्थान :---

श्रो रसीक लाल मूल चन्द शाह
 ति, सैफ सोसायटी,
 लाम्बे हनूमान रोड,
 सुरत।

(भ्रन्तरक)

2 श्री ललित कुमार सी० संघत्ती, 50, सैफ सोमायटी, मुरत।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियू कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृक्षार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र तो प्रकाशन की ताररीख से 45 दिन के भोटर उक्त स्थावर सम्पत्ति भी हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मकान जो सुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सुरत में 7768 नम्बर पर दिनां ह 29-9-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० भ्रार० कौणिक सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनाँक: 6-10-1986

प्रकार कार्या हो है पुरा पुरा हुन-इन-इन-इन

बावकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269:च (1) में बचीन राजवा

STOR BRANT

कार्याज्य, सहाय्क आयकर आयुक्त (निर्धिक्ष) श्रजेन रेज I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर, 1986

पी० ग्रार० नं० 4734/II/86-87 — ग्रतः मुझें,जी० ग्रार० कौशिक,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उस्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, विसका उचित बाधार मृज्य 300,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं० 20, जी० आई० डी० सी० काबी है। तथा जो क्वाटर्स प्लान्ट एण्ड मणीनरी वापी में स्थित है। श्रीर इसके उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकत्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 3~10~1986।

कि मथापूनों कर संपत्ति का उचित्त वाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिश्त से अधिक हैं को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ख्रमान बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित प्रतिफल के निए अंसरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के उच्चें स्था से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांभत नहीं सिमा गया हैं क्ष्र

- (क) अन्तरण वे हुई जिल्ली लाग की नावत्, वनक अधितिका के अधीत कर दोने की कनाइक के वाजिएन को कनी करने ना क्लब्ले नजने में स्वाचका ने जिए; बीड्र/ना
- (य) पुरेश किसी जाय वा किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कार जॉथॉनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जॉथॉनयम. या थन-कर जीथीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य जन्मीरियो द्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा विका जाना नाहिए। या किया विका जाना नाहिए। या किया व

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मै० मेज एसोसियेटस (प्रा०) लि० वापी जी० म्राई० डी० सी०

(ग्रस्तिरती)

2. मै० वापी श्रारगेनिक केमिकस्य (प्रा०) लि० वापी इण्डस्ट्रयल इस्टेट वापी।

(ग्रन्तिरती)

की वह बूज्ना कारी करकं प्रीक्त उपराज के जवन १८ ४ छ। कार्यवाहियों शुरू करता हो।

चक्स सम्मार्ट्स की अवन की सन्त्राना में एक के विकास कर

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, का का अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी सन्य स्थिति प्रशास स्थातर सम्पन्ति के स्था जिस्सी सन्य स्थाति प्रशास सम्बन्धिः

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का. जो जबत अधिनियम की अध्याय 20-क हो परिक्षांचल हैं, वहीं अर्थ होंगा जो हर अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

37 ईई का फार्म पर कार्यालय में 3-10-86 को पेश किया गया है।

जी० श्राणः कीणिक सदाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज I , ग्रहमदाबाद

नारीख: 6-10-1986

मोहरः

प्रकार कार्ड. टी. एन एस

नामकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धात 269-थ (1) के नधीन स्थता

शास्त सरकाह

कार्यालय, सहायक बादकर बायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनां र 3 ग्रवत्वर, 1986

जिदंश सं० पी० ग्रार० तं० 4735/11/86-87 ----श्रतः मुझे, जी ग्रार० कोशिनः,

आयक्कर अधिनियस . १७८१ (196१ का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात १८६६ विधितिसमें त्या एमा ती। भी आरा 269-इ. के अधीन सक्षम आधिकारी की, यह रिवास १६० का आरा इ. कि स्थाप्त सर्वात अवस्था १९८४ वर्ष करा

1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिनकी संख्या नगीन 29?, 291, 293, 295 खड़क
है। तथा जो तहसंख पारडी में स्वित है (श्रोर इन्हें उपाक्त खढ़ स्मृसूचा में स्वीर पूर्ण रूप से विभा है), रिजस्ट्रीन की स्वित को जिस्ति। है। प्रशिक्ट्रीन की स्वित है (श्रोर इन्हें) पर श्रिधितरम, 1908 (1908 ज 16) के स्वित को न्यां कि निवत का मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारल है के स्थाप्चेंक्त सम्मीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बनारम संहाई किसा बाय की वाबए, उसत शीधनियम के बधीन कर धने के अन्तर्क के शियत्व में कमी कड़ने या उससे वचने में सुविधा से तिए; बीर/या
- ्रां प्रकी किसी कार्य था किसी धन या अस्य आस्तियां कार, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अप्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कर्तिका

बतः बद, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्सरण मैं, में उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बर्धाः, निकालिसित व्यक्तियाँ, स्वांत :— 1 श्री जीवीन चन्द्र डाकोर लाल पटेल खड़की, तहसील पारडी।

(ग्रन्तरक)

2, श्री अवस्य देश्यावजी उनवाला। उदवाडा, ताहसील पारडी ।

(भ्रन्तरिती)

का गृह स्चना अपने करके पृथांक्य संपत्ति के बर्चन के जिए आरोजग्रीहर्म करता हुं।

उबत सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इल स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाराः
- ्ख) ६स सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निष्ठित में किए जा सकेंगे।

ल्याब्दीकरणः --- इसमें प्रयोक्त का उक्त किर नहीं का, जो उक्त विधिनियम के विध्याय 20-क में परिश्लावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एवं हो।

अनुसूची

फार्म नं० 37 सी जो सब रिजस्ट्रार पारडी में दिनांक 16-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है जिसका कुल मूह्य 12,91,000/-- रूपये है।

> जी० ग्रार० कौणिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-10-1986

मोहर

प्रकार बार्ड । हो । पर्य पर्य -----

वानकार निधिनियम, 1961 (1961 का 42) की भाषा 269-च (1) के संधीत स्थान

CONTRACTOR OF STREET

कार्यासय, सहायक कारकर वापूक्त (निर्धावक)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

निनेशस० पी० श्रार० नं० 4433 — अतः मुझे, बी० श्रार० कोशिक,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या श्रव पी० श्रहमदाबाद में, साढीया 11, बोर्ड सी० एत० नं० 1711 श्रीर हैं। तथा जो 1912, जमीन 505, 85 वर्ग मीटर 198.16 मकान में स्थित हैं। श्रीर इपसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन तारीख 30-9-1986।

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित काकार मृत्य से कम के व्यवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके ध्रथमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्योग से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तरिक कम से कीचत नहीं किया गया है है—

- (क) क्लाइन है हुई कि की नाय की बावत उपय अक्टियन के बचीन कर देने के बन्तरक के खरितन में क्री करने वा उचने बचने में क्रिया के जिए; भीर/या
- (वा) एंग्री किसी बाव वा किशी धन वा अव्य वास्तियों को, धिन्हें भारतीय सामकर स्थितियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त नेधिनियस, वा धन-कर अधिनियस 1957 (1957 का 27) के प्रधासनामं बन्दिरती युवारा प्रथम नहीं किया थया या वा किया जाना चाहियू था, कियाने में सुनिधा वी किया;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसिवत व्यक्तियों, वर्षाक् क्र--

(1) साफरलाल बालाभाई बेरीटबेल ट्रस्ट डी-11/12, सील्वर आर्क बिल्डिंग, रोलवे क्रोसिंग नजदीक, गुजरात कालेज, एोलीसब्गीज, अहमधाबाद।

(अन्तरक)

(2) गुजरात ला सोसायटी एलीसब्रीज, अहमदाबाद-38006

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रॉक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उपन बन्धरिय के बर्चन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाधरेप :

- (क) इब क्षमा के राष्ट्रम में प्रकाश की वाडीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब प्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिरा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त बाँभनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच. पी. अहमदाबाद में खड़िया वार्ड-।।।, सी.एस.नं. 1911 और 1912, जमीन क्षेत्रफल 505.85.85 वर्ग मीटर-198.16.28 वर्ग मीटर-मिकान उन पर रिजस्ट्रोग नं. 16638/30-9-86।

> वी० ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-10-1986

प्रकृत कार्य ,दी , युन् , युन् , , अस

नायकर निधिनियम, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-भ (1) भी नभीन त्रामा

THE STREET

कार्याजन, वहायक नामकर नानुक्त (निरोक्तन)

भ्रजीन रेज, श्रमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1986 निदेश सं०पी० झार०नं० 4424 — झत: मुझे,बी० झार० कोिभिक.

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित वाचार नृज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 2267 बी-2, 2267 बी-1 ग्रीर 2267-ए हैं। तथा जो जमीन 1906.08 वर्ग मीटर, व्हील ड्राइब भावनगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्री करण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, सारीख 26-6-1986 ग्रीर 14-7-1986।

को न्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार ब्रुच्य, उसके श्रम्थमान प्रतिफास से, एसे श्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्वेदय से उक्त बन्दरण निवित्त में वास्तिक रूप से किथात सहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, अर त अधिनिष्य के अधीन कर योगे के नृत्यरक में शावित्य में कभी करने वा उसते वचने में सुविधा ने धिए; सैर/या
- (का) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिया के लिए;

नतः जरू. जरू त विधिनियम की धारा 269-व के बन्धरंभ मं, मंं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

सभीताबेन नन्दलाल पण्डया,
 श्रीर मुरेश कुमार नन्दलाल पण्डया,
 स्य महल नं० 2,
 वाधवाडी, भावनगर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुकेश कुमार विलोकचन्द चौधरी डाइरेक्टर विलोकशीप श्रेक्स िमिटेड, श्रीर चौधरी एण्ड चौधरी शीप श्रेक्स (प्रा) लिमिटेड, 32, क्वाय स्ट्रीट, दाइखाना, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

भी वह भूषना बारी करने पूर्वांच्या सम्मरित वे सर्वन के लिय कार्यनाहिया करता हूं।

बच्च बम्ब्टिंत् के बर्चन के बम्ब्स्थ में कोई भी मासर :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस सं
 45 जिन की जनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के दास सिसिस में किए या सकोंगे।

ल्लाखीकरण — इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्ट अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिस् भावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2267 बी-2, 2267 बी-1 मौर 2267-ए जमीन क्षेत्रफल 1906.08 वर्ग मीटर मीटर, म्हील ड्राइव, भावनगर में, सब रिजस्ट्रार भावनगर रिजस्ट्रेशन नं० 1836 दिनांक 26-6-1986, 2043/14-7-86 भ्रौर 2042/14-7-1986।

बी० भ्रार० कौणिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

विनांक: 29-9-1986

त्रकम् वार्षं टी. एन व्या

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २०० का को अभीन सुन्हा

नारत तरकार

ं कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 6 श्रवतूबर 1986

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 1434 -- स्नत मुझे बी० श्रार० कौशिक

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजाध् 'जन्द अधिनियम' नदा बना ही, की भारा 269-च के नधीन सभाग प्राधिकारी को यह विकास करने का कारम है कि स्थापर सम्बद्धि, जिसका उपित नायार सुम्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी मंख्या एच० पी० सहमदाबाद में टी० पी० एस 20 ज० पी० नं० 61 जमीन है। तथा जो 709 गर्ग गाई महान 296 वर्ग मीटर 1/2 वीन पचजचणी कीया में। दिशा है (श्रीर इक्ते उपाबद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण क्ष्य में वर्णित है) रिजिन्द्री इली स्रिधिकारी के कार्यालय स्रह्मदाबाद रिजिस्ट्रीकरण स्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन में तारीख 30-9-1986।

को पूर्वोश्रत सम्पत्ति के उचित वाजार मूख्य ने काम के सम्प्रकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूज्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से जीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वित्यका, विकासित स्वृद्धक से उस्त अन्तरण विविद्धत में

- (क) कम्बरण वे हुई किसी बाय की बायल, उनस बॉल्डियन के अपीय कर वोचे में मन्तरण के वर्तकान में कभी करने वा कक्को वचने में सुविधा हो जिए; कोर/या
- (क) एंसी किसी भाग या किसी भन या जन्म शास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर जिन्हिनसम, 1922 (1922 कर 11) जा उच्छा अधिनियस, या भग-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रक्रीयशार्थ जन्मरिसी हुमारा प्रक्रम नहीं किना नवा भा था जिला काला बाहिए था, किसारे स्विका से विका

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) ि लि व्यक्तियों, अर्थातः ---

 नवनीत लाल की सोडी फेमिली ट्रस्ट बेटेंजिंग ट्रस्टी
 श्रीमति शारदा नघनीत लाल मोडी िवाजी पार्क दादर बम्बई-400038।

(अन्तरक)

2 नीला जनभगंकर माफण्ड जोधपुरा रोड ंपेटेलाईट रोड प्रहमसमाबार।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके व्यक्तित सम्पत्ति से सर्वन में किस् आर्यनाहियां करहा हूं।

प्रकार सम्पति को सर्पन की ग्रंडिंग ही करते भी आकृष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ग्वा की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किनी जन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्तक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

्च० पी० श्रहमदाबाद ; 1/2 बीन पश्चेंचणी कीया रोष्ट मिल्हायत टी० पी० एम० नं० 20 एफ० पी० नं किकी जन्नीन 704 वर्ग बाई प्रकान 290.72 वर्ग मीटर श्रह्मदाबाद रिजस्ट्रेंशन नं० 16586/30-9-1986।

> बी० **श्रार० कौ**शिक स**क्षम** प्राधिकारी पहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज ग्रहमखाबाद

दिनांक: 6-10-1986

प्रथम बाह् ,टो ,दन ,एस ,,नन्ननवरणना

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

शारत सरकाष

भार्यातय, महायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांच 29 सितम्बर 1986

निदेश सं०पी० आर०नं० ४४25 — अतः मुझे, बी० आर० कौशिक,

नायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात जिसे आधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-क के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मस्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 18 एस०-1, श्रन्जारिया चेम्बर्स ब्लाइ नं० ग्री० बी० श्रीर सी है तथा जो 5622 वर्ग फीट है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-9-1986

को प्शोंक्त सम्पत्ति को उषित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान मितफल को निए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि सथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित वाजार पृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का एन्स्र प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (जंतरकों) जौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरफ के सिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक एप में कथित नहीं किया गया है मन्न

- (क) बन्तरण स हुइ किसी नाम की बावत, उक्त किमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में मृषिधा के लिए; वर्षिना
- क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अन्य कर विधिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, शा धन-अन विधिनियम, शा धन-अन्य विधिनियम, शा धन-अन्य विधिनियम, शा धन-अन्य (1957 को 27) के प्रक्रियां अन्तिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

चतः जात, जनत अधिनियम को धारा 269 म को अनुसरण हो, मो, हानत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभीत्:——
4—306GI/86

 मैससँ अन्जारिया एस्टेट प्रोइवेट लिमिटेड, मैनेजिंग डाइरेक्टर,
 श्री जवाहर लाल सुन्दरजी अन्जारिया, अन्जारिया चेम्बर्स, के० बी० रोड, जामनगर।

(ग्रन्तरक)

 श्रार० के० था फैमिली ट्रस्ट, ट्रस्टी श्री श्रार० के० शाह, सुमेर क्लब रोड, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राज्यम् में प्रकारत्त् की तार्डीच से 45 विष की ज्यों में ता तत्त्वम्याची व्यक्तियाँ वृष स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सबीध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराई
- (क) ्म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध. किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

वन्स्ची

सी० एस० नं० 18 एफ० 1, श्रन्जारिया चेम्बर्स संकण्ड फ्लोर, बनारु नं०, ए० बी और सी० क्षेत्रफल 5622 वर्ग फीट 522.28 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 3014/ 26-9-1986

> बी० ग्राप्त कौणिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाध

दिनांक: 29-9-1986

मोहरः

प्रस्त नाई. ठी. एन. शस . -----

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत बहुकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 मितम्बर, 1986

सं० पी० अ१९० नं० ४४२६ -- अनः मुझे, बी० आए० कौशिक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या एवं पीठ ग्रहमदाबाद में, टीठ पीठ एसं-3, एफठ पीठ नं 963, है तथा जो एसठ पीठ नं 20, जमीन 1127.95 वर्ग मीटर मजान में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध तारी के कार्यालय ग्रहमदाबद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 29-9-1986

को पृष्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तियक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई जिल्सी आय आर्थ बाबस, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने यें सविका वे सिक्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् मुशीला बेन हरीलाल नाथालाल की विवव पत्नी, ग्रानन्द प्रपार्टमेंट, पालडी, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री पी० के० संघवी (एच० पू० एफ०) डमाबेन दिनेश भाई संघवी 'गोबिन्द शीतलबाग, मीदाखाली चार रास्ता, एलीसश्रित, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

 मैनर्स नियान आदर्भ प्रा० निमिटेड शीतलबाग, सरदार पटेल शेड, प्रहमवाबाद।

> (बह टयकिन, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वित्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ष भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

सम्बोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

रम्स्ची

एच० पी० ग्रह्मदाबाद में, टी० पी० एम० 3, एफ० पी० नं० 963, एस० पी० नं० 20, जमीन 1127.95 वर्ग मीटर, महानतूलन को० ग्राप० हा० सोमायटी, ग्रह्मदाबाद रिजस्ट्रेशन, नं० 16566/29-9-1986।

वी० ग्रार० कौशिक मक्षम प्राधि कारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन, रेंज श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-9-1986

वचन बार्ड् हो स्म स्व ्राट्टा

नामकर निर्मानमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक वायकर वायुक्त (किरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

मं० गी० प्रार्० 4399—प्रानः मुझे, बी० भ्राप्त० कौशिक, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या जमीन 976 वर्ग यार्ड + मकान श्रहमदाबाद में, टी० पी० एस० 3/5, है तथा जो एफ० पी० 595, एस० पी० नं० 1, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 29-9-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर इने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ात अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुवरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्रीमती जोतेन्द्र संकरलाल पटेल एच० यू० श्रफ० जोतेन्द्र नीवाम, रंगशाला टावर के नजदीक, गुजराज कालेज रांड, श्रेलीस ब्रीज, श्रहमदाबाद। (श्रन्सरक)
- 2 प्रीत को० ओ० प्रा० सोगाइटी प्रयोहजड श्रोगेंनाक्ष्जर कल्पना किरनभाई नगर रोड, 586, पटेल एण्ड साह बिल्डिंग, मिठारवाली, अेलीसब्रिज, स्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिम के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्भ किसी जन्य व्यक्ति ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उसक अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिय. गया है।

नन्स्ची

जमीन क्षेत्रफल 976 वर्ग मीटर+मकान श्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 3/5, एफ० पी० नं० 595, एस० पी० नं० 1, रजिस्ट्रेशन नं० 16533/29-9-861

बी० आर० कौशिक सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रोज I, ग्रहमदबाट

दिनांक: 30-9-1986

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. श्रष्टमसाबाद

श्रष्टमधाबाद, विनांक 30 सितम्बर 1986

सं० पी० श्रार० नं० 4428:—श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहुं गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 476 वर्ग यार्ड माकान भ्रहमदाबाद में, है। तथा जो टी॰ पी॰ एस॰ 3/5 एफ॰ पी॰ नं॰ 595, एफ॰ पी॰ नं॰ 2, में स्थित है (भ्रौर इसके उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का फारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्देष्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में बास्तिबक रूप से किशत का हैं:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः वन, ४५तः विभिन्नम की धारा २६९-ग को वनुनरक को, माँ, उक्त अधिनियम की भाग २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीत :---

 सफरबेन शंकरलाल दयालभाई पटेल जीतेन्द्र निवास, रंगवाला टावर के नजदीक, गुजरात कालेज रोड, ऐलीसब्रिज श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 गीत को० भ्रो० रा० सोसायटी प्रयोजङ श्रागेंनाइजर गुरीबेन कौशिकभाई पटेल मुकेश धीरजलाल बोरा,
 586, पटेल एण्ड शाह बिल्डिंग,
 मिठारवाली, अेलीसभीज, भ्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचनः बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

भमीन क्षेत्रफ़ल 976 वर्ग यार्ड + मकान **मह्दाबाद** में टी० पी० एस० 3/5 एफ० पी० नं० 595, एस० पी० नं० 2 रिजस्ट्रेशन सं० 16534/29-9-86।

> बी० ग्रार० कौणिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 30-9-86

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 4429-श्रत मुझे, बी० श्रार० कौणिक.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी जमीन 5532 वर्ग यार्ड + पुराना मकान, श्रहमदाबाद में, है तथा जो टी० पी० एस० 14, एफ पी० 233, सर्वे० नं० 189 में स्थित है (श्रीर इसंग उपा-वद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-9-86 को पृष्टिंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तां सीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धारेय से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सर्विधा स्त्रे लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— ग्रस्पि डुगाजी दारुवाला ग्रौर श्रन्य, चिक्तटर विला, राजभवन रोड, गाहीबाग, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. बुंगाची श्रपार्टमेंट को श्रो० हा० सोसायटी, प्रपोजड श्रार्गेनाइजर—श्री दायाभाई चतुरभाई पटेल, कमल कुंज सोसायटी, शाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति को नर्जन को संबंध में कोई नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सन्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त :ांती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अर्थ हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 5532 वर्ग यार्ड — पुराना मकान, क्षेत्रफल 283.78 वर्ग मीटर, जमीन के बाहर 6242 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस० 14, एफ० पी० नं० 233, सर्वे नं० 189 श्रहमदाबाव रजिस्ट्रेशन नं० 14386/22—9−1986।

बी० मार० कौशिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-I, महमदाबाद

दिनांक: 30-9-1986

प्रकार काही, टी. एव. एव. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-व (1) के बधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश मं०पी० ग्रार० नं० 4430 ----श्रतः मुझे, बी० ग्रार० कांशिक,

भायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन 401 वर्ग यार्ड मकान जी० एफ० मे एफ० एफ० टी० पर० एम० 3, है तथा जो एफ० पी० नं० 214 बी, एस० पी० नं० 6, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-9-1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया पना प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य हे उन्त अन्तरण निक्ति में शास्त्रिक रूप से कायत नहीं किया पना है हम्म

- (क) बन्दरम् वं हुई मिनी बाव की वाबद्धः, उपल वीधीनयव के अभीन कर दोने के अन्वारक के वायित्य यो कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; मार्-या
- (क) एस किसी श्राय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिशा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- लिलिताबेन गांतीलाल चौकसी
 सर्य फ्लैट्स, नेताजी रोड,
 मीडारपली चार रास्ता,
 एलीसक्रिज, अहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

2. गुजरात राज्य पोल्ट्री को० ग्रो० फेडरेणन लिमिटेड, 61, सरदार पटेल कालोनी, ग्रहमदाबाद-380014।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 401 वर्ग यार्ड मकान जी०एफ० एफ० एफ० क्षेत्रफल 111.20 वर्ग मीटर, अहमदाबाद टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 214 बी, एस० पी० नं० 6 रजिस्ट्रेशन नं० 16543/27-9-1986।

> बी० प्रार० कांशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

दिनांक: 30-9-1986

प्रकप आहें, टी. एन. एक. ------

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 30 मित्रम्बर 1986

मं पो० ग्राए० नं० 4431---ग्रनः मुझे, बी० ग्राए० कौणिक,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्लियास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या जनीन 709 वर्ग यार्ड + मकान 296.72 वर्ग मीटर पैकी 1/2 है तथा जो छीन पहेंचणी फ़ीया शेर शहमदाबाद में, टी. पी. एस. 20, एफ. पी. 61 में स्थित है, (श्रीर इपसे उगाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री क्विं अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्री क्रिएण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, वार्रेख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अम्लारण से हुइ किसी बाब की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्स में कमी करने या उससे अधने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविध्य के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिसिक च्यक्तियों, अधीन :--- तववीत सी० मोदी फ़्रीमली ट्रस्ट, मैनौजिंग ट्रस्टी शारदा बैन नवनीत लाल मोदी, शिवाजी पार्क, दाटर, बम्बई~400028।

(अन्तरक)

श्रनील चन्द्र कान्स नानावटी, ग्रनील वीला, पालडी चार रास्ता, पालडी, श्रह्मदाबाद-380006।

(भ्रन्तरिती)

को यह न्यना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए काथवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

एच० पी० श्रहमदाबाद में, जमीन 709 वर्ग याडं + मकान क्षेत्रफल 296.72 वर्ग मीटर पैकी 1/2 श्रविभाजित की या शेरटी० पी० एस० 20, एफ० पी० नं० 61, श्रहमदाबाद, रिजस्ट्रेशन नं० 16564/29-9-1986।

वी० श्रार० कौणिक, सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

तारी**ख** 30-9-1986 मोहर

प्रकथ बार्च . डी . इन . एस . -----

भारतार किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारता 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (चिरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० पी० श्रार०नं० 4432/1/86-87-- श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'स्वकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधी- पक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका अधिस बाजार मृत्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन 156 की० पार+मकान 50 की० पार है तथा जो टी० पी० नं० 3, एफ़० पी० नं० 169. एफ़० पी० नं० 17 पैकी श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबक्ष श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ली अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26~9—1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के लिपत बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक ं कोर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक ज्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कें का अब्द अव्या अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ए. मैं, उक्षत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नवनीत लाल बालु भाई देसाई साषरकुंज, हाई कोर्ट के पास, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-9।

(भ्रन्तरक)

 सोमानधर णापिंग सेन्टर भ्रोन से एसोसियंशन प्रमुख श्री नयन नटबरलाल गज्जर, प्रभुपार्क, मणीनगर, भ्रहमदाबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिश की क्यांप, वो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्व भी शारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रांपित में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टीकरणः — भूसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्व दिशा की श्रोर की जमीन जो श्रहमदाबाद में स्थित हैं जिन्नकाटी पी एस नं 3, फाईनल प्लाट नं 169, एस पी नं 17 पैकी 156 वर्गगन मजिन 50 वर्गगज मजान का कुल क्षेत्रफल है। रिजस्ट्रेशन नं 16466 दिनांक 26-9-1986 का है।

बी० ग्रार० की शिक मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमक्षाबाद

विनांक :30-9-1986

प्रस्य बाह⁸ व टी • एव ० एस -----

सामकार महिर्मात्रथमः, १९६१ (19**६१ का 43) की** भारा 2**६९-म** (1) **के गंपीय स्था**

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षक)

श्चर्यन रेंज, रोहसक

रोहनक, दिनांक 17 शितम्बर, 1986

सं० प्राई० ए०सी०/एक्यू/रोह्तक/73/85-86 - ग्रतः मझे, बी० एल० खत्री,

नाधकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिन्ने स्वानें इन्नफं पनचात् 'उत्ता लिधिनियम' कह्न गया हैं), की धाच 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकाशी को वह विश्वाम करने का कारन हैं कि न्धावर तम्पत्ति जिसका संचित्त वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिल्ला संख्या 91 कैनाल, 12 मरला भूमि, खेरी साध सहसील रोहतक में स्थित है (श्रीर इसमें उपाद्ध श्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्णलय, रोहतक भारतीय धायकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 19-2-1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उस्तरित की गद्द हैं और मूझे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्लार बुल्य, नसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंग्नह प्रतिशत से किथक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिक नहीं किया गया हैं:—

- (क) क्लारण ने हुइ किन्दी शाय को नायत, क्रमत करि-नियम में अभीन कर दोने के बन्तरफ के शायित में कभी करने ना उससे बचने में सुनिधा के मिए: बीप/ना

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्ट्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—306 GI/86

श्री धूप सिंह,
 पुत्र श्री नागक पुत्र श्री गोरधन,
 निवामी खेरी साध, तहसील रोहत्वः।

(ग्रनरक)

लाल चन्द स्कूल सोसायर्टा,
लाल चन्द नगर, किला जफ़रगढ़,
जिला जींद (हरियाणा) द्वारा
श्री ग्रग्यनी कुमार, पुत
श्री सतदेव गर्मा
निवासी 7858/4, नदी मोहस्ला ग्रम्बाला शहर।
(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचका के राजपण में प्रकाशन का तारीं से 4.5 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिगवक्ष किसी सन्य कावित व्यास वभोहस्ताकारी के पास सिवित में किस का सबैंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पति 91 कैनाल 12 मरला भूमि को खेड़ी साध तहमील रोहतक में जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय, रोहतक रजिस्ट्री संख्या 5954 दिनांक 29-2-86 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, रोहतक

दिन कि: 17-9-1986

प्ररूप वार्षं .टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-रोहतक'

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/रिवाड़ी/ 30/ 85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित दाजार मृत्य

1,00,000/- स्त. से अधिक हैं भीर जिसकी संव 63 कैनाल, 11 मारला भूमि, जोनिया नास, तहर रिवाड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रिवाड़ी भारतीय श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 के कार्यालय, रिवाड़ी भारतीय श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 के

के अधीन, दिनांक 19-2-86 को पृशेंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उत्त-रती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उवत अन्तरण लिखित में भारतिकक रूप से कथित नहीं किया गया है एक

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आगकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नज अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयाट नहीं किया गया था या किया जाना नेप्रकृत था. छिपानं में भ्विधा के लिए।

बतः स्व, उक्त अधिनियम को पारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० मोहन एक्सपोर्ट्स इण्डिया प्रा० लि०, मोहन हाउम, 7-जमरुद्धपुर कम्युनिटी मेण्टर, कैलाज कालोनी एक्सटेंजन. नई दिल्ली (द्वारा श्री विवेक कुसार पुत्र श्री णिव किणोर निवासी दिसल्ली फाइनेंसियल कण्ट्रोलर) (ग्रन्तरक)

aratata atauta ata alabaka.

(2) यूरीलन लिमिटंड, 7 कम्यूनिटी सेण्टर, जमरूदपुर, कैलाण कालोनी, एक्सटेंशन, नई दिल्ली । (भ्रन्नरिक्ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाज होती हो, के भीतर प्रोंकत व्यक्तियाँ में सं किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-इय किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के यस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों बा, जो उक्त आंधनियम, की अध्यार 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

मप्त्वी

सम्पत्ति 63 कैनाल, 11 मारला भूमि जो जोनियाबाम तह्र० रिवाड़ी में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रिवाड़ी में रिजस्ट्री संख्या 3153 दिनाक 19-2-86 पर दिया है ।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक : 11-9~86

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

जायकर आधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुघना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 24 सितम्बर 1986 निर्देशसं० ग्राई०ए० सी०/एक्यू०गुडगांव/398/85~86~~ श्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पीत, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 15 बीधा, 16 बिस्व पुष्टता रिहायसी कमरे एवं श्रैंड जो शिकोहपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बींगत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर श्रीधनियम 1961 के श्रधी दिनांक 28-2-86

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा प्रवेक्ति मंजीत का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एस द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अव बार अंतरिक (अत्तरकों) और अंतरिकी (अंतरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया प्रात्यक, निम्निलिखत उद्योग्य से उन्त बन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किंपित नहीं किया गया हैं;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूधिधा के सिए; और/बा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः बब, सक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण भी, भी उत्त राभिनियम की पास 230 पाकी स्पाधार (1) के बधीन निम्नजिक्ति व्यक्तिसमी, अभित :--- (1) श्री रनजीत सिंह रेखी पुत्र नन्द सिंह पुत्र निहाल सिंह नि०—28 पार्क एरिया, करोल बाग नई दिल्ली। (बजरिये मुख्त्यार-श्राम सरदार कवल जीत सिंह पुत्र सरदार गुर चरन सिंह नि०-61-बी/6 जटारी मार्ग, राजिन्दर नगर नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार जैन पुत्र चन्दरभान जैन नि०—महाराम नगर, दिल्ली —केण्ट नई दिल्ली — 10

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपर्शि के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्यी

सम्पत्ति भूमि 15 वीधा 16 बिस्वा पुरुता रिसायसी कमरा, शैंड सिह्त जो शिरोहपुर में स्थित है जिसका श्रिष्ठक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6960 दिनांक 28-2-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; रोहतक

विनांक: 24-9-1986

प्ररूप बार्ड ्टी. एन. एस.-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 सितम्बर 1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1..00,000/- रु में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 25 कनाल 24 मरला जो गांव चौमा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक 3-2-

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया मितफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन का बन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री दीप चन्द पुत्र खेमा नि०----बिजवासन सुबा दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० अन्सल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं० लि०, 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वद शत्वों और पदों का, जा उक्त अधिनियमः, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ है के उस अध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 25 कनाल 2 मरला जो गांव चौमा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रिजस्ट्री संख्या 6454 दिनांक 3-2-86 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिक री सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तिकों. अर्थात :---

दिनांक : 24-9-1986

परण क्षाप्त ती एक प्राप्त . ----

प्रक्रम अभिनियम, 1961 (1961 का 43) **की** प्राप्त 269-च (1) **की अभीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देण सं० भाई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/ 2/86-87---अतः मुझे, बी० एल० खबी,

आमका कर्षथानवस, 1960 (1961 का 43) (विसं इसमें क्ला राज्य करा किया है। की भारा 269 से के अधीन सक्षेत्र अधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, विसका जिन्हा बाबार मृत्य 1,00,300//- उ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग कोठी, मकान साथ ही खाली जगह जो बहालगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकप्री के कार्यालय सोनीपत भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के के ग्रधीन, दिनांक 12-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास अन्तर्व का कार्या हो एक एमाएबोक्त सम्पादि का उपित साजार मूल्य उपको रहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्यह प्रतिचल में अभिक्त है बार अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तर रिसी एक एएतमाँ) के श्रीच एसे अन्तर्थ के किए सम यादा यहा अविद्या गामन अभिक्त अनुवृद्य से जबत अन्तर्थ सिचित में शासनिक एम से कांचित नहीं किया गया है

- (क) मन्तरण हो हुई फिली बाब की बाबत जनत महोदीनकम ने जनीन कह दाने के बन्तरक में वास्थित में कवी कहने या उससे मचने वा सुनिया में देशकु , मोड/मा
- (क) एसी किसी जाम या भन या भन्य जास्तियां का, जिन्हें भारतीय जाम-कर प्राधानधम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, मा अन्त्र्य अधिनियम, मा अन्त्र्य अधिनियम, १७57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए जा, जिल्पान में सुविधा को जिन्हे;

अतः जव, उन्त अधिनियम की भारा 269-न नै अन्सरम मो, भी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोलिखिक व्यक्तियों, अथौत है— (1) श्री गंजेन्द्र सिंह पुत्न श्री कृपाल सिंह पुत्न सुन्दर सिंह नि०---ग्रमृतसर 16 कोर्ट रोड (हाल, एन--1 कीर्तिनगर दिल्ली हाल सोनीपत)

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रमृतसर स्वदंशी वूलिन मिल्स राम तीर्थ रोड, श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचन जार। करके पूर्वास्त सम्यक्ति हा अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवस्य सम्बद्धिल को स्वान्त है सम्बद्धि में उन्होंने हैं। आक्षाया -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की जबिस था तत्मंत्रंथी क्यक्तियों पर जिल्ला की उन्होंने को उन्होंने का की जबिन, को भी अविस् शह में समान्त होती हो, के बीएए पृत्तीं कर राजिए की जों में किसी क्यक्ति क्षारण
- (श) इस सम्मा के राजधा में प्रयाणन की तारील मं 45 किन के बीता जनत स्थापन समारित में दिताबहुए किनी जन्म स्थापित प्रशास कर्मात्र के वास :- ५० में लिए स. ए.स्पां

स्पष्टिकरण ---इसमं प्रयूवत शब्दे गैर धरों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्या 20-क में यथा परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में भिक्या गया है

वनुसूची

सम्पत्ति फैंक्टरी बिल्डिंग, कोठी, मकान साथ ही भूमि खाली भूमि भी है जो बहालगढ़ में स्थित है सिका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत रजिस्ट्री संख्या 646 दिनांक 12-5-86 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज; रोहतक

दिनांक : 17~9-1986

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सिम्नबर 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/1/86-87-

भतः मुझे, बी० एल०खन्नी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा ≥69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फैक्टरी विस्डिंग, कोठी मकान एवं साथ खाली भूमि जो बहालगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्धं अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सोनीपत भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन, दिनांक 14-4-86

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री किरपाल सिंह नि०— 16 कोर्ट रोड, अमृतसर (हाल, एन~1 कीर्ति रोड, मुकेरर कीर्ति नगर दिल्ली) (धन्तरक)
- (2) भ्रमृतसर स्वदेशी वूलिन मिल्स, रामतीर्थ रोड, भ्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिषकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग, कोठी, मकान एवं खाली भूमि जो बहालगढ़ में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्री- कर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 343 विनांक 16-4-86 पर दिया है ।

वी० एल० खदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज∽रोहतक

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

विनांक : 17-9-1986

प्रकल्प आहें, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकात

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/ए क्यू०गुड़गांव/15/86-87---मतः सुझे, बी० एल० वाली,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15 कैनाल, 3 मरला भूमि नरसिंहपुर/बेगमपुर 43 कैनार 12 मरला भूमि कोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिष्ठिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रिष्ठि-नियम 1961 के श्रिष्ठीन दिनांक 21-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दूरयमान प्रतिफस से एसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया अयन वाहिए था, स्थान में भीन्य अस्ति स्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथित् :—

- (1) श्री योगेश चन्द मुंजाल पुत्र श्री सत्यानन्द निवासी---डी०-140, पूर्वी फैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मे॰ सोना स्टीरिंग सिस्टम लि॰ 17, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पृथिक्त सम्पक्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः—-इसमें प्रयुक्त कर्ज्यां और पदी का, भा अवस विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्स्ची

सम्पत्ति 15 कैनाल, 3 मरला भूमि जो नरसिंहपुर बेगमपुर कोटला में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 334 दिनांक 21-4-86 पर दिया है ।

> बी० एल० **खत्री** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनां क : 17~9~1986

- Total for each 11 - --- -

प्रसम्प वार्षः ती । एन । युक्त ु----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारण १६७ च (1) के अभीत सृष्टना

भारत सरकार

भाष्यत्यः सहायक जायकर आयुवत (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिना ह, सिनम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/1/86-87-भतः मुझे बी० एल० खन्नी,

अधिकर अधितियम, 126! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'प्रकृत अधिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- गा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी गं० प्लाट सं० 85 (2984 व० ग०) फैक्टरी रोड जो एलपादपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीबाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 30-4-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के कामान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास १.रते का कारण है कि मथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एमें बश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से बाधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एों अन्तरण के लिए तब यामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उक्केंच्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कोथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काज की, वाक्स, उक्स अधिनियज के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कभी करने वा उसते वचने जें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आम या किसी धन का अस्य अस्सिकों करो किन्द्वे भारतीय आयकर अधिश्वित्वत, 1922 (1922 का 11) या उनल अतिश्वित, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रथल नहीं किया गया या था किया जाना साहिए था, छिपाने में सृविभा गोलिए:

- (1) श्री युशफ पुत्र युस्मान खन्नी, फैंज पुत्र यूनिश स्माइल खन्नी, उमर पुत्र यूनिम स्मान जन्नी नि०-5-कैलाश कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) मे० रेख्नर एडीसन प्रिन्टस प्रा० लि० बी०-451, त्यू फैण्डस कालोनी, नई दिल्ली । हाल रेख्नर एडीसन प्रिण्टम प्रा० लि० 85 डी० एल०-एफ० इण्डस्ट्रीयल ईस्टेट मथुरा रोड, फरीदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मैं० रंग ज्योति काटन 92 श्रोखला इण्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 3-नई दिल्ली बजरिए श्रववाकर खत्री पुत्र उस्मान श्रब्दुला खत्नी श्रीमती रोणन पत्नी स्माइल खत्नी । नि०--एल-5 कैलाश कालोनी नई दिल्ली फर्म का हिस्सेदार)

(वह व्यक्ति जिसके कब्जे में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्स सञ्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीन्त से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अपिकताों गर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत स्वित्यों में किसी व्यक्ति इतारा;
- (का) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्लारा अधोद्धस्ताक्षरी के श्लेख सिक्ति में किए या सकी।

स्मार्गिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त संख्यों और पर्यों का, यो उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होना यो उस अध्याय में दिवा नया है ?

ग्रनुसूची

सम्पत्ति इण्डस्ट्रीयल प्लाट मं० 8 (2984 वर्ग गज जो इण्ड० स्टेट सं० 1 जो एतमादपुर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 1266, दिनांक 30-4-86 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्ष म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ायक आयकर आयुक्त (ागराक्षण*),* श्रजीन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-86

मोहरः

क्षेत्र के अनुसरण की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनयम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रकृष सार्वे टरे पुन पुन .

नायकर नाभानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

शास्त सहस्राह

कार्याक्य, सहायक जायकर जायृक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेजि---रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986 निदेश सं अर्ह० ए० सी ०/ए यू० गुड़गांव/28/86--87---

श्रतः मुझे, बी० एल० खती, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 46 कनाल 1 मरला साथ ही ट्यूब बैल वृक्ष श्रादि फाजिलपुर झाडसा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 31-5-86

को वृषोंपत सम्परित के उचित्त बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और गुभे यह जिक्ष्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वस्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफम, निम्निसिचित उव्वदेय से उच्त जन्तरच सिचित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया नवा है ——

- (क) बन्धारण से हुई किसी बाव की बावत, उपन अधि-विषय की जभीन कार देवें के जन्मरक से वाहित्य में कमी कारवें वा उच्छे वचने में सुविधा के लिए; आदि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया भया था, या किया जाना शाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6--3065GI/86

- (1) सर्व श्री मोहनलाल, राजा राम पुतान चापू राम पुत्र लाल चन्द । नि०---बादशाहपुर तह० -- गुड़गोव । (श्रन्तरक)
- (2) रतना वली रीयल ईस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लि० डी-104 सोम विहार, नई दिल्ली । (भन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पृत्रोंक्त सम्प्रतिः वौ वर्षन के तिर कार्यवाहियां कारता हुं।

दक्त सम्मृतित् के मर्जन के सम्मृत्य में कोई ही भागाँप्र---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारील की 45 विन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की नव्धि, जो धी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादा;
- (क) इस स्वता क रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्परित में द्वित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीये।

स्थळकिरलः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, को उक्त विधिनयम को कथ्याय 20-क में परिभाविष्ट हैं, वहीं क्यें होगा को उस कथ्याय में विका गया हैं।

अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 46 कनाल , मरला एवं कमरा **ट्यूब बैल** एवं वृक्ष श्रादि फाजिलपुर झाडसा में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 1122 दिनांक 31-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खनी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--रोहतक

दिनांक: 17-9-86

प्रकृष नाहाँ हो हों.. एव . एव . -----

भायकर विभिनियमः 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीत सुवना

मारत सहस्त्रह

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई०ए० सी०/एक्यू०/ गुड़गांव/26/86—87—— श्रतः मुझे, बी० एल० खबी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्रतिभक्तारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 8 बीघा, 3 1/3 बिस्वा पुछता भूमि, नत्यूपुर, तह० गुड़गांव में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर भार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक दिनांक 28-5-86

का पर्विकत अपित के उसित बाजार मूल्य से क्य के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- हुँक) अन्तरम से हुइ कि ही जाय की बाबत, उत्तर जिथिनियम के जभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कर्ज़ी करते वा उत्तरी वश्रने में सुविधा के सिए; बीट/मा
- (थ) एसी किसी जाव वा किसी धन या कप्य कास्तियों की, फिल्हें नारतीय कायकर विधिन्यंक, 1922 (1922 की 11) या उत्तर पिनियम. या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) की प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किय:

नशः नव, उन्त निधिनयम की धारा 269-न के जनुतरम में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) 1. सर्वश्री मुखराम 2. महाबीर 3. तिरलोक चन्द पुत्रगण श्री चन्दन सिह 4. श्रीमती कृष्णा 5. श्रीमती बाला पुत्रीगण श्री चन्दन सिह 6. रत्तन पुत्र श्रीमती बाल देवी पुत्री राम चन्द 7. श्रीमती गान्ति विधवा श्री चन्दन सिह सभी निवास ग्रीम नत्थूपुर, तह० गुड़गांव ।

(म्रन्तरक)

(2) भैं० बी० डी० इन्बेस्टमेंट एण्ड एजेंसीज (प्रा०) लि०--21-22, नरेन्द्र प्लेस, नई दिस्ली । (प्रान्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारींच चें 45 दिन की अवधि या तरवस्त्राची व्यक्तितमें पर ब्राचन की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अभोहस्ताकारी के गांस क्रिक्त में किए जा सकने।

स्वध्यविकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों बीट पूर्वों का, वो उक्त वायकर विधिवयम के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वश्याम में दिवा ववा हैं।

मन्स्ची

सम्पत्ति 3 बीघा, 3 1/3 विस्ता भूमि , ग्राम नत्थूपुर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़कगांव में रिजस्ट्री संख्या 1066 दिनांक 28-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-86

प्ररूप बाहै,टी.एन.एस.-----

भायकार विश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के विश्वीन सुवना

भारत तरकार

कार्यासन, बहायक नायकर नावक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० -फरीदाबाद/2/86-87--श्रत: मुझे, बी० एल० खती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्ताट मं० 139 (1375 वर्ग गर्ग) इस निर्मित हिस्से सहित, डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 22-5-1986,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृक्त, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बंदह भ्रतिबत से किथक है और जंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे कन्तरण के सिए तब पावा गया प्रति-कल नि-नितिबत उच्चेश्य से उच्च जंतरण निचित में वास्त्रिक क्ष्म से क्षित नहीं किया गया है है—

- (कां) जंतरण से हुई किसी जान की बावत, उक्त जिल्लाम के अभीन कार वार्च के अन्तरस्ट की वाजित्य में कभी कारने वा उससे वचने में सुविधा क्षे लिए; और/मा
- (था) एसी किसी बाय या किसी थन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर वाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनियम, या अन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः चव, उच्त विभिनियम की थारा 269-ग वी बन्दरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्— (1) मैं ० गुप्ता कंस्ट्रकशन कं०, जी-3/92, दीपाली नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) म० शिवालिक इण्डिया (प्रा०) लि०, कनखल, हरिद्वार (उ० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृत्रीयत सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां बुक् करता हुई।

उक्त संपत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी स्यक्तियी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार तिकत में किए का सकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, की उस अध्याय में दिया। गया है।

अन्स्ची

सम्मित प्याट मं० 139 (1375 वर्ग गण) उस पर निर्मित हिन्ने मिहि डा० एत० एफ०, इण्डस्ट्रीयल एरिया फरीबाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीक्स के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 2072 दिनांक 22-5-86 पर दिया है ।

> बी० एल**० खती** स**क्षम प्राधिकारी.** स**ह**।यक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 17-9-86

प्रकप बार्च .टी .एन .एस .-----

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निराक्षण)

श्रजंन रेंज, रोहतक

रोष्ट्रतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निवेश सं० प्राई०ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/22/86-87---भतः मुक्ते, बी०एल० खती,

भावकर की भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतवें पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 13 बीघा, 14 1/2 बिस्वा भूमि, ग्राम नत्थूपुर तहर गुड़गांव में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुड़गाँव में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन, विनांक 23-5-86,

को पूर्णेक्त सम्पंकि के उणित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफश के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभीनयम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :--- (1) सर्वश्री मुंशी 2. शिव लाल पुत्रगण श्री प्रेम सिंह 3. राम पाल पुत्र श्री जन्द 4. श्रीमती भोली माना शिवराम 5. मांगे राम पुत्र शिव राम 6. इमरती विधवा शिवराम 7. होरम पुत्र मेहरू निवासी—नत्थूपुर तह० गुड़गांव

(भ्रन्तरक)

(2) मैं उडी ० एल ० एफ ० यूनिवर्सल लिं ०-21-22 नरेन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति 13 वीघा, 14 1/2 बिस्वा भूमि जो ग्राम नत्थूपुर में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्द्री सं० 970 दिनांक 23-5-86 पर दिया है।

बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

दिनांकः : 17~9~86

शक्य आहें हैं हैं। एक विकास क्या

भाषकर विधितिसम, 196 ि िश्रिति का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरक्तिक)

श्रर्जन रेंज--रोहनक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेंश मं० आई० ए० सी०/एस्यू० 37ईई/41/86-87---अतः मक्षे, भी० एल० खली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान कि कि कि कि भाग 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिनको सं 103 कैनाल, 7 मारला भूमि, (फैक्टरी गैंड सहित) ग्राम पन्हेग तह जिल्ला में स्थित हैं (ग्रोर इसमें उपाबड धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), राजिस्ट्री-कर्ता ग्रीध कारी के कार्यालय, रोहक भारतीय श्रायकर श्रीध-नियम 1961 के श्रीवा, दिनांक 27~5~86

को प्यांकत संपत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के काव्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पत्ति दश्यमान प्रतिफल को पत्ति प्रतिफल को पत्ति प्रतिफल से विषय है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय नाया गया शिक्षल, निम्निलिखित उद्वे से उकत अन्तरम निकास में वास्तविक रूप से कि मृत्ते विष्

- (काँ) अन्तरण से हुई कियों आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: बीह/या
- ्ष) एसी किसी नाम या किसी भन्न या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे निष्या

जतः अम, उमत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण े, में उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) दी प्रिन्टर्स हाउस प्रा० लि॰, 10 सिन्धिया हाउस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली -110001 (श्रन्तरक)
- (2) मैं० इण्डो ग्राफिक ग्रार्ट मणीनरी कं० लि०, एम-1, कनाट सर्कस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सुणना कारी कारको पृक्तिक्य सन्परित से अर्थन को किए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीड़े भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वर्त ने राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि सास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में श्रकाणन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थातः पंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सक्षी।

अमुस्ची

> बी० एल० **खनी** गक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक 17-9-86 : मोहर अ प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्थान

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-रोष्ट्रतक

रोहतक दिनांक 23 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/24/ 86-87-ग्रत: मुझे बी० एल० खबी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित आधार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० 43 कैनाल, 1 मारला भूमि, ग्राम झरसा तह० गुड़गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गाँव भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 24-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है आर बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिचित में वास्कृषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आप की बाबता, जबत जियमियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कको या उत्तवे बचने में सुविधा के सिम्ह; और/या
- (च) एसी किसी आप या किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हें आरतीय आय-सर अधिनियस, 113 (1922 का 11) या स्वतः अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में स्विधा के शिवर;

बक्तः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें', में', शक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भोगा पुत्र श्री मोहरा श्री परमा पुत्र श्री मीड निवासी झरसा, तह०--गुड़गांव।

(भन्तरक)

(2) मैं ० यूनिटेक लिमिटेड 6-कम्युनिटी सेन्टर, साकेत , नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी अधरको पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आस्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों हों से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीत सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्प्वतीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति 43 कैनाल 1 मरला भूमि, जो ग्राम झरसा तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री मंख्या 983 दिनांक 24-5-86 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक: 23-9-86

मोह्यः

प्रकथ बार्च. टी. एन. एन.

कामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 क(1) के अधीन स्वना

मारत बहुकाड

कावीसय, सहायक भायकर भायक्ता (निरीक्शण)

ग्रर्जन रेंज--रोहतक रोहतक, दिनांक 1 श्रगस्त 1986

निदेश सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰ गुड़गांव/20/86-87---ग्रतः मुझे, बी॰ एल॰ खती,

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'अक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 20 कैनाल, 13 मारला भूमि, ग्राम करतारपुरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुड्गांव भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 के ग्रिधीन, दिनांक 19~5-86,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्राम शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप क्य है किया नहीं किया वहा है है—-

- (क) अन्तरण सं क्षुषं किसी जाय की बाबत उक्स अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में मृतिधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1924 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था स्क्रिणने औ सुनिश्रक के सिए;

बारा वय, उनते वीधीनयम की धारा 269-ग के सम्बर्ग में, में, उन्या अधिनियम की धारा 269-म को उनधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सावन राम पुत्र श्री उधाराम, निवासी—-दिल्ली रोड, गुड़गांव ।

(भ्रन्सरक,)

(2) मैं श्रंसल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं लिंश 115, श्रंसल भवन, 16-कस्तूरबा, गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया हैं।

मन्स्ची

सम्पत्ति 20 कैनाल, 13 मारला भूमि जो करतार पुरी में स्थित है जिसका धिष्ठक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 877 दिनांक 19-5-86 पर दिया है।

बी एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज—-रोहतक

विमांक: 1-8-86

मोहरः

प्रकथ आई. सी. एन. एस. -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज--रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 भ्रगस्त 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/21/86-87--भ्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल, 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 34 कैनाल, 8 मरला भूमि गांव कन्हर्द सह० गुड़गांव में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम 1961 के भ्रधीन, दिनांक 20-5-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के इच्यमान शितकन के लिए अन्तरित की गई है और मुम्डे मह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित माजार मृद्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, ऐसे द्रयमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिवात से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्निस्तित उद्देश्य से उकत अन्तरण किखित में आस्तिकल कम से कथित नहीं किया गमा है है—

- (क) बलारण से हुई किसी जाय की बाबस, धनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बासिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्टिश्त के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों करे, जिन्हों भारतीय कायकर विश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विश्वनियम, या धनकर विश्वनियम, या धनकर विश्वनियम, विश्वन

श्रमः त्रव, सक्त निभिनियम को भारा 269-ग के नन्सरण त्री, त्री सक्त निभिनियम को भारा 269-व को उपभारा (१) इंजिथीन निकासित अधिकार्यों स्थानित् ह——

- (1) सर्व श्री मामन, श्री श्रमर सिंह पृत्तगण श्री नींदा, श्री चस्तावर पुद्ध श्री हर ध्यान, निवासी—कन्हई, तह० गुड़गांव । (श्रन्तरक)
- (2) मैं श्रन्सल प्रापर्टी इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, श्रंसल भवन, 16-कम्सूरबा गांधी मार्गे, नई बिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के किस कार्यवाद्वियां करता हुं।

उथल संपत्ति के वर्णन के संबंध में मोदें भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश में किए बा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यशे हैं।

जन्स्ची

सम्पत्ति 34 कैनाल 8 मरला भूमि, जो ग्राम कम्हई तह० गुड़गांव में स्थित है, जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 899 दिनांक 20-5-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज—रोहतक

दिनांक: 1-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन क्चना

HIGH BEINS

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज--रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०गुड़गांव/25/86-87---अतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें क्ला क्यात् 'उक्त अभिनियम' क्ला वना ही, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्यावर संस्थीत, जिसका उपित बाबार मूख 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० 27 कैनाल, 1 मारला भूमि, ग्राम-झारसा, तह० गुड़गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपादक प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक 28-5-86,

को पूर्वोक्त तस्मीत के उपित बाजार बूक्य है कब के कार्यान इतिकत के लिए बंदरित की गई है और बूके यह विकास करने का कारण है कि उपाप्योंक्त सम्मत्ति का उपित बाजार बूक्य, उसके कार्यान प्रतिकत से, एसे कार्यान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिवात से यिभक है और अंदरक अंतरकों) और अंदर्भित्वी (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के सिए तय पाया पवा इतिकत, निम्मीनिकत उद्वेदेश से उचक बंदरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरक से हुई फिटीं जाय की बक्तत, उत्तर करिंग-पिया के अधीन कर दोने के जंतरक के खिलाद में क्यी करने वा उत्तर्ध कर्षों में मुणिया के फिए; जीर/था
- (य) क्सी किसी बान वा किसी भन वा नम्ब बास्तिवों को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उपल अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ क्सीरिटी हुनान्छ अन्तर नहीं किया नवा था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में बुलिशा के निवस;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरक मों, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---7--306GI/86 (1) श्री घेलू पुत्र श्री टेका,
 2. श्रीमती भगवन्ती श्रादि
 निवासी—इरसा, तह० गुड़गांव ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं व्यूनिटेक बिल्टर्स प्रा० लिं० 6-कम्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई बिल्ली । (अन्तरिती)

को यह तृष्यमा वारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के सर्वय के सिष्ट्र कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादत;
- (क) इस तुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वा 45 शीभिवयत्र के अभीन कर दें के अन्तरक की किसी अन्त स्थितित द्वारा बंधोहरताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं हैं, नहीं नर्ष होंगा को उस स्थाय में दिवा नवा है।

अभवनी

सम्पत्ति 27 कैनाल 1 मरला भूमि जो ग्राम झरसा, त॰ गुड़गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1065 दिनांक 28-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खती ंसक्षम प्राधिकरी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-—रोह्नतक

विनांक : 1-8-86

(भन्तरक)

प्रकृष् कार्च . टी . एव . एस . --- ५० जन्म

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/23/86-87---भ्रतः मुझे बी० एल० खती

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 6 बीघा, 14/1/2 बिस्वा पुछता भूमि ग्राम नत्थूपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 23 मई 1986।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्ध्यमान मित्रफल को निए बन्तिरत की गई है और मूक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्ध्यमान प्रतिकल से, एसे दर्ध्यमान प्रतिकल से एन्द्र प्रतिशत से बिधक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिश्वल, उच्चेक्स से उक्त अन्तरण निर्मित्र में वास्तिवक रूप से कांवित नहीं किया गया है:---

- (ा) अन्तरण से हार्ष किसी आय की बावत, उपन अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें क्सने में सुविधा के लिए; और/या
- (५) एमी किमी आय गा किसी भग या अन्य आहितयों को, दिनों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान अन्ति होती द्वारा प्रश्नेद्व नहीं किया गया भा या किया भाग पाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें. में लक्त सधिनियम की धारा 269-व की उपशुरा (1) है अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति है

- (1) मैं विहडको हाऊसिंग प्राव्हिल, 101 मगनम हाऊस, मिलन सिनेमा के सामने, नजफगढ़ रोड़, मई दिल्ली। (श्री एमव श्रारव ज्योति पुत्र श्री पीव खीव गुप्ता निवासी 29 54, पंजाबी बाग, नई दिल्ली के माफैंत।
- (2) मैं ॰ डी ॰ एल ॰ एफ ॰ यूनिवर्संस लि ॰ 21-22; नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्रत सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्यार्थवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अधिकता पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकायन की तारीब से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुव किसी बन्य स्थावत द्वारा स्थोहन्ताक्ष्णी के पास चिवित में किए था सकोंने।

स्वष्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 6 बीघा, 14/1/2 बिस्वा भूमि, जो नत्थूपुर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्याक्षय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 971 दिनांक 23-5-86 पर दिया है।

बी० एल० **खती** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 17-9-1986

मक्ष बार्ष : दौ । स्व । स्व ।

भावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारत 269-म (1) के सभीप सुक्रमा

TIST EXPE

काराज्य, शहायक मान्कार कार्यक (पिर्वेशक)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

बायकर विधिनवंभ, 1961 (1961 का 43) (विचे एक्से इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि 44 कनाल 16 मरले एवं ट्यूबबैल भीर कमरा जो फाजलपुर झाड़सा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता भिधकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय ग्रायकर श्रधि-नियम 1961 के भिधीन, दिनांक 31 मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मून्न से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती निम्नलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सक्तरण वे हुक् किसी नाय की नावत, उक्त स्थिनियम के स्थीन कर बेने के मन्तरक के दायित्व में कमी करणे वा उद्योग नवने में सुविभा के लिए; अडि/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

चता वय, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग वै अनुसरण भौ, भौ, उस्त अधिनियम की धारा 269-ण की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्यामदास पुत्र तोला राम रोशनलाल पुत रहिलया राम संजय कुमार, श्रीमती बोदीबाई विधवा, श्राशा रानी, सीता देवी पुत्रियान साधूराम पुत्र तीरथ दास नि० बादशाहपुर तह० गुड़गांव।

(धन्तरक)

(2) रतनावली रीयल ईस्टेट एंड हाऊसिंग प्रा० लि० डी-104 सोम विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह श्रृष्णमा जारी करके प्रशांक्त संपरित के प्रजान के किए कार्यवादियां करता होए।

उन्दे बन्दित के वर्षण के बन्दाल के काहे भी बार्खायाल

- (क) इस त्या के राज्यन में प्रकाशन की तार्यंत्र श्री 45 दिन की जबकि या उत्तरकारणी अविवासी पृष्ठ त्यान की तामीन से 30 दिन की नविधा, जो भी कर्मीय नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठांकित व्यक्तिकारों में से विश्वती अविन्त हुवाराष्ट्र
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब हा
 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ
 किसी बन्य व्यक्ति वृशारा नथाहस्साक्षरी से पास
 विविद्य में किए जा सके थे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों कोर पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति भृमि 94 कनाल 16 मरले साथ ही ट्यूबवैल, कमरा जो फाजिलपुर झाड़सा में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय गूड़गांव में रिजस्ट्रो संख्या 1121, दिनांक 31 मई 1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 17-9-1986

कुष्प बार्ड हो , प्रदाः प्रस्तानकाना

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १८५-५ (1) के ब्योद ब्या

बाइव बडकाइ

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० फरीवाबाद/ 3/86-87--भतः मझे बी० एस० खन्नी

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 29 एनएच-1 जो रेलवे रोड़, फरीबाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 29 मई 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यक्षात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूक्ष, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तय पाचा कमा प्रतिफल, निम्निचिखित उद्देश्य हे उच्छ अन्तर्ण निम्निच के बास्तविक कम से कथित नहीं किया गवा है हु----

- (क) बन्तरुष चे हुई किसी बाद की बावत , उनक बरि-विषय की सभीत कर दोने के बन्तरुक की वादित्व में कहीं करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; बहु-/बा
- (क) एसी किली बाय या किसी भन या गन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर वांभनियम, या भनकर जिभिनयम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रवाट नहीं किया नया या या किया नाना वाहिए ना, कियाने में सुविधा के स्विद्ध;

वर:, अव, उक्त विभिन्नम की थाए 269-व के वनुसरक मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ्र—

- (1) सरदार भ्रमरजीत सिंह दुगल, सरदार गुरबणन सिंह दुगल पुतान स्व० डा० भार० एस० दुगल नि०- एस-489, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-III, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं व्युवा मोदर्स प्रा० लि० बी-70 | 81, डी० एस० प्राई० डी० सी० कम्पलेड, लारेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी कारके प्वाक्त संभीत के विष कार्यमाहियाँ पुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीय हो 30 दिन की जन्मि, को भी शविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पाक निचित में किए का सकींगें।

स्वक्रीकरण :----इसमा प्रयूक्त सन्दों और पर्यो का, जो सन्दर्भ अधिनियम, के निधाय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस मध्यान में विक.

धन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट नं ० 29 एन एच-1 जो रेलवे रोड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्सा के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 2276, दिनांक 29-5-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1986 मोहर: इक्स बार्च्य टी⊿ प्रत्य प्रस्त हरणारणारण

कामकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-म (1) के सभीन सूचवा

मार्क सहस्रह

क्षमांत्रय . सहायक बायकार बायुक्त (निद्विक्रिण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/32/86-87--श्चतः मुझे, बी० एल० खर्नी

हायकर विधित्युम्, 1961 (1961 का 43) (जिन्ते इसके इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियंत्र' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाबार मूक्त 1,00000/-रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 4 बीघा 14 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 5 जून 1986

को पूर्वेक्क संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रूण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से दक्त बंतरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनवम के बभीन कर दाने के अन्तरक क वावित्व में कमी करने वा उससे नवने में सुविधा में किए; बीट्र/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय आयकर विधित्यम,, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया थाना वाहिए था, ष्टिगाने में सुविधा में खिए;

बतः धन, उपत वीधिनियम की धारा 269 ग से बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 म को उपधारा (1) ﴿ क्रिंशिंग, निम्निसिंश व्यक्तियों, क्रिंशिंक् चे~~

- (1) श्री माम चन्द पुत्र लाल सिंह, मिक्कन, उमराव, लक्खी हुकम सिंह पुत्रान जसराम, रती राम पुत्र राम सिंह, श्रह्मपाल, सुरेशपाल, रामपाल, भगत पुत्रान दुली श्रीमती महिन्दर श्रीमती कमलेश, राजू पुत्रियान एवं श्रीमती सरवती विधवा दुलीचन्द नि०—नाथूपुर (श्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ डी ॰ एल ॰ एफ ॰ यूनिवर्सल लि ॰ 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्चन के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मध्यन्थ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की जविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी नवाभ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस मुख्या क राज्यक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए का सकेंगे।

स्वयाकिरणः --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदी का, जो उत्कर्ष अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया नया हैं:

अनुस्ची

सम्पत्ति शमि 4 बीघा 14 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुड़गांव ां रजिस्ट्री संख्या 1267, दिनांक 5-6-1986 पर दिया है

> बी एल खत्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1986

प्रकर बार्ष हु होंहु १४ हु १४ हुई

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थे (1) जे बंधीन वृंचना सारत वृंद्ध

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (विद्वालक)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 17 सिंतम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यु०/गुड़गांव/30/86-87 --श्रतः मुझे० बी० एल० खन्नी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 61 कैनाल 9 मारला भूमि ग्राम कन्हर्द में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 5 जून 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कह के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उशके द्रयमान प्रतिफल में, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रतिफल में अधिक है और अन्तरिक (ग्रंतरिकार्ग) भीर अन्तरित (ग्रंतरिकार्ग) भे बीच एमे अन्तरिक के किए सम पाना व्या प्रतिकार का विश्वासिक उद्धारिय से उनत बन्तरिक विश्वासिक वे वास्तिक का विश्वासिक उद्धारिय से उनत बन्तरिक विश्वासिक वे वास्तिक का विश्वासिक विश्वास विश्वास की करन बन्तरिक विश्वास विश

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की शायत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

बात अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के बधीन, निम्मीनिवित व्यक्तियों। अवसी कि

- (1) सूबेदार एम० कंवर पुत्न श्री राम सिंह निवासी ग्राम कन्हई तह० गुड़गांव (श्रन्तरक)
- (2) मैं श्रंमल हाउसिंग फाइनोन्सियल एण्ड लिजिंग कंपनी लिमिटेड 115 श्रंसल भावन 16 कस्तूरंबा गाधी मार्ग नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संस्पृति के क्यान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं 45 विन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम के अध्याय 23-क मे परिभाषिठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

mercy will

सम्पत्ति 61 केनाल 9 मारला भूमि जो ग्राम कन्हई तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गाव में रजिस्ट्री सं० 1265 दिनांक 5-6-1986 पर दिया है।

> बी० एलः खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) भ्रजन रेंज रोहतक

दिनांक 17-9-1986 मोहर :

प्रकृष आहूर. हरी. एस. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार: 269 ष (1) के अभीन स्चना

नाइत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रीहतक रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यु० गुड़गांव 43-86-87--श्रतः, मुझे बी० एल० खन्नी

नामकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त जिमिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को बचीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० 12 कैनाल 16 मारला भूमि सुखराली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 17-6-1986

की पूर्वोशित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उकत अन्तरण सिकित भें वास्तविक रूप से काश्वित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उक्त सधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उमसे सकने में सीबधा के हैं आए; बीह/या
- (क) ऐसी किसी जान या किसी थन वा कम्य आहिस्त्यों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर व्यक्तियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा में लिए;

बतः। वनः, उन्त निभिन्नमं की भारा 269-व के बन्द्ररण मं, में उन्नत स्मिनियमं की भारा 269-व की उपभाषा (1) के सभीत्र निम्निविद्या कि विस्तिमां, स्वादि क्लि (1) श्री जयनारायण पुत्र श्री जुगलाल पुत्र श्री हरनाम निवामी मुखराली तह० गुड़गांव

(भ्रन्तरक)

(2) मैं श्रांसल हाउसिंग फाइनैंस एण्ड लीजिंग कंपनी लिं०, 115 श्रंसल भवन 16 कस्तूरबा गान्धी मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

राजा अञ्चलित को अर्थन को सम्बन्ध में कांद्रों भी कार्क्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्रां ित व्यवस्थां पद स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस मुख्ना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

नन्स्वी

सम्पत्ति 12 कैनाल 16 मारला भूमि ग्राम सुखराली में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री सं० 1591 दिनांक 17~6~1986 पर दिया है।

> वी० एल० खक्षी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,∽रोहतक

दिनांक: 11-9-1986

मोहर

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, रोहतक

तक, दिनां ं 17 सितम्बर 1986

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- के से स्थिक हैं

म्र ीजि की सं० 28 कैनाल 17 1/2 मारला भूमि ग्राम झरता में स्थित है (स्रीप इसने उपाबढ अनुसूची में म्रीर पूर्ण ६५ में विणित है), एजिस्ट्री बर्ता स्रधिकारी के कार्यालय गुड़गाँव में भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1961 के भ्रधीन दिनांक 17-6-1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रति-फल से एोसे दृश्यमान प्रति-फल से प्रतिशत से अधिक है और

फल से एसे रहयमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के सीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठत, निम्निनिचित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बर
- (क) एसी किसी बाय रा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रघबीर मिह पुत्र राज पुत्र श्री भज्जन, (नवासी⊶ झरमा, तह० गुड़गांव।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं न्यू० इण्डिया जनस्ट्रन्मान कं ० लि ० ६ कम्युनिटी सन्टर माकत नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके प्योंक्त सम्पर्टतः भी वर्षन की निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृष्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्री के पास विविद्य के किसी कृष्य का सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्यक्ति 28 केनाल 17 1/2 मारला भूमि ग्राम सरसा में स्थित है जिसान ग्राधिक विवरण रिजम्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री सं० 1601 दिनांक 16~7-1986 पर दिया है।

> बी० एस० खती सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-रोहतक

दिनांक: 17~9~1986

प्रक्य आहे.टी.एन.एस------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याज्ञथा, तहायक आयकर वायुक्त (जिस्काण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई० ए० सी०/एस्यू० गुड़गांव/39/86-87-श्रतः मुझे, बी० एल० खली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 40 कैनाल, 11 मारला भूमि, ग्राम सरसा में स्थिसे हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विषय हैं, रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 12 जून 1986

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [46) अन्तरण से हुइ किसी आयं की वावत, जायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री पूरन सिंह पूरन पुत्र शिव चन्द पुत्र श्री भजन निवासी, → झरसा, तहर गुड़गांव।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ न्यू॰ इण्डिया कन्स्ट्रमशन कं॰ लि॰, 6 कम्यूनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ऋगता हुं।

सकत सक्विक्त के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताप्रील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों कें से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्धा किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के बाब जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.॥

नगरा ची

सम्पत्ति 40 कैनाल 11 मारला भूमि ग्राम झरसा मैं स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 1458 दिनांक 12~6—1986 पर दिया, है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनां कः -17-9-1986

प्ररूप नार्षं .ट्री. वृत्त . वृत्त , -----

आयकार कॉंपिनियम, 1961 (1961 को 43) करी भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयृक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एनयू०/गुड्गांब/40/85-86---अतः मुझे, बी० एल० खती

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिंवदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

खिसकी सं०3 बीघा 3 बिसवा पुरुता भूमि, ग्राम सिकन्दरपुर धोसी में स्थित है ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय भायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 12-6-1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वथमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफाल से, एसे रश्यमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिकास से अधिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पासा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया ही ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आभ की वासका, उत्तव वाभिनियम के अभीन कर दोने के अन्वरक की वास्तिक में कभी करने या उत्तवे वासने में कृष्टिक के लिए; बॉर/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अस्य आस्तिको क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिमित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिमित्रम, वा धनकर अधिमित्रम, वा धनकर अधिमित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किथा गत्रा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिकथा के सिए;

नतः नव, उनत निधिनियम की धारा 269-व के जनुसर्थ वे, ने, उनत निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क नधीन, निस्तिसिक व्यक्तियों, जनति :--- (1) श्री राजेन्द्र मिह (2) श्री महेन्द्र सिह पुत्रगण (3) श्रीमती कमलेश (4) परमलेश उर्फ बिमलेश (5) श्रीमती सुरेश (6) सरलेश पृद्धगण (7) श्रीमती विद्या विध्या श्री राम कंवर पृद्धी श्री कंवर सिह (8) श्री मीर सिह पुत्र श्रीमती रामकली पुत्री श्री कंवर सिह (10) श्री माहर सिह पुत्र श्री कंवर सिह (नवासी सिकन्दर-पुर भोसी तह गुड़गांव

(ग्रन्तरक)

(2) मै म्रार० के० इन्टरप्राइजेज प्रा. लि०, 45/1, इस्मा भवन, एच० ब्लाक, कनाट सर्कम नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

न्द्रं बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उपन संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी जबिंध बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्वक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, यही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मगुसूची

सम्पत्ति 3 बीघा, 3 बिस्या भूमि ग्राम सिकन्वरपुर कोसी जिसका घश्रिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 1459 विनांक 12-6-1986 पर विवा है।

> बी० एस० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विमान :-11-9-1986

नोहर:-

प्रकृष वार्षे हो एन एवं ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (मिरीक्सक) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रीहतक, दिनांक 17 सित्रभार 1986

निदेश सं० श्राई०ए०सी०एक्यु०/गुड्गांव/31-86-87-झतः मुझे, बी० एल० खती०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 3 बीघा, 7 बिस्वा ग्राम भूमि नत्षुपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़-गांव में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के भ्रधीन दिनांक 5-6-1986

को प्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उचतः अधिनियम के अधीन कर देगे के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर्वश्री क्षिजन (2) लरवी (3) उमराव (4) हुकुमजन्य पुत्रगण जसराम उर्फ जसमत (5) मामचन्द पुत्र लाल सिंह जाति गुज्जर निवासी ग्राम नस्युपुर

(ग्रन्तरक)

(2) मै डी॰ एल॰ एफ॰ यूनिवर्सल लि॰, 21-22 नरेन्द्र पलेस, पार्लिया मेंट स्ट्रीट, नई विस्सी। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यवितयों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास न्यिकत में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नया है।

1744

सम्मति 3 नीघा, 3 निस्ता भूमि श्री ग्राम नरसुपुर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1268 दिनांक 5-6-86 पर दिया है।

> बी० एल० **ब**स्ती सक्तम प्राधिकारी सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्रण) **ग्र**जन रेंज, रोहतक

विनांक: 17-9-1986

मीहर :

त्रस्य बार्डः टीः स्वः एवः अस्तरणायन

#धकर सोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/47/86~ 87—श्वतः मुझे, बी० एस० खन्नी

बाबकर बीधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके दिश्यात 'उक्त बीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकीं सं० 3 बीघा 17 बिस्वा पुछता भूमि ग्राम नत्युपुर में स्थित है (श्रौर श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन दिनांक 18~6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के दरसभान मिलफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुम्में यह निद्दाल करनें का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित साधार मूल्य, उसके दरसमान प्रतिफल से, एसे दरसमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निम्मीनिवित उद्दादेस से उन्तर सन्तरण कि सिंद से वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बंदरण ने दूर जिली जान की नायत, अन्त विपिन्नुन के नृपीत कहा यांचे क अक्टक क हासित्य में कमा करने या उसके बनल को सुविधा के सिए; गरि/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी अन या बास आस्तिया का, जिन्हों भारतीय कायकार अविश्वासका; (1922 का 11) या उक्त बिनायक, (1922 का 11) या उक्त बिनायक, (1937 का 17) हे प्रयोजनार्थ अंतिरती दुवारा पक्षट नहीं किया गा। वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविश्वस से काए;

चतः गयः, उत्ततः गॅमिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरका वो, ग्री, रावतः गमिनियमं की भारा 269-च की उपचारा (1) वी वधीयः निम्मिनियसं व्यक्तियों, वचील क्रिक्ता क्रिक्त

- (1) सर्वे श्री जन्दन (2) हिर किणन (3) लाला राम पुत्र श्री हरबंस (4) श्रीमती चन्दर (5) श्रीमती कालो उर्फ कलावती (6) श्रीमती बंती (7) श्रामरती इमरतो पुत्रीगण श्री हरबंस (3) कुल्हा उर्फ बुलिया पुत्र श्रीं भीलू निवासी नत्युपुर तह० गुड़गांव (श्रन्तरक)
- (2) मैं गुलमोहर इस्टेटस प्रा० लि०, 415-वेनी का टावर्स, नेहरू पलस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के सर्वत का किए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध के कोड़ भी कालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि मा तत्यम्बाधी कर्त उत्तर्या हर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, भो भी मविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रकार क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस बुक्ता को राजपण में प्रकाशन की सार्राध से 45 किन को भीतर उक्त रभावर सम्पत्ति में हिस्त-बक्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास सिवित में वियोग सकति।

स्वक्षिप्रण:—इसमें प्रयुक्त कमी और पदी का, जो उसके मीपीनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अभी होगा, जो उस अध्याय में किया नहां है।

अनुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा 17 बिस्वा भूमि ग्राम नत्थुपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 1637 विनांक 18-6-86 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 11-9-1986

प्रस्का नरही - हों - प्रमुख प्रश्र हारायान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० एक्यू०/गुड़गांव/34/86— 87---श्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत् (उक्त अधिनियम कहां गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिय हैं

श्रीर जिसकी सं० 14 कैनाल 8 मारला भूमि ग्राम इंट्रहेरा तह० गुड़गांव में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 5-6-1986

की पृत्रेकित सम्पत्ति : उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निश्वास करन का कारण है

कि यह यथा पृथोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध भे उक्त अंतरण किखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) क्लारण से हुई किश्वी नाज की बावह,, क्ला विभिन्न के ब्योग कर देवें के सन्तुरक वी रामित्य में क्ष्मी करने वा बचने वसने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी जाव या किसी धन वा बन्य आस्तियों हैं जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीय अन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, किनाने में संज्ञा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिः। यम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उनतः अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, सर्थात् ध— (1) सर्व श्री भिश्रन (2)लखी (3) उमराव (4) हुकम चन्द पुत्रगण श्री जसराम उर्फ जसमन (5)मामचन्द पुत्र लाल सिंह जाति गुज्जर निवासी ग्राम नत्थुपुर

(भ्रन्तरक)

(2) मैं डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लि० 21-22 नरेन्द्र प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

अबद् सम्पृद्धि के वर्षन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जयिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इंड ब्यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूच किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी वे बाड सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्ष्मीकरण्ड—इसमें प्रधानत याच्यों और वृद्धों का, जो उन्ध∉ अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सुवा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति 14 कैनाल 8 मारला जो भृमि जो पाम डूंडहरा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1269 विनांक 5-6-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक :-17-9-1986 मोहर:-

ं प्रकल बाह^रं ही। एव_ं एक_ं-----

नायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन क्षणा

भारत सत्यात्र

कार्यास्य, वहायक जायकर नाक्ष्यत (निरीकण) श्रजंन रेंज, रोहसक

रौहतक, दिनांक 4 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू/गुड़गांव/35-86-87--श्रत: मुझे बी० एल० खन्नी

बानकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 31 कैनाल 5 मारला भूमि ग्राम अरस तहु गुड़गांव में स्थित हैं (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची म \sim श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यांत्य गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 7-6-1986

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान वित्रल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर (वस्तरिक्षण) के बीच एसे वस्तरण के जिए तय वाया नवा प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चवेय से उच्च अन्तरण निवित्त वास्तिक वाम्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाब की बाबस, उनक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिल्ल के क्सी करने वा उससे वचने के तृतिया के लिए; मौद्व/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त वीभीनयम् की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त वीभीनयम् की भारा 269-व की वनभारा (1) में अभीतः जिल्लीकवित व्यक्तियों. वर्षातः ह— (1) सर्वेश्री सीस एम० (2) राम नाथ पुल्लगण श्री ४४ चन्द निवासी ग्राम झरसा तह० गुड़गांव

(ग्रन्तरक)

(2) मैंयूनिटेक इनवेस्टमेंट लि०, 6 कम्यूनिटी सेन्टर, सकेत नई दिल्ली।

(भ्रम्तरिती)

को वह बुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के वर्षन के जिए कार्ववाहियाँ सुरू करता हुई।

बक्त कम्परित के वर्षन के लंबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास प्रवेक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्यारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का कार्यमा कार्यमे।

वनुषुची

सम्पत्ति 31 कैनाल 5 मारला भूमि ग्राम झरसा तह॰ गुड़गांव में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रो सं॰ 1328 विनांक 7-6-86 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम रेंज, रोहतक

दिनांक :-4-8-1996

प्रारूप आर्थ. टी. एन. एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सचन

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/गुड़गांव/29-86-87-ंश्रतः मुझे, बी० एव खती,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 159 कैनाल 7 मारला भूमि ग्राम झरसा तह० गुडगाव में स्थित है भौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव भारतीय भायकर श्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 5-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह बितास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तद नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्तु, स्वयं अधिनियम के अधीन कर दंगे के बलाइक के खिलाक में कती करने या उत्तर्त वचये में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाम या किसी धम या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बाब-कर विधिनवंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयंत्र, वा चन-कर विधिनयंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाईए था, कियाने कें सुविधा वे लिए;

(1) श्रीमती कोशल्या विश्ववा श्री कैलाश निवासी रामलीला ग्राउण्ड गुड्गांव

(भ्रन्तरक)

(2) मैं यूनिक लि० मैं० यूनिटेक लि० इनबेस्टमेंट (प्रा०) लि० 6 कम्यूनिटी सेन्टर साकेत नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त बन्धींत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्थप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र्षं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के शस जिस्ता में किए का सकीने ।

स्व्यक्षिकरण:---इसमें प्रवृत्तत सम्बर्धे कर पर्धो का, को अवस् विधिनयज्ञ को सम्बाद 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी वर्ष होता को उस क्ष्माय में दिक्क गया हाँ ंं

नन्स्यो

सम्पत्ति 159 फैनाल 7 मरला भूमि ग्राम में स्थित है झरसा जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 1263 दिनांक 5-6-86 पर हुन्ना।

> बी० एल० खसी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण बें, मं, इक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक :-23-9-86

प्रकृष आहाँ, टो. एक एस.

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

आर्यानय, पहायक आयकर साय्वस (निरोक्षण)

ध्रजंन रेज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/36/86-87---श्रतः मुझे बी० एत० खती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8 बीधा, तहसील बिस्वा पुस्ता भूमि है तथा जो ट्यूबर्वेल और कोटा सहित चकरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध श्रनुभुची में श्रीर एणं रूप में बॉणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के जार्यात्रय गृड्गांव में भारतीय श्रायकर ग्रिधिन्यम 1961 के ग्रशीन, दिनांक 7 जून 1986

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा ने स्टब्स अधिन में सूविधा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रांजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध को निष्ण:

(1) श्रीमतो श्राल देशी 2. श्रीमती केला देशी पुत्रीगण श्री गमलन्द्र निवासी चक्रपुर, लह्न गुड़गांव (धर्मेन्द्र यादव पुत्र श्री श्रीचन्द यादश निवासी ग्राम-चक्रपुर के जरिए।

. To the term of the second of the second

(स्रन्तरक)

(2) मैं० डी० एका० एफा० यू निवर्सन कि० 21-22, नरेन्द्र प्लेस, पार्कियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृद्धिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

हम्स संपति के अर्जन के समाध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे

स्पव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होंग, जो उस अध्याय में दिया गया। गया है।

अनुसूची

सम्मिश्च 8 बीघा 10 विस्वा भूमि (ट्यूबवैस तथा कोठा सिंहत) जो जकरपुर में स्थित है जिसका श्रविक विवरण रिजिस्ट्रीकत्ती के कार्यालय गुष्ट्रगांव में रिजिस्ट्री संख्या 1330 दिनांक 7-6-86 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहकक

अतः अब, उक्त अधिनिय की धारा 269-ग के अनुमरण हो, ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 17-9-1986

मोहर

प्रकृष बार्ड . टी . पून . युस . -----

बायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुधना

भारत तरका

भागलियः, सहायक श्रायकर जायका (निरीकाण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/गुड़गांव/86-87---श्रतः मुझे बी० एस० खक्की.

शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 क्षेत्रफल 4840 वर्ग गज जो इन्ड० एरिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गुड़गांव भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनोंक 20-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि वचाप्कोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्या, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के केह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत वंश्वरण विविद्य में वास्त-विक कप से किथत नहीं किया प्रवा है इ--

- (क) अन्वरण ते हुई किशी जान की नामत, उक्क सीधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक खै वासित्य में कभी करने या उससे नमने में चृतिधा के सिस: सीर/शा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिमिनस्म, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नगर भा या किया जाना चाहिए था, किया में सुनिधा की किए;

(1) श्रीमती सावित्री देवी कोहली पत्नी कैलाश चन्द्र निवासी श्रार०/50 ग्रेटर कैलाश-1, नई नई दिल्ली।

(ग्रन्नरिती)

(2) मैं मुंजाल शोवा लि० डी०-140 इस्ट **झाफ** कैलास नई दिल्ली-65

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाक्ति सम्पृत्ति के वर्षन के लिए भाग्यवाहियां करता हों।

दक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध के कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वन् सूजना की तामीन से 30 दिन की वविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाकन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध ... किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिकिंग में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदी का, जो सक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यायः में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 11 माप 4840 वर्ग गज जो मारू ती इन्डः एरिया गुड़गांव में स्थित है जिसका ध्रिषक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1671 दिनांक 20-6-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक :-17-9-1986 मोहर :-

प्रस्म' नाहरि हरि एतः, एसः,-----

कावकर विभिनियम, 1(%) (1961 का 43) की भारा 269-क के अभीन कुक्ता

भारत सरसार

कार्यालया, सहायक भावकर नायुक्त (निरीक्तक) मर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनाक 23 मितम्बर 1986

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/52/86-

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इत्तर्गे इत्तर्भे परवात् 'उक्त निभिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-क के नभीन सक्तम प्राधिकारी' की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता नावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं. 24 केनाल 11 मरला ग्राम सुरवाली में स्थित है (भीर इससे उपावद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय भ्रायकर स्रधिनियम 1961 के दिनांक 15-7-1986

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से का के जनवाम प्रतिस्मा के लिए अन्तरित की नई है और भूझे वह विक्यांच अल्ले का करफ है कि ग्रंथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाबार बूज्य, उसके ज्यामान प्रतिसक्त से एसे अवस्था प्रतिस्मय का पंचर प्रतिबंध से अभिक ही बीर अंतरक (अंतरका) बीर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया बना प्रतिस्मा निक्निवित समुद्रिक से उच्त अन्तरण निविद्य में बाल्यिक क्य वे क्षित नहीं किया मना है :----

- (क) बन्तरण वे हुए किसी बाद की बावबा, क्यक निवम-के वधीन कर दोने के बंतरक के दावित्य के कमी करने वा उससे वचने के बुविधा के क्रिक्ट् बीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाव ना किसी धन वा बन्त वास्तिकों की चिन्ही भारतीय नायकर निधित्तवन, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधित्तवन, वा धनकर निधित्तवन, वा धनकर निधित्तवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्ध क्यारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा भा कर किया वाना वाहिस पुन्न /क्रवाने में वृत्तिका के विष्

शवः नव, डक्त निधीनवमं की धारा 269-वं कें बच्छारण तो, वो, उक्त विधीनयमः की धारा 269-वं की डक्काराः(∳) के वधीन, निस्तिविक स्वीत्वतीं, बचीब् हम्म-

- (1) श्री विजय पाल सिंह पुत्र श्री भाषर सिंह (2) श्री झारिदामन सिंह पुत्र विजय पाल सिंह नियाती (3) झंजली देवी पत्नी श्री युधिष्ठर सिंह पुत्रध्नश्री बहादुर सिंह नियासी बजेका तह० सिरसा (4) श्रीमती मुंजू देवी पत्नी श्री दलबी सिंह निवासी यमूनानगर तह० ग्रम्बाला (ग्रन्तरक)
 - (2) मैं यू० इण्डिया कस्ट्रक्णन कं० लि०, 6→ कम्यूनिटी सेन्टर नई दिल्ली। (ग्रतरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त कश्मांत के वार्षन के किए कार्यव्यक्तिकार करता हो।

इयसा सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर प्रवेक्त कार्यकार्यों में से मिली व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारींक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा क्षोहस्ताक्षरी को पाछ विश्वित मों किए का सकींगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विवाह ।

अनुसूची

सम्यक्ति 24 केनाल 11 मरला भूमि ग्राम सुखराली तह गुड़गांवा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिट्री संख्या 2185 दिनांक 15-7-86 पर विवा है।

बी० एल० खद्दी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

विनांक : 23-9-86

मोहर 🖈

प्रकृप बाइ , ही . एन , एक , नन्नवर नन्नवस्था

मायकर मिनियम, 1961 (1961 न्या 43) मही भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

'आर्यासन सहायक नायकर नावृक्त (निराधिक)

भर्जन रेंज, रोतक रोहतक, विनांक 17 सितम्बर 1986

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसको इसको परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का बाइन है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित्त बाबाउ मुख्य 5,00,000/- क. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 30 कनाल 8 मरले जो सिसोखरला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय गायकर भिधिनियम 1961 के मधीन दिनांक 5-7-1986

को प्योक्त सम्मिति को उचित वाचाइ मृत्य हे कम के अवनाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाचार घूल्य, उतके स्वयमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल के प्रतिह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) को बीच के एके अन्तरक के प्रमान प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; औड़/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी थन या बन्य बास्तिक को, विक् भारतीय बायकर विविनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957-का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वैशिक्स।

्जतः नभ, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरक में, में, धवत अभिनियम को भारा 269-म की उपभार (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभीतः :--- (1) सर्वश्री करन सिंह, बाल राम पुतान, हरमाम नि० सिलोखरा तह०-गृहगांव ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं पूनीटेक इन्वेस्टमेंट लिं 6 कम्यूनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह ज़ुबना आएँ करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किय कार्यगिष्टियों करता होते।

क्या बंदरित के वर्षन के संबंध के बोहा भी बार्बाद:---

- (क) इब ब्रुचन के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नगींथ या तस्त्रवंधी व्यक्तियों पत्र ब्रुचन की सामीय है 30 दिन की नगींय, को खैं सर्वीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति:

.श्राक्कीक्कालाः - ध्रक्तमें प्रयुक्त काव्यों और पत्तों का, जो खावत अधिनियम के कथ्याय 20-क में पंरिक्रीविर हैं, वहीं कर्य होगा को उसरकथ्याय औं विका गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 30 कनाल 8 मरले जो सिलोखरा में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 1958 दिनांक 5/7/86 पर दिया है।

बी० एल० खळी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, रोहतक।

विमांक : 17-9-86.

मोहर १

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) से अभीय स्वाम

भारत सरकार

कार्यान्त्रम, महामक नायकार जाम्<mark>कत (निरीक्तक)</mark>

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 सितम्बर, 1986

बायकर थांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके परशात् 'उकत अधिनियम' कहा गण ह की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृन्त 1,00,000/- रापये से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 7 बीघा 17 बिसवा जो टीकरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 14/6/86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से बन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कन जिल्मोलिकत उद्विध्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तिवक में बास्तिवक में बास्तिवक में बास्तिवक में बास्तिवक

- (क) मन्तरण में हाइं किसी नाम की पानत, सकत , बीधिनिज्ञान की मधीन कर बीने की अन्तरक की वाकित्व में कभी करने या उनमं अचने में स्विधा के लिए; बीट-मा
- (व) ऐसे किसी जाय यह जिसी इन या क्या अग्रेक्स कें, चिन्हें भारतीय कायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11, या उटा किया का 27) वन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा व सिए:

कतः कथः, उच्छ कंपिनियम की धारा 269-ग के अर्बुझरक में, में उक्त कंपिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीत, निम्मसिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री तेज राम पुत्र मोहर सिंह, नि०-टीकरी तह०-- गुड़गांव।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) वी सहयोग को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ टीकरी तह॰-गुड़गांव।

(भ्रन्तरिती)

ची। यह सचमा चारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति चे वर्चन के राजध् कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

तकत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जयिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की जबिंध, वो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंतिश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक कें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य अपिकत व्यारा अधोहस्ताक्षरी की पास निश्चित मों किए आ सक्ति।

अपस्थीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्न्यों शीर प्रयों का, को उत्रक्त अधि-नियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, उहीं अर्थ दोंगा, को उस अध्यास में क्या गया है।

अनृत्यी

सम्पत्ति भूमि 7 बीघा 17 बिस्वा जो टीकरी में स्थित है, जिसका मिछक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1537 विनांच 14-6-86 पर दिया है।

बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

विनांक : 26-9-1986.

शक्तम् वार्षः, ती. युनः, व्रसः, - - - -----

भाषकपु वृधिनिसस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्णन रेंज, पूना

पूना-1, विनांक 9 सितम्बर, 1986

निर्देश सं० 37 जी/117/86-87—यत: मुझे, अंजनी कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त विभागमां कहा गया हैं), का प्रभा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, हिस्सा नं० 7 सर्वे नं० 40 कुलगांव गांव, ता० उल्हासनगर, प्लाट नं० 2, हिस्सा नं० 7, सर्वे नं० 40 कुलगांव गांव ता० उल्हासनगर, प्लाट नं० 4, हिस्सा नं० 6, सर्वे नं० 40 कुलगांव गांव ता० उलहासनगर है तथा जो कुलगांव, ता० उल्हासनगर में स्थित (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विश्वक विज्ञानिक उपयोग वे विश्व का विश्वक में विश्वक का विश्वक की विश्वक की

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/धः
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा अक्त विधिनियस, वा धन-क्ष्र विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यहा था या किया जाना वाहिए ना, क्षिपान वें सुविधा वे किए;

बतः नव उक्त विभिन्तिन की भाग 269-म के वज्हरण में, में, उक्त विभिन्तिम की भाग 269-म की उपभारा (1) से वभीन, निम्नेनिविक व्यक्तियों, बच्चि रू— (1) श्रीमती सुधा श्रीकृष्णा बर्वे ग्रौर ग्रन्य, घाटकोपर, बस्बर्ह।

(भ्रन्तरक)

(2) शखरी कोम्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० कुलगांव, फारेस्ट श्राफिस के पास, कटख रोड़, कुलगांव ता० उल्हासनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको नुवीक्त भन्नति को वर्धन के सिक्ष कार्यमाहियों करका हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काहि भी बार्स्स :----

- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ स्वित्तिकों में में किसी व्यक्ति वक्षाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन को तारीय से 45 बिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति कृतारा स्थाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्वकाकरण ---इतमं प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विभीनयम के व्याप 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना जी जस वश्याम में विका गया ही।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीऋत क-37 जी/117/86-87 जो फरवरी, 86 को सब-रजिस्ट्रार, उल्हासनगर के भ्राफिस में दाखल किया है।

> श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख : 9--9--8**6.

प्रकृष नाव : टी . एन . ध्स . -----

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 264-व (1) के अभीन स्वाम

भारत सरका

कार्यासन, सहानक बायकार नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना~1

पूना, दिनांक 31 जुलाई 1986

निर्वेश सं० 37 ईई/907/85-86:----यतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हुँ

स्रीर जिसकी सं) सं० रू० नं० 65 ए०/ १ए०/ 2 ए और 65/ 1 ए/ 2 बी/ 1 कोपरगांव, मनमाड रोड़ योला जि० नासिक में स्थित हैं (भीर इससे उपाधन्न सनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रीर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च, 1986

- कि) नंतक्षण के हुई किसी लाग की नावस्, जनस् श्रीधनियम के सभीन कार दोने के सन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे रूपने में सुविधा क्र रिएए, और पा
- (क) एसी किसी बाम या किसी धृत या अन्य जास्तिको करे, जिन्हों भारतीय जास-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था था था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुर्विका को निक्का;

बता अब उपत विधिनवम की शाय 269-व की अनुसरण हो, की, उपत अधिनिक्स की भारा 269-व की उपधारा । । । के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री 1. विष्णुदास अल्लभदास पटेल, 2. भूषन विष्णुदास पटेल, योला, ता० योला, जिला नासिक। (श्रन्सरक)
- (2) मेंसर्स गिरीराज कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवालाया लाट नं 4 ए, धामपूर, गोबंडी रोड़, खेंबूर, बम्बर्ध । (भ्रन्सरिसी)

को वह सूचना बारी करने पूर्नोक्स संपरित के वर्जन में निय कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अनिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर ज्यान की तानीय है 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी स्थायत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बध्र किसी जन्म स्थावत ध्वारा, व्याहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकती।

क्यकीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिया क्या है।

मनुसूची

(जैसा कि रिजस्ट्री नं० 37 ईई/907/85-86 जो माह मार्च, 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

> ग्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 31-7-1986.

प्रकष बाह्य, हो, एवं, एवं,

काथकर निपितियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) वं तथीन सूचना

मार्ड बहुकार

कार्थकर, प्रकारक वारकर वार्क्ष (विश्लीक्ष)

श्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना-1, दिनौंक 5 ग्रगस्त, 1986

निर्वेश सं० 37 र्र्ड/14701/85-86:—यतः मुझे, धंजनी कुमार,

कायकार विभिनियम, 1961 ,1961 का 43) (जिसं इसमें का कि का कि का कि का कि का का गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से विधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 358-359 थाने इन्डस्ट्रियल एरिया (एम० धाई० डी० सी०) पंचपाखड़ी गांव, ता० थाना जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज/सब-रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त के श्रीकत बाजार बुक्य से कन के अवनान प्रतिकास के सिए बंतरित की नई हैं और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मित्त को उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे गरा रात प्रतिकान का वन्द्रह प्रतिकात से विभिक्ष हैं और वंता के (वं्रास्का) बीर वंतरिती (बन्तरितयाँ) के बीच एसे मन्तरण के निष्य हम पाम गया ववा प्रतिकात विभागितिक हमुबद्देश से उक्त वंतरण विभिन्न में वास्तिक रूप से क्षीपक कहाँ किया वका हैं हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, विश्वा के सिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स नाप ग्राटोमोटिव्ह प्राडक्टस प्रा० लि०, 3 मुकुट 220, एस० व्ही रोड, बान्ब्रा, बम्बई ।

(भन्तरक)

(2) मैंसर्स स्कीमस स्वीचिंगियर प्रा० लि० बी-112, हीरा पन्ना, हाजी भ्रली, बम्बई-26 ।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के किया कार्यवाहियां कारता हुं।

उथक सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारींच से 30 दिन की अनिंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकी।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई/14701/85-86 जो मार्च, 86 को सहायक द्यायकर द्रायुक्त निरीक्षण द्यर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख : 5-8-1986.

प्रकथ कार्ष .टी. दुन .एस . ------

नाय कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक ज्ञामकर कामुक्त (निरीक्रक)

श्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना-1 दिनांक 24 जुलाई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8214/85-86 श्रतः मुझे,श्रंजनी कुमार बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 7वां मझला वेशो-हाइटस, 269-270/गनीवार पेठ पूना-23 है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में णं रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक धायकर धायकर धायकर धायकर पितरीक्षण) भ्रजीन रेंज /सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मार्च 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान मितकस के सिए वस्तरित की नहीं हैं और मूले वह विकास स्टान का कारण है कि नणाप्तिक कर्जात्त का दिवत कावार मूला, जवके स्वमान प्रतिक हैं वार बंबरक (वंद्रकार) की वंदरित के वस्तरित में भित्र के वीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक स निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है

- (क) भन्तद्रल से हुइ किसी साम की बानत, उच्चत वरिधनियम को सभीत कर दोने की सन्तरण को दारियत्य में कभी करने वा उत्तर्ध समने में सुनिधा क्षांत्र
- (व) एसी किसी बाय वा किसी वन वा अन्य वास्तियों का जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकृष्ट नहीं किया गया या वा किया वाना वाहिए वा, किया में स्निया के निरुष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धल्रा 269-ग की उपधारा (1), के अधीन, निक्तिवित किन्तियों, जर्जात् क्ष-

 मेसर्स देवी कन्स्ट्र क्यान को० 1161/10 देवी निवास शिवाजीनगर, पूना-5

(भ्रंन्तरक)

2. दी कांसपांस को० ग्रापरेटिव बैंक लिमिटेड, 612, सदाशिव पेठ, लक्षमी रोड, कुटे चौक, पूना (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों शाँर पदों का, जो उक्त जायकर अधिनियम के कामाय 20-क में परिभाजित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गवा हाँ।

नन्स्यी

जैसा की रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8214/85-86 जो मास मार्च 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, ७, पूना,

दिनां क : 24-7-86

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

niza azare

कार्याक्षम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना-1 पूना-1 दिनांक 5 अगस्त, 1986 निर्देश सं० 37ईई/8009/85-86-

ग्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

धौर जिसकी सं जिमान श्रीर बिल्डिंग सी टी एस नं 123 शुक्रवार पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (धौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) धर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के परयकार प्रतिकास के मिए बंतरित की गई है और भूके यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित अलार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के स्वाह प्रतिकास से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) आहें अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नतिवित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निवित के वास्त्रीवक रूप के कवित महीं विका नवा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त सीधितियम के सभीन कर दोने की बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुन्धिश को लिए; सौर/धा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य कास्तियाँ को विन्हें भारतीय नायकर विभिनयम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त निधीनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, विश्वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था. कियाने में सुविधा के निया।

बतः बंब, उक्त वरिभिनियम की भारा 269-व से बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्भात् :—-10—306 GI/86

- 1. (1) थी श्रमन रामचन्द्रा गोथकेकर
 - (2) मिसेस लक्षमी श्रनंत गोथकेकर
 - (3) श्री चंद्रगेखर धंनत गोथकेकर 123 शुक्रवारपेठ, पूना-2 (श्रन्तरक)

2. मेसर्स सिद्धार्थ प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स

16 शुक्रवार पेठ, पूना-2

(भन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष 🖫

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सके ने

स्थध्दीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहु वर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा नवा हैं।

अनुसूची

जैसाकी रिजस्ट्रीकृत नं० 37ई \$ / 8009 / 85 - 86 जो मास मार्च 1986 को महायक स्रायकर स्रायक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, ,पूना

तारीख: 5-8-86

मोहर ः

प्रक्य बाई . ही . एन . पुस . ------

बाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 जुलाई 1986

निर्देश सं॰ 37ईई/8146/85-86--- **श**तः मुझे, श्रंजनी

कुमार

बायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राध्कारी को यह विस्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वंगलालाट नं० 263/268 सिंध-को-श्रापरे-टिव्ह हाऊसिंग सोसायटी श्रींध पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, मार्च 1986

न्त्रे प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाण प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उकत अंतरण लिखित में बास्तविक ह्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्) अन्तरण म हार्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अस्तरक की शाधित्य में अभी अरते या उससे अचने में सुविधा के सिए कार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 था 11) या उकत अधिनियम, या धानवण अधिनियम, या धानवण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनाथ अन्तिरिक्ती व्यास प्रकट नहीं किया गया भार रही किया अपन आहिए था, व्हियाने में स्विधा से निस्

(1) श्री जमनादास भोजराज, 263/268 सिंध को० श्रापरेटिव्ह हार्ऊसिंग सोसायटी धौंध पूना-7। (श्रन्तरक)

(2) कुमार विष्णुदास श्रष्डवानी, 144/421 सिंध को० श्रापरेटिव्ह हार्ऊसिंग सोसायटी ग्रौंध पूना-7। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्मरित के अर्जन के सिध कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक औ 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोपत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा कथोहस्ताक्षरी के गह लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, के उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8146/85-86 जो माह मार्च 1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज पुना के बफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

भक्त अभ , उक्त अभिनियम , की धारा 260-ग को अनुसरण मैं , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

दिनांक: 30-7-1986

भोहर:

प्रकृप कार्ड . टी., एवं , एस., -------

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-व् (1) के बभीन स्वना

भारत पहुंचाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 जुलाई 1986

कुमार

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त विधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का स्थित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

श्रोर जिसकी सं हिस्सा नं 10 सी वि टी एस 26/1+2+3+4 उहाणुकर कालोनी को थरूड़ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और म्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्राह्मिक , निम्निलिवित उद्वेष्य से उच्त बन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किन्तर में बास्तिक रूप से किन्ति नहीं कि वा यवा है है—

- (क) शंतरण से हुइ किसी नाम की भावत, उपत बिभिनियम के जभीन कर दोने के बंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे उपने मा सुविधा के लिए; कीर/मा
- (था) श्रेसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतुत्र जब, उक्त मिपिनियम की भारा 269-न के बनुसरक के, में उक्त विभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के बजीत, निम्मिलिस व्यक्तिसमी, सर्थात प्र

- (1) श्रीमती सुशीला दिनकर बेडेकर, सुकन्या सुधीर श्रागाशे, श्री सुधीर दिनकर बेडेकर, गिनाली श्रपार्टमेंट पी बाय सी, कालोनी पूना-4। (भन्तरक)
- (2) ट्रांसिकल बिल्डर्स, 1235, सुभाषनगर पूना-2। (श्रन्तरिती)

को यह सुवाल जारी कारक एवोका सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उनत सम्परित में अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी सर्वध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्द क्यित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- [क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीं से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास दिक्ति में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दों आरेर पतां का, जो उक्स अधिनिया के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(जैमा ि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8077/85-86 जो माह मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 31-7-1986

इक्ष्य बाई : टी : एवं : प्रस्ता : -- -

बाब्धर विविवयस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 जुलाई 1986 निर्देश सं० 37ईई/8215/85-86--यतः मुझे, श्रंजनी

कुमार कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5वां श्रीर 6 मंजला देवी हाईन्टम्, 269-270/1 शनिवार पेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986। ध्र

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वरमान प्रतिफल के एसे क्ष्ममान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिफल को क्ष्मह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच एसे बन्तरम के लिए दम पामा पमा प्रतिक्ष्म , निम्नलिचित उद्वर्ष से उक्त बन्तरण सिक्तिस में बास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तहल से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कह योगे के अन्तरक के शायित्व में अपनी कुटने या उत्तसे बचने में सृिश्भा के निय; अधि-वा
- (क) एंदी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधित्यन, 1922 (1922 का 11) या उन्दर विधित्यन, या धून्ध कर विधित्यन, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वादिए था, कियाने में स्विधा के जिए:

वडः वयः अस्य विविक्यः की गाउः 269-ए की वयुक्षरक की, मी, उक्त विभिन्नम की भारा 269-च की उपभाशः (1) के अभीतः, निम्नविधित व्यक्तियों, अभीतः :--- (1) मेसर्स रवी ६एटेट कार्पोरेशन 1161/10 देवी निवास शिवाजीनगर पूना-5।

(भ्रन्तरक)

(2) दी कॉसमॉस को॰ प्रॉपरेटिव्ह बैक लिमिटेड, 612 सदाणिवपेठ लक्ष्मीरोड़ कुटे चौंक पूना।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके प्रविक्त उम्मिन्त के कर्चन के लिए कार्यवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तस्वन्थ में कोई भी बाध्येप:---

- (क) इस स्वान के राधपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की रामील के 30 दिन की अवधि, थो भी जबीध बाद में स्वाप्त होती हो, को भीतर प्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब त 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संगत्ति में हित-बध्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थानें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8215/85~86 जो मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 31-7-1986

प्रस्पE मार्चE हीE मृत्यE एवं . प्राप्तानसम्बद्धाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत त्रकाह

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्धातक)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/8382/85-86---मतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 129 प्लाट नं० 48, 49, 50, 51, 56 धौर 57 प्राईडीयल कालोनी कांथरूड ता० हवेली जि० पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिश्वत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) बोड़ बंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे बतरण के लिए तम पाया शितफल, निम्निजिस उद्दोश्य से अस्त अस्तरण किवित में रास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसिसयों को, जिन्हें भारतीय 'ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निमित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) पयदोपती जयराज और अन्य 593, 19वां रोड़, खार, बम्बई।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स दाढे एंड रूड़ेकर, 2001 टैंक रोड़, पूना। (श्रन्तरिती)

की बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करन करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 विन की वविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की वविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और परों का, वो उकन अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कु० 37ईई/8382/85--86 जो मार्च 1986 को महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दातर में लिखा गया है।

> श्रनिः कुमार, सक्षमः।धिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (गिरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

क्तिक: 31-3-1986

प्रकम सार्वे । द्वीत् युवात् पुरात्तु-------

भागकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायुक्त नायुक्त (निरीक्षय)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/12313/85-86—यतः मुझे, श्रनिल कुमार

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें प्रचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 102, "निर्माण श्रमृत" निर्माण नगर सर्वे नं० 50 निलेपोर्ट नल्लामोपारा (वेस्ट) तहमील वसई जिं० याना है तथा जो तहमील वसई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमाण प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिकत से विश्व है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पावा गया प्रतिकत, निम्निकित उद्वेश्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्तिक चन से कियत नहीं किया पना है हिल्ल

- (क) बंतरण सं हुई किसी बाय की वाबत्, उक्थ बंधिनियम के अधीन कर दने के जलारक के बाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के खिए; बॉट/मा
- (स) ऐसी किसी बाय का किसी भन का साथ आसिएएएं की, जिल्हों भारतीय अधकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट लहुई किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्षिपान में सुविभा के लिए।

बत: बब, उक्त वॉभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक वो, वो, उक्त विभिनियम की भारा 269-य भी उपभारा (1) के बभीन, निस्तिशिक्ष व्यक्तिस्यों, वभातः---

- (क) मेसर्स निर्माण एसोसिएटम 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर सर एम० व्ही० रोड़, प्रधेरी (ईस्ट), बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री जोस डेव्हीड श्रौर श्रन्य के० श्राफ ग्रान्ड मारबल इंडस्ट्रीज, 22 सोना उद्योग पारसी पंचायत श्रंधेरी (ईस्ट) बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के गर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धै 45 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कः) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास् लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त काव्यों और पर्यों का जो उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाग गया है!

नग्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत फ्र॰ 37ईई/12313/84--86 जी मार्च 1986 को महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दण्तर में लिखा गया है।

> श्रनित कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; पूना

विनांक: 11-4-1986

प्ररूप आह . टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 18 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/8318/85-86--यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 41-ए1/2, 41-ए1/3 श्रौर 41/1 (41-ए1/4) बोपोडी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलि**ष्ठि व्यक्तियों अर्थात्** :--- (1) श्रीमती सुषमा बाबूराव भ्रपटे, 33 श्रींध रोड, किसी पूना ।

(ग्रन्तरक)

(2) देशमुख विल्डसं प्रा० लि०, 3/2 बीना शापिंग सेन्टर 164 सर एम० व्ही० रोड़, श्रंधेरी (ईस्ट) बम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/8318/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

विनोक: 18-3-1986

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

जायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६७-घ (1) के अधीन सुचना

सारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोंक 12 मार्च 1986

निर्देण सं० 37ईई/8657/85~86—यतः मुझे, श्रनिल हमार

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-रू को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति. असका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1—बी प्लाट नं० 61 से 71 मी० टी० एम० नं० 1840 से 1850 चिचयड तह्मील हवेली जि० पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावक प्रतृसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्स निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1986।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार क्रिया, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का क्ष्यू प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण में लिए तब पावा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- [46] नन्तरम से हुई फिजी बाम की बावत उनक अधिनियस में बचींच ब्रह्म दोने से बन्तरक ली खयिरच में कभी करने वा उसते वजने में सुविधा चे लिए; क्षेत्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

बक्त: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-4 के बनुबरण है, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा है।> बै बा निकानिवास स्थानसम्ह वर्षाहरू (1) श्री गोपाल लक्ष्मण गोखले **ग्रौर श्र**न्य, गीताबाग, चिचवड, पूना ।

(श्रन्तरक)

(2) मेमसं पलरेशा वारिया एसोसिएटस नटराज टी डिपो ग्रोम महाबीर सोसायटी यखाड़ा पूना-6

(भ्रन्तरिती)

को यह तुमना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्कार्यवाहियां करता हो।

उक्त प्रकारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी बांकोप :----

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की सविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जैमा कि रजिस्द्रीकृत कु० 37ईई/8657/85~86 जो जनवरी 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

विनांक: 12-3-1986

कुमार,

धक्य **भार**्, **ग**्रिक्ट **स्ट**ा स ह । स्टब्स

भवकर विविध्यम, 1961 (1961 का 43) की क्या 269-व (1) वे वर्तन क्यान

कार्यासन, तहानक नायकर आनुस्त (निरक्षिक) धर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986 निर्देश सं० 37ईई/12317/85-86---यतः मुझे, अनिल

नारकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) स्थित कर्म इसके परवात् 'अकत व्यक्तिकंक' कहा यथा ही, की अहर 269-थ के नपीन सक्तन प्राविकारी को यह किस्तरक करने का नप्रदर्भ है कि स्वायर सम्पत्ति विश्वन्त संविध क्रकार अस्य 1,00,000/-रः. से **वधिक है**

भौर जिसकी सं प्लाट नं 2, नई सर्वोदय को धापरेटिक हाऊर्सिंग सोसायटी लि॰ प्लाट नं॰ 29बी सैंक्टर 4, बासी नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपानक भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक भायकर भायका निरीक्षण म्रर्जन रेंज में रजिस्दीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धाधीन, दिनांक मार्च 1986

हो पूर्वेक्त तम्पत्ति के उचित बाबार ब्रुक्य से कब के बरवजान ब्रीक्षकल के जिल्लान्सिक की नदंह और मुक्ते यह निस्तास क्षत्रे का कारण है कि क्यान्जीयत क्यानित को प्रतित बादार क्ष्य, उदावी राज्यान प्रक्रिया है ए हे व्यवधान प्रक्रिया का पंदह ।विकास निवक हैं भीर नन्तरक (बन्दरकों) भीर अन्तरियी (अन्तरिक्रियाँ) के बीच एंडे अन्तरण की निए तय नाया नया बेलिफल, विक्यपिषित उद्योग्य से उक्त **मन्तरण कि<u>लि</u>क** में बारकाविक रूप से काधित मुद्दी जिल्हा वदा है. 🖫 —

- (क) कर/रूप हे तुर्द कि'ही बाद की बार त, उक्त क्रीपरिवर के लगीन कर दोने से बन्तरक के विविद्य में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; मार्थ प
- (क) देवी किसी शाम वा किसी धन या नाम्य जात्सिकी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रकोश्यार्थ वन्द्रशिक्षकार्य रक्षाट नहीं किया क्या वा किया वाला ५ हिए था, कियाने में दुषिया चे विकास

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को छभीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स गृष्ट बिल्डर्स 40-41, विशाल शार्पिंग सेन्टर, सर० एम० व्ही० रोड (ग्रंधेरी कुर्लारोड) ग्रंधेरी (ईस्ट), बम्बई ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल देवराजन 3/156 पॉरडायाज बिल्डिंग सायन (वेस्ट) बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णीक्ट संपर्शित के अर्जन के जि कार्यवाष्ट्रियां करतात है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर प्रविता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/12317/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक भायकर भायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूनाके इफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 20-3-1986

प्रकम् आद्दै . टी . पुनः . पुनः . --------

कायकरः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यात्रय, सहायक जायकर बायुक्त (निरोधक)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/13406/85-86—यतः मुझे, ग्रनिल कुमार

आवकार अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसकें प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार म्स्य 1,00,000/- रास्ति के अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, नई सर्वोदय कोन्नापरेटिक्ह हार्क्रीसंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 29—बी सेक्टर नं० 4 वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धर्धकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण धर्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रवमानं प्रतिकृष्ठ के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विक्रसास-करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्या, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का बन्दाह प्रतिक्षत से आधक है और जंतरक (अंतरका) और कंत-रिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बिए तब पाया गया प्रतिकस, निम्निजित उद्देश्य से उन्त बंतरण विशिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) चंतरण से हुई किसी काब की वाबत, उच्छ विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित्व में कमी करने या सत्तत्वे बचने में सुविधन के लिए; बौद/या
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी थन या बन्य वास्थिकों को जिन्हों भारतीय आजकर अधिनियम, 1922 (1922 का i1) या उनत अधिनियम वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के किए;

बरा: जय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण को जनुसन्ध-चें, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) वे विधीय, निक्तविधित व्यक्तियों, वर्णात् (1) मेससं गृह बिल्डर्स 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर सर एम० वही रोड़, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) भवाजी श्रार० मोरे के०/श्राफ ए० डी० मोरे वी-3 टासप 14-3-2 सेक्टर नं० 4 वसई, नई बम्बई । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां सूक्त करता हुए।

क्या सम्पन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भारते :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की ताराज से 45 दिल की जबधि का सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीण से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किए। को भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी कच्च क्यक्ति स्थावर सम्बक्ति के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वच्यीकरणः -- इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

जैसा रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/13406/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंफ पूना के वक्तर में लिखा गया है।

> भ्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 20-3-1986

प्रारम्य नाद**्रहे<u>. युव</u>्यक**ः

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धार्यकार 269-च (1) के वधीन क्षणा

प्रायः प्रकार

कार्यानय, तहायक बायकर नायुक्त (निर्याचन)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 ग्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० 37ईई/8357/85-86---यतः **मुझे, धनिल** कुमार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राष्टिकारी को वह विध्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, स्वरूप श्रपार्टमेंटस एरन्डवना पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक मार्च 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात सं विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) . बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तब भाषा नया प्रतिफल, निम्नितियत क्ष्में के बाव अन्तरक किए तब भाषा नया प्रतिफल, निम्नितियत क्ष्में किया चवा है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बॉबेंस, उक्त बॉओजिंडन के संधीन कर देन के बन्दरिक के दानित्य में कभी करने या उक्की बन्दने में स्विचा भी किए; ब्रीर/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भने वा बन्य वास्तियों को विन्हें धारतीय वायकर विचित्रवृत्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः । व. उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं के बन्दर्भ मे. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) क अधीन, निम्मीमिति व्यक्तियों, वंधित् क्ष्मे (1) मेसर्स तलवलधर एंड भालेराव मनंत मपार्टमेंट्स 1145 सदाशिवपेठ पूना-30 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वैजयंती एस० रामवासी, 3 पंचरत्ना हार्जिसग सोसायटी, पौड फाटा एरन्डवणा पूना-4। (भन्तरिती)

वां सह त्यमा चारी करके पूर्वीक्य सम्परित वे वर्षम् वे विद्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन भी तारीख है 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी न्यवितयों पर सूचना की तानीस हे 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व नवितयों में से किसी न्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यथ किसी अन्य व्यक्ति व्याग अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्या में किए का सकों गे।

स्थव्यक्षिरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उच्च अधिनियम के संभाय 20-क में प्रिकारियत है, वहीं वर्ष होगा वो उस संभाय में दिवा वया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/8357/85-86 जी मार्च 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिस कुमार; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

विनाक: 1-4-1986

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/8907/85-86--यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास (उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 स के अनीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, घर नं० 72, नया बाजार किकीं, जी० एल० श्रार० एस० नं० 27/582 पूना—3 (क्षेत्रफल 530 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उमाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी 1986

का प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सं कम क रश्यमाम अतिषक्ष के बिए बंतरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि नवाप्नोंकर सम्मत्ति का उचित बाजार मुख्य . उसके अयमान प्रतिफल सं, एसे उध्यमान प्रतिफल का पन्तह अतिषत में निभक्त है और नन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अम्बरितिषाँ) के नीच एसे अन्तरक के लिए तय पामा स्या ेतिफन, निम्मिकिसित उष्योगां से उच्च अन्तरण निचित्त में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (म) अन्तरण संहुइ फिसी आय की नामल, उक्त अधिकंत्रक्त्र की सभीत कर को के अन्तरक को दाणित्व में कमी अपने में उससे वचने में सुनिभा के लिए; जीर/या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, किया में कविया के किया

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स कुमार जैन एंड एसोसिएट्स 783 भवानीपेठ पूना-42।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ध्रशोक मातीलालजी सोनगिरा 58/4, नया बाजार, किकी, पूना-3।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के वर्जन के सिर् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वै 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सज्यित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्केंग।

स्पध्यक्तिप्रणः ---- इसमा प्रयुक्त शब्दी और पदी का, आ अक्त अधिनियम के अध्याय 2(7-व) में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हरेश के उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/8907/85-86 जो जनवरी 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 11-2-1986

प्ररूप बाई.दी.एन.एस. -----

नावकर मिनियन, 1981 (1961 का 43) की भारा. 269-स (1) के नभीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्वेश सं० 37ईई/8906/85-86--यतः मुझे, ग्रनिल हुमार

ायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें सक्ते पश्चात् 'स्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 306, घर नं० 72 नया बाजार किर्की जो एल० श्रार० एस० नं० 27/582 पूना → 3 (क्षेत्रफल 590 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1986

है। पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास हरन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :.—

- (क) जन्तरण वं हुई किसी थाय भी दावस उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के गुन्तर्क औं समित्य में कमी जरने या उससे वभने में सुविधा के सिक्; क्रीड∕मा
- (क) होती कियी बाद वा कियी वृद्ध वा बृद्ध वास्तियाँ का, विक्रु भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वृद्धकु विविचय, 1957 (1957 का 27) से प्रयोधनार्व बन्दरियी इंदार प्रकट नहीं किया का था वा वाहिए था कियाने में कृष्टिया की किए:

जत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसकों, अर्थात् धु---- (1) भेसर्स कुमार एंड एसोसिएट्स 783 भवानीपेठ पूना-42।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण शांतीलाल सोनागिरा 55/3 नया बाजार, किसी पूना-3।

(भन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिल कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाधीप प्-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी बविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तार्राध है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ निचित में किए जा सकांगे।

स्थान्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा मुका है।

ननुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/8906/85-86 जो जनवरी 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 12-2-1986

असम् आहो. ही , ऐसं , ऐसं , उन्तरकारकार

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 3 7ईई/8905/85-86--यत मुझे, ग्रानिल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-चे के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलौट नं० 304, घर नं० 72, नया बाजार, किकीं जी० एल्० प्राप्ठ एस० नं० 27/582 पूना—3 (क्षेत्रफल 580 चां० फुट) है तथा जो पूना में स्थित हैं (प्रौर इउसे उपा बद्ध प्रनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री किर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब-रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी 1986।

को पूर्वेक्सि सम्पर्टित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पर्टित का उचित बाबार मृत्य , उसके ध्रयमान प्रतिफल से , एसे ध्रमबान प्रविद्यस का पंत्रह प्रतिवास से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एवे अंधरक के बिए तम बाबा बना मृद्धि-ध्या निम्मितियाँ स्वास्त्र के बच्च सम्पर्द विविद्ध में नाक्दरिक सम संस्थित नहीं किया बचा है क्

- (क) बन्धडम हो हुई किकी बाव की बावत, उनके अभिनियम को अभीन कर दोने के जन्तरक को विकास को कदी कडमें वा व्यवन देखने को बुरियक, को सिए; और/शा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उपन्य वृद्धितृत्य, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ अस्तितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ अस्तितियम, वातिया प्रकट नहीं किया एवा था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में वृद्धिया और तिव्हः

अतः अव, जन्म अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः~~ (1) मसर्स कुमार जैन एड एसोसिएटस, 783, भवानीपेठ, पूना-42 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो यो० सो तीनरा, 55/5, नया बाजार, जिकी, पूना-3।

(अन्तरिती)

भी क्ष्मिना प्राप्ती करूचे पूर्वोक्ष कुल्दिरह से कर्मन से क्षिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

बनव बर्जिंग के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल में हित्बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीं।

स्थक किरणः — इसमें प्रयुक्त कर्ना करें कीर पंदी का, जो उनके किया कि नियम के अध्याद 20 के भें परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/8905/85-86 जो जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 12-2-1986

प्रकथ आहे. ही. एतं. एकं. -------

भायकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पता भारत सरका

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज न रेंज, पूना पूना, दिनांक 2 मई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8369/85→86—~ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार श्रूच्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसको सं० फ्लैटनं० 103,गोडाऊन नं०4,सी० टी० एस० त० 339 ए.स्तापेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसपे उपात्रक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्सी श्रीधकारी के जायेलिय सहायक श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीक्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित्न बाजार मून्य सं कम के क्यमान प्रतिष्ठत सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत सं अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित को नास्तिक रूप से कारिक क्या से सम्मानिक रूप से कार्यन से सिका

- (क) बस्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत उक्त निभिन्नम सं अभीन कर दाने के अंतरक कं साविस्य में कभी करने या असने वचने में साविधा में निष्ठ; मांप/या
- (स) एते! किसी गाय या जिल्ली अन या अन्य कर्तन्त्रयां की, जिन्हें भारतीय सायकर स्रिश्तियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था स्रियान्ये स्विधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेलर्स वर्धमान विल्डसं, 837 रास्तापेठ पूना। (ग्रन्तरक)
- (?) श्री पी॰ यू॰ देसरडा, 359 रास्तापेट, पूना-11 (ग्रन्तिरिती)

करं यह सुवाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वन के जिए काम्याहियां करता हों।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की जबिंध मा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तिकों पद जूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, वो औी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की वारीक है। 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य स्थावत स्वारा बजोहस्ताकारी के पास जिक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्माधिकरण: इसमें प्रयुक्त श्रम्यों और पत्री का, वो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा को उस श्रध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जैपा कि रिनस्ट्रीकृत % 37ईई/8367/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ध्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 2-5-1986 मोहर ब्रह्म बार्के, टी. युक्त, युक्त, न्यानाक्रमका

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जो नधीन सुलना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक जावकर बाब्यत (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 म्रप्रैल 1986

निर्देश सं∘ 37ईई/12718/85—86——मतः मुझे, श्रनिल कुमार

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें हनके पश्चात् 'उक्त जभिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित् बाजार मुस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3/4/9, मिथा टावर्स प्लाट नं० 41, बी० बी० सी० सेक्टर-17 वसई, नई बम्बई र तथा जो वसई में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री जर्मा श्रीधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक मार्च 1986

की पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि बंधापूर्वोक्त सम्मित का अचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एोड द्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एंसे बन्दरण के सिए तय पाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त बन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्षे

- (क) मन्तरण संसूद्ध किती वाय की बायत, उक्क ऑधिनियन के अधीन कर दान के अस्तरक के राजिता मों कभी करने या उग्रस वचने में सजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या कन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर किसिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त किसिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा जिपाने में साविधा के किए;

बतः वष, उक्त विधिवय की भारा 269-व के वनुसरक मों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मिथा इस्टेटस, 612 व्ही० एन० पुख मार्ग चेम्बूर बस्बर्ष ।

(श्रन्तरक)

(2) संसर्स प्रवसार्वल मैनिंग प्रा० लि०, 57 मार० ए० किदवाई रोड़ किंगस सर्वल, बम्बई ।

(श्रन्वरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्याज में प्रकाचन की दारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए का सकोंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमे प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्ष होनेन को उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

नग्तुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत % 37ईई/12718/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजंन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 28-4-1966 मोहर

प्रकम कार्च<u>ः</u> टॉ<u>ं.. पुत्रः पुत्रः संस्थानस्य</u>

नावकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) जै अभीत सुजना

गारक सहस्थानु

कार्यानय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, धिनांक 28 श्रप्रैल 1986

(र्देश सं० 37ईई/12719/85-86:--- **प**त मुझे, ग्रनिल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 4, भठवे मंजले पर मिथा टावर्स, प्लाट नं० 41, सेक्टर 17, डी० बी० सी० स्कीम असई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रीध-कारी के कार्यालय सहायक श्रायकर धायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, धिनांक मार्च 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यमापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उठके अवनान प्रतिकल से, एवे अवनान प्रतिकल का बंदह प्रतिकत ने बीधक है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिही (बन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरक के निष् तब पावा गवा शितिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त मिनियश के जभील कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए शरिया
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ जन्तीरती द्वाच प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विभा को सिक्;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मिथा एसोसिएटस 612 व्ही० एन० पुख मार्ग चेम्बूर बम्बर्ष ।

(म्रान्तर्ह)

(2) श्री मनमोहन जे० शितोंके श्रीर श्रन्य, 102 कस्वापेठ पूना।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन को जिए कार्यवाहियां युक्त करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के संबंध में क्रोड़ भी बाक्रोप ह—

- (क) इस सूचना के राजयम में प्रकाशन की धारीख सं 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की धानील से 30 दिन की क्थींच, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हुं, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिंछ। स्वाब किसी अन्य स्थानित व्यास क्यांहरताक्षरी के पास विविध में किस जा सकोंने।

स्यव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपव विधिनियम के अध्याय 20-क में पहिस्मावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

जैसा कि रिजिस्ट्रीकुर, के० 37ईई/12719ाँ85-86 जो मार्च 1986 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, पूना

दिनाक: 28-4-1986

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर साय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/12022/85-86—-ग्रतः मु ज्ञे, ग्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० सर्वे सं० 132/1/(बी) श्रौर 135/6(पी) कोलसेर्ट रोड बलकम थान है तथा जो थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986,

को पूर्वोधन संपरित को उचित वाधार मूल्य से कम के रश्यक्षान प्रविक्रण को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाधार मून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिक्रम से, एसे क्ष्यमान प्रतिक्रम का बंद्र प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्रम का निम्नतियात उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिमित में वास्त-

- (क) मन्त्रारण स हुई किसी बाव की बावता, उसके विभिन्निक के अभीन कार क्षेत्र के बन्दारक औ बावित्य में कभी कारवे या उन्नसे बचने में सुविधा औ सिए; बाद्र/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिकों कों, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्ध भन्तरिती व्यार प्रकटं नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

गत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त आंधनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अधित्

- (1) श्रीमती उर्मिलाबाई लक्षमण भागवत प्रधान बिल्डिंग, थाना रेल्वे स्टेशन के पास थाना (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स एस० डी० पेंटस प्रा० लि०, 203 नवकेतन बिल्डिंग चेम्बूर बम्बई । (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विश्व की बविध या तत्संबंधी ध्वानितयों पर बूचना की दायील से 30 दिन की बविध, वो बी बविध वाथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशिन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवस में फिर या क्योंगे।

स्थापकरणः — इत्यभं प्रमुक्त शब्दों और पद्यां कर, जो उक् विनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० सं० 37ईई/12022/85-86 जो मार्च 86 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया। है ।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सह्**ाय**क प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 6-5-1986

प्रक्ष आहे..टी. एव . एस ु------

बायकर बॉर्धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, पूना

पूना, दिन 📆 28 श्रप्रैल 1586

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रहा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० एम० मं० 123ए(3) पार्ट टिक्का सं० 12 मर्वे मं० 227ए, घ मं० 3, 2, सर्वे सं० 123बी टिक्का सं० 12, सर्वे सं० 227मी चर्र्ड थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियोन, दिनांक मार्च, 1986,

का पूर्विकत सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान भितकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितायों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निमिखिट उद्वश्य से उक्त अन्तरण जिबित में शस्तिविक रूप से कियत मही किया गया है...

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने मा उससे बचने में सृविभा के निए; और/या
- (क्ष) एँसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ जन्तिरिती ब्दारा प्रकट नहीं किया गया था पर किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सोनाबाई ग्रनन्त पवार श्रागरा रोड, चटई, थाना ।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स एस० पी० एण्टरप्राईजेस भूले हाउस, इडलजी रोड, चराई थाना । (धन्सरिती)

1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आंक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जरें भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्स्यो

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत %० सं० 37ईई/14952/85-86 जो मार्च 86 को सायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ट्रिश्चर्जन रेंज, पूना

विनांक : 28-4-86

मोद्वर :

प्रकल बाहे. औ. एव. एव. ------

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बधीन सुमना

भारत सरकार

कार्धाकय, सङ्घायक शायकर शायक्त (निरक्तिक) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/3247/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्की ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ध्रीयो-269-च के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्थ 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसक सं० 208, दूसरा मजला, लोक सिलप प्लाट सं० 59, सेक्टर, 17 वसई नई बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रंज में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986 का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंशरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त विध-विधिनियम के बधीन कर दोने के बनारक के वाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा की विष्;
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अभ्य आस्तियों की विन्हें भारतीय आयकार विभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, व्यापने में सुविभा के सिद्द; और/या

अपा अपा, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) व्यक्षकी निमन्तिकित व्यक्तियों अभित्रिः— (1) श्रीमती लिलत सी० गांधी 86, चीफ प्रमोटर लोक सिल्प कोम्रापरेटिव हा० सोसायटी लि० सह० एम० ह्वी० रोड, श्रंधेरी(ई) अम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० एस० नारायनन
प्लाट सं० 1, सनरथ साईनाथ निके
एच० एस० पेस्टम सागर चेम्बुर बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

ेबा बहु/ सूचिमा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के जिल् कार्यकारियों करता हूं।

उन्तरं तम्बरित को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्ष्रेप हन्न

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसयों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस सूक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वकारिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों करि पर्यों का जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होता जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

जन्सू भी

जैसा कि र्री द्रीकृत अ०सं० 37ईई 3247/85-86 ो मार्च 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के बफ्तर वा गया है :

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

दर्नाक : 6-5-86

माहर 🖫

प्रकार बार्ड . दी . एक् . एस् . अवस्थान

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) जो वधीन सञ्जत

STEEL STATES

कार्यासय, बद्धायक बायकर बाब्क्स (विश्वीक्षण)

अर्जन रेंग, पूना
पूना, दिनांक 2 मई 198
निवेश सं० 37ईई/8368/86— 6 87—; यतः मुझे, ग्रनिल
कुमार,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस्टे इसमें इसके प्रथात (जनत अभिनियम कहा गया हैं), की बारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार भूरव 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लाट सं 203, तथहूसरा मंजला गोडाउन नं 3 339-बी रास्तापेठ पूना है जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार बृत्य से कान के स्ववधाय प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे म्ह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्बद्धि का कांचत वाजार सून्य, उसके स्वयमान प्रतिकास है, एवं स्वयमान कांच्य का पंद्र प्रतिकास से अधिक है और कन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एके अन्तरक के विश् तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुव किसी जाय की वावत, उकत अधिनियम के नधीम कर दोने के अन्तरण की वाधित्व में कमी करने का उक्क वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अभ्य लास्तियों को चिन्हें भारतीय सायकर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा नम-कर संधिनियम, वा नम-कर संधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया का या किया काना भाड़िए वा कियाने में सुविधा के विष्

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) मेसर्स वर्धमान विल्डर्स 339/बी रास्तापेट पूना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीण उत्तमचन्द देसरड 339/बी रास्तापेठ पूना ।

(म्रन्तरिती)

का वह स्थान वाडी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के तिस् कार्यवाहियां कारता हुा।

उक्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाभौप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 बिन की अविधि मा सरसम्बन्धी व्यक्तियाँ गृष्ट सूचना की ताजील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तिमाँ में से किसी अविकर बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति भे दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निवित्त में किए का सकीन।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वटा ही।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/8368/85-86 जो मार्च 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूका

दिनांक : 2-5-86

प्रस्प बार्च, टी. एव. एव.

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सूचना

भारत चरकार

चार्यक्रय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 मार्च 1986 निदेश स० 37ईई/8585/85-86-श्रतः मुझे, ग्रानिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंक्क्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार मृस्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फाँयनर प्लाट सं० 802 शिवाजीनगर पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 ा (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निति चुक्केय से उच्त बन्तरण जिल्ल में वास्तिक कप से किंग्त महीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की सबत, उक्त अधि-नियम के अधीन-कराइनि के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी नाम या किसी भन या अध्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नामकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधिनयम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के ज्ञाजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए;

आर्कः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निम्लिस, व्यक्तियाँ, धर्मात् ह—-

-) (1) मैंसर्स राठी कुमार वेहरे कन्स्ट्रवणन हाउस 796/189-वी भंडारकर इन्स्टीट्यूट रोष्ठ, डी० सी० पूना---4 (भन्तरक)
- (2) वेस्टर्न महाराष्ट्रा डेवलपमेंट कारपोरेणन लि० दूसरा मंजला उद्योग भवन गणेण खिड़ रोड, पूना ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैस कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/8585/85-86 जो मार्च 86 को सपायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-3-86 मोहर : म प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

, कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 12 जून 1986
निर्देश सं० 37जी/652/85-86—श्रतः मुझे,
ग्रनिस कुमार

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का संवीधक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस यूनिट सं० एन० 901 भवानी वेस्वर्स 461 बी० वार्ड भवानी मंडप कोल्हापुर है तथा जो कोहलापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार करविर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पृश्वीकत सञ्चास के उचित बाबार मृत्य से कथ के स्थवनाय प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्बोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के शिष् त्य पाना कल गतिस्का, निक्नीलिशित उद्देश्य से स्वत बन्दरण जिलिस में बास्तिक कर से कांधत नहीं जिल्हा स्वा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किपाने में स्विधा के सिए;

नत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात ——

- (1) मैसर्स धारगे इस्टेंट डेक्लेपमेंट 469बी० वार्ड भवानी मण्डप कोल्हापुर पार्टनर श्री अर्जन सिंह वाय धारगे एण्ड श्री श्रविनाश वि० पाटिल (श्रन्तरक)
- (2) श्री वारणा सहकारी बैंक लिसिटेड वारणानगर कोल्हापुर श्री नन्द कुमार के० नहिक और श्री श्रण्णासाहेब जे० देसाई श्राथोराइज रिप्रेजेटेंटिव (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ध संपत्ति के नक्जन के संबंध में कोहें भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी अयौक्त ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

समामा

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत सं० 37जी/652/85-जी मार्च 1986 को सब रिजस्ट्रार करियर के दफ्तर में लिखा गया है)

> मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 12-6-86

प्रकृप आई. डी. एन. एत. -----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

काराजय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 श्चगस्त 1986 निवेश सं० 37ईई/2024/86-87-श्वतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 1 पांचवा मंजला ब्लाक सं० 11 शंगरीला भ्रपार्टमेंट 31 कोरेगांव पार्क पूना है तथा जो पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक भायकर भायकर भायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986

का पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पादा प्रसा प्रतिफ कल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक कण में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से शुर्ह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्र, ग्राँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निकितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्म जय ठाकरसी लैंग्ड डेबलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड 2128 ह्वी० पी० स्ट्रीट पूना कैम्प पूना---1

(भ्रन्तरक)

(2) प्रेइन राय मेटल शिटमेट लिमिटेड, नेटलिन हाउस 254 बी डा॰ अनीबेहेन्ट रोड वरकी मुम्बई

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत का कित्यों में से फिसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्सबूध किसी अन्य ध्यान्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पान तिस्ति में कि थे जा सकारी।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रथूपत शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अबंहोगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/2024/86-87 जो माह अगस्त 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।)

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर णायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

दिनांक: 29-8-86

प्रारूप आहाँ .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) द्यर्जन रेंज— पूना पूना, दिनांक 29 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० 37ईई/2104/86—87—यत— मुझे,

श्रंजनी कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस की जगह पहला माला सी० टी० एस० सं० 10बी सदाशिय पेठ पूना—30 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूजची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज/ सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- 13---306 GI/86

(1) मैसर्स पटसन इण्टरप्रायवंस 4/37 अरण्येखन पूना—4

(भ्रन्तरक)

(2) केलगा टेकनो सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, 812 र्राव बिल्डिंग नवी पेठ पूना । (श्रन्सरिती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त बम्पित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख तैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत सं० 37ईई/2104/86-87 जो माह श्रगस्त 86 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

श्रजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-8-86

प्रकृष बाह्य, दी, हुन, एस.

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुका

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक जायकर जाव्यत (निर्दास्त)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 4 सितम्बर 1986 निदेश सं० 37ई⁵/7565/86-87--ग्नतः मुझे, श्चंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पाचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

¹.೧೧,600/-राः सं**अधिक ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० 71ए, 71वी रास्तापेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक्क श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्मा श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पृथंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के जंतरक के दायिक कों कमी करने या उससे अचने में तृत्रिक्षा के निए; आर/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तिबाँ कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा के निए;

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण वा, भी. स्थापत अधिनियम की धारा 269-श की स्पधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— (1) शी बं एएन० लम्बाकू और श्रन्य फिलरभैंन कौलोनी माहिम बिल्डिंग ० 20-ए, फ्लैट सं० 999 बस्बई-6

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रमिन इण्टरप्राइसेस 1025 सदाशिव पेठ पुना-30

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

तक्त संध्यति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकास में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

(जैसे कि रजिस्ट्रीत सं० 37ईई/7565/86-87 जो माह फरवरी 1986 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> **प्रंजनी कुमार** सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**जं**न रेंज, पूना

दिनांक : 4-9-86

वस्य नार्_न टी_र एम_र एच_{रि} ५६०-००कान

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

MICH EVENT

कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 9 सितम्बर 1986 निदेश सं० 37जी/620/85-86---अतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' फहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कार्यक है कि स्थावर सम्मत्ति, जिलका स्थित बाचार मूक्त ।,,,0,,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे मं० 555/हिस्सा सं० 1, जि० नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रमुसूची श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1986

्रो पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वरिय से उचित अन्तरण किसिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी नाम मा भन वा बन्स शास्तियों की, विन्हों भारतीय नामकर श्रीपनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त श्रीपनियम, या धनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्मीरती वृत्रारा प्रकट नहीं किना नवा भा वा किया थाना चाहिए चा, किनाने वे स्विधा के दिवस:

बल: क्षण, उक्त विधिनियम की धारा 269-त में बनुकरण कें, में, रखत विधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) कें विधीय, निम्निसिक्त स्वितियों, वर्षात ड—

- (1) जयंद्रा एस० वकील श्रौर झन्य 18 रिज अपार्टभेंटस मलबार हिल, बम्बई-6 (श्रन्सरक)
- (2) श्री म्ननवर एच० मुल्ला म्नौर म्नन्य 211, म्रम्ण चेम्बर्स, तारवेस बम्बई-34 (म्न'तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हो।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में क्योड़ भी नाक्षोप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त अविभत्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जभ्माव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस जभ्माव में दिया

अनुसूची

जैसा क रस्ट्रिक़त कः 37जी/620/85-86 जो जनवरी 86 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के ग्रफिस में दाखल किया गका है ।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-9-86

प्रक्रम बाइ क ट्रॉ्न एनक एसक्≋≡

नायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के नधीन क्यांग

वाहर पहल्ल

कार्यासम्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्णन रेंज, पूना पूना, दिनांक 22 सितम्बर 1986 निदेश सं० 37ईई/316/86-87—यतः भुझे, श्रंजनी कुमार,

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त निभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 12 सर्वे सं० 131/1ए/1सी/2ए एफ० पी० सं० 529/2 पर्वती तहसील हवेली जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के करमान प्रतिफल के जिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया बतिफल, विम्मतिचित उद्देश्य से उच्च अन्तरण कि चित में अस्तिक, विम्मतिचित वह से चित्रा वस है कम्म

- (क) करतहण वं हुन्दं कि की भाग कई दावत , उपव श्रीवरित्रयम के क्यीन कह दोने के अन्तरक खें दावित्व में क्यी करने वा उबके क्यने में सुनिधा के किए; श्रीर्/या
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वालेकिया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा धांस्थ।

जतः वंश, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अनुतरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-चं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष---

- (1) श्री मालीनी पुरुषोत्तम बोडस
 38 विजय नगर कालोनी पूना 30 श्रौर
 बैंक धाफ गहाराष्ट्र लोक मंगल 1501
 णिबाजी नगर पुणे—4
 (अंतरक)
- (2) श्री रेणुका कन्स्ट्रक्शन कं० ए/1 सक्सेस चेंबर 1232 ग्रपापटे रोड पूना–4 (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कुम्मिटित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब बें 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, दो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किस वा सर्वीचे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगेंग जो उस अध्याय में दिया

श्रनुसूषी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत $37 \xi \xi/316/86-87$ जो माष्ट जून 86 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-9-86

प्रारूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-व (1) के ब्योग स्वना**

ATTEN TENTS

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना पूना, दिनांक 22 सितम्बर 1986 निदेश सं० 37ईहैं/313/86-87--यनः मुझे, श्रंजन

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें ध्राके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क अ अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विष्कास करने का कारण धो कि स्थावर सपित जिसका उचित बाबार मध्य

1,00,000 / - रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 15 सर्वे सं० 131/10/161/20 एफ़० पी० सं० 529/2 पर्वती तहसील बेली पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाग्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1986,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्यरण वं हुई किसी बाय की मृत्यत, अक्रम विधिनियस के न्यींच कर यो के बंतरक के न्यीत्व में करी करने वा अक्रम क्यने में विविधा के सिक: नीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकार विधिवयम. 1922 (1922 का 11) या सकत अधिवियम. या धन-कर विधिवयम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री मालीनी पुरषोत्तम बोडम
 38 विजय नगर कालोनी पूना—-30
 श्रीर वैंक श्राफ महाराष्ट्र लोक मंगल
 1501 शिवाजी नगर पूना-56 (ग्रन्तरक)
- (2) रेणुका बंसद्रक्शन कं० ए/1 सक्सेस चेंम्बर 1232 ग्रापटे रोड पूना ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी काश्रोब हू----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अनिधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वथा की सामीन से 3.0 दिन की वनीथ को भी शविष बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेकिस प्रा स्थार में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्स
- (स) इस न्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अवत स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकत 37ईई 313/86-87 जो माह जून 86 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के वफ़तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सपायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-9-86

प्रकार नार्ष्य ही, पुरुष पुरुष क्र क क

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-न (1) के नभीद सुमना

भारत बंद्रमान

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 सितम्बर 1986

निदेश मं० 37ईई/315/86-87—यतः मुझे, ग्रंजनी कुमार,

जायकर् भीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है कि बादा 269-च के अधीन सक्षम प्राविकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अन्यत्ति, जिल्ला अधिय बाबार मृज्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 13 सर्वे सं० 131/1-ए,1-सी/2ए एफ० पी० सं० 529/2 पर्वती पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान क्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्तिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से क्रिथत किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसा धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था का जिला बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए:

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मालीनी पुरुषोत्तम बोडस
 38 विजयनगर कालोनी पुणे 30 श्रीर बैंक श्राफ
 महाराष्ट्र लोक मंगल शिवाजी नगर पूना---5
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री रेणुका कन्स्ट्रक्शन कं० ए/1 सक्सेस चेंबर्स 1232 ग्रापटे रोड पूना (श्रन्सरिती)

का वह ब्रुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्षोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पटिनेकरण: — इसमें प्रयास्त शब्दों और पदों का, को उत्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE STREET

जैमा कि रिजिस्ट्रीकृत 37ईई/315/86-87 जो माह जून, 86 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

दिनांक : 22-9-86

प्रक्ष बाह् , टी. एव., एस.------

बानकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 28 भ्रगस्त 1986

निदेश सं० $37\overline{3}$ $\left| 647 \right| 85-86$ — मृतः मुझे, भंजनी भुमार,

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी के यह जिस्साच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 16/1-5 उनगार्ली गांव तालुका पावल जिला-पूना है तथा जो पूना में, स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकरण में श्रिष्ठनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रूप्रैल 1986,

हते पूर्वेशित सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अंतरित की गई है और मुख्ये यह विश्वाद करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्य्यमान प्रतिकास है, एसे दश्यमान प्रतिकास का पल्दह प्रतिवात से जिभक है और जंतरक (बंतरका) और जंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिकास, निम्निसिवत उद्देश्य से उच्छ बन्तरण निवित में पास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरक वे हुई कियी बान की वावत, उत्त विभिन्नम के नधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या जन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वा या या किया वाना वाहिए था, जिनाने में सुविधा के सिए;

बतः अव., उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण कें, में, उक्त जीधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) अ अधीन, भिश्नविधिक व्यक्तिकों, अर्थाक् ड--- (1) श्री जमंत्र मन्तिरास कल्याणपुरकर कल्याणपुर होना डिस्ट्रिक्ट रोड, विदले पारले बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) लेक ह्वीब इनवेस्टमेंट ट्रैडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, साधना रेयान हाउस डा० बी० एन० रोड, फोर्ट बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके न्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के वास लिखिस में किए जा स्कोंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रवृक्त सन्दों और वर्षों का, वो सक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होता, को उस सध्याय में विमा वर्षा ही।

धनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37जी/647/85-86 माह ग्रप्रैल को सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा गया है)

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-8-86

प्ररूपु नार्षं हो , एन , एस , -------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 श्रगस्त 1986

निवेश सं० 37जी/191/86-87---यत: मुझे, भ्रंजनी कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 517 प्लाट सं० 20 सी० टी० एस० सं० 365/24 घोरपाडे पेठ ओथ बोरे कालोनी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्तत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनम, 1908 (1908 का श्रिधीन, दिनांक भ्रौल, 1986,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथं पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) व्यंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त किंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित अक्तियों, वृथित् ि—

- (1) श्रीपाद हरिभाऊ रत्नपारखी श्रौर दूसरे द्वारा मंदारामाला एस० जी० ग्रार० एस० सी० टी० एस० सं० 365/24/20 घोरपडे पेठ पूना। (श्रन्तरक)
- (2) मदारमाला सी० एच० एस० लिमिटेड, 365/24 घोटभेड पेठ पूना ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किछ जा सकोंगे।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रोकृत सं० 37/जी/191 जी माह अप्रैल 1986 को एस० श्रार० हवेली के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 28-8-86

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 श्रगस्त 1986

निवेश सं० 37जी/224/86-87---- यतः मुझे, श्रंजनी भूमार,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० बी-74, जो रोड सं० 33 पर स्थित वागेल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एम० श्राई० डी० सी० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपप्बद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1998 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1986,

को पूर्व क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल हे लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का का एण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक एस से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिये आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, गों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिग्यों, अर्थात् —— 14 —306 GI/86

- (1) मेमर्स बुरिलगटान्स एक्सपोर्टस बी-75, वागेल इण्डस्ट्रीयल स्टेट थाना । (श्रन्तरक)
- (2) मेमर्म फ्लेक्स्टान ब्राटो समपेनसियस 502, लिमकवे 397, 14 रोड, खार बम्बई-52

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कु० 37जी जो श्रप्रैल 86 को सब-रजिस्ट्रार बम्बई के श्राफिस में दाखल किया गया है।

> ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-8-86

प्रचय बाह् , दौ , एन , प्रस ,- + = ====

नायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंबीन स्थार

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 9 मितम्बर 1986

निदेश सं० 3जी/ 134/86-87—यतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति , जिसका उचित नाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 6 से 25, सर्वे सं० 288, 289ए तथा 289बी, जूना राष्ट्रीय महामार्ग सं० 6, वेस्टर्न नेलबे क्रासिंग के पाम जकगांव है तथा जो है तथा जो जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक मार्च 1986,

को प्रॉक्त सम्मिति को उचित बाजार प्रश्न के कम के उरपमान अतिकाल के लिए जन्तिएत की नई है बार मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, उक्ष है उपमान प्रतिकाल से, एसे वर्षमान तिकाल का किएस का विकास की कीर वन्तरका (वन्तरका) बीर बन्तिएती (जन्तिरितियों) दे बीच एसे अन्तरक के बिए तब कामा गया प्रतिकाल कि निम्निसिकत उच्चे वेष से अन्तरक किस्ति अन्तरका किस्ति संवास्तिक रूप से किसा गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रत्येजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा अरिए:

बत: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-व की जब्धरण मों, मों, उक्त आधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जगनाथ नथु वाणी द्वारा जैन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी जलगांव (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रणोक भवरलाल जैन द्वारा जैन ब्रदर्म इण्डस्ट्रीज 16 पोलनपेठ, पो० बाकस 20, जलगांव (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त प्रश्नित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्थप :---

- (क) इस त्यना के रायपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की ननीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानीन से 30 दिन की ननीथ, जो भी ननीथ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्तिय प्रवास;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनपण किसी मन्य व्यक्ति इवारा जभोहस्ताझरी के पास निचित्त में किए जा सकींगे।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर वयाँ का, जो क्ष्यक अधिनियम के बध्याय 20-क के परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के विका मया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37जी/134 मार्च 86 को सब रजिस्ट्रार जलगांव के ग्राफिस में दाखल किया गया है

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 9-9-86

मोधर :

प्ररूप बाह् ं टी, एन ु एस ु------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के नमीन सुमना

भारत सरकार

बार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

न**र्द** दिल्ली, दिनांक 14 श्रगस्त 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० श्रार०-3/2-86/ 463/2 --श्रतः मुझे, जगदीण मिन्न,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिनकी संख्या है तथा जो प्लाट नं० 115, ब्लाक नं० 172, जोरबाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांप इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, नारीख फरवरी, 1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में थास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत., उक्त आंधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम विश्वा विष्य विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्व

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :-- शि कुलजीत सिंह कोहली 115, जोर बाग, नई दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी श्री बचग्रांनद टी० योजवानी निवासी 3072/सी० ए० रनजीत नगर, नई दिल्ली वाइड एटोरनी दिनांक 23-5-1985।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरीश कुमार श्राहुजा, 248, डबल स्टोरी, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितीः)

कार यह सूचना जारी करके पूर्वी ता सम्मतित् के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तर सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षर ---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकासन की ताड़ींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सर्कींगे

स्पष्टोफरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया दा

अन्स्ची

प्रापर्टी प्याट नं० 115, ब्लाक नं० 172, जोरबाग, नई दिल्ली नादादी 468.8 वर्ग गण । ढाई स्टोरी विल्डिंग

> जगदीण मित्र सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-3, हिल्ली

दिनांक: 14-8-1986

नोटिस

भारत का राजपन्न, नबम्बर 1, 1986,

सम्मिलित रक्षा मेत्रा परीक्षा, मई, 1987 नई दिल्ली, दिनांक 1 नदम्बर, 1986

सं॰ एफ॰ 8/3/86 प॰-1 (ख)- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नौकित कोसी में प्रवेण हेत् 12 मई, 1987 से एक सम्मिलिन रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी:---

कोर्स का नाम तथा रिक्नियों की संमावित

- (1) भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून (जनवरी, 1988 में प्रारम्भ होने वाला 84वां कोर्स) एन० सी० सी० (सेना स्कन्छ) "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32* रिक्तियाँ सम्मिलित हैं।
- (2) नौरोना अकादमी, कांचीन जनवरी, 1988 में प्रारम्भ होने वाला कोर्स)
 - (क) सामान्य सेवा 44*

(एन० मी० मी०) नौ सेनास्कन्ध "सी" प्रमाग-पत्र धारिया के लिये ६ आरक्षित रिक्षितयां सम्मिलित है।)

- (ख) नौ सेना विमानन 33*
- (3) वायुसेना बेगमपेट सिकन्दराबाद (जनवरी, 1988 में प्रारम्भ होने वाले उड़ान पूर्व प्रणिक्षण कोर्स अर्थात् नं० 143
- (4) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मब्रास (मई, 1988 से प्रारम्भ होते वाला 47वां एस० मी० सी० (एत० टी० कोर्स) 269*(a),

*उपयुक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

*@ इसमें प्रशिक्षण क्षति सम्मिलित है।

विशेष ध्यान (1)---उम्मीदवार को आवेदन पत्न, जो 1 नवम्बर, 1986 को रोजगार समाचार तथा समाचार पत्नों में प्रकाशित है के कालम 9 में यह स्पष्ट रूप से बनाना होगा कि यह किन सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाह उतनी वरीयन(यों का उल्लेख करे ताकि योग्यता-कम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भलीभांति विचार किया जा सके।

उम्मीदनारों को ध्यान में रखना चाहिए कि नीचे विशेष ध्यान $(\mathbf{II})_{i}$ की व्यवस्था की छोड़कर उन पर केवल उन्हीं कोसों में नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिए वरीयना तिर्दिब्ट करते हैं, अन्य कॉर्स (कोसी) में नियुक्ति हेनु नहीं।

उम्मीदबार द्वारा अपने आवेदन-पन्न में पत्रते निर्दिष्ट वरीयनाओं मे बद्धि/पर्वितन हेन, अनुरोध को आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किपा

किन्तु भारतीय सैन्य अकावमी और नौमेता/वायुमेता अकादिसियीं में उम्मीदवारों की कमी हो जाने पर ही अधिकारी प्रशिक्षणणाला का पहली पमन्द रखने वाले और भारतीय मैन्य अकादमी तथा नौमना/ वायु सेना अकादमियों हेत् यीग्यताप्राप्त उम्मीदवारों के सामले में उनके अस्यया प्राप्त होने पर कोर्सों में प्रत्रेण पर विचार किया जा सकता 81

विणेष ध्यान (II)---स्थायी कमीशन प्रदान करने के ∮लिए भा० मैन्य अकावमी/नौ मेना अकावमी/वायु सेना अकावमी कौर्स के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीदवार यदि बाद में अ ह कालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) लिए विचार किए जाने के इच्छ्क है तो निम्नलिखित सर्तौ के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विवारण योग्य हो सकी हैं। चाही उन्होंने अपने आवेदन-पत्नों में इस कोर्न के लिए अपनी पसंद नहीं बताई है।

- (i) यदि अल्पकालीन मेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को लेने के बाद भी कमी है,
- (ii) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा कमीणन (गैर तकनीकी) हेतु वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के क्रम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिन्होंने इस कोर्सके लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदबार उस कोर्स में प्रवेग पा जाएंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयना के (अनुसार हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी I — एन० सी० सी० (मेना स्कन्ध)/बायु सेना स्कन्ध वरिष्ठ प्रभाग)/ (नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण–पन्न प्राप्त जम्मीद⊸ वार अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोसी की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में फोई आरक्षण नही है। अतः इस कोर्स में रिक्तियों को भरते के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी एन० सी० सी० में "सी′्प्रमाण⊸पत्र (सेना स्कन्ध)/ वाय मेना स्कन्ध का (वरिष्ठ प्रभाग) (नौसेना स्कन्ध) की परीक्षा उलीर्ण करनी है, किन्तु अन्यया वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हो, तो के भी आवेदन कर सकते हैं किन्त् उन्हें एन० सी० सी० ''सी'' प्रमाण⊸पत्र (सेना (स्कन्ध)/बाय् सेना स्कन्ध)/ (नौ सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग को परीक्षा उनार्ग करने का प्रमाण प्रस्तृत करना होगा जो कि आई० एन० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकास याने उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (ए**म०** पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ मेना मुख्यालय आर्० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और बायु सेना के प्रथम विकल्प बल्ले उम्मोदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०)/बायु सेना मुख्यालय, बिग 7, प्रथम तल, बेस्ट ब्लाक नं 6, राम कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 को 31 विसम्बर, 1987 तक पहुंच जाए।

आरक्षित रिक्सियों के लिए प्रतियोगिता को पात्रना हुन् उम्मीदयार ने सप्ट्रीय कैडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डियोजन सेना स्कन्ध में 2 ग्रैक्शणिक वर्षों से कम न हो और मोनियर डिबोजन वायु सेना/नौसेना स्कन्ध में 3 मैक्षणिक वर्षों से कम न हां और आयोग के कार्यालयों में आवेदनों की प्राप्ति को अंतिम तारोब को उसे राष्ट्रीय कैंबेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य अकादमी/नीसेना अकादमी/याय सेना अकादमी कोर्स के लिए 2.4 मास से अधिक न हुए हीं।

टिव्यण) II - -भारतीय मेना प्रकादमी कोर्स/यायु सेना श्रकावमी कोर्म/ नी सेना धकादमी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना स्काध सीनियर डिवीजन वायु सेना स्वन्ध/सेना नौसेना स्कन्ध) के ''सी'' प्रमाण-पन्न धारी जर्मादवारों के लिए भारका रिजितमों को भरने के लिए परीक्षण परिणाम के आधार पर क्षर्हता प्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई स्नारक्षित रिक्तियों को श्रनारक्षित समझा जाएगा श्रीर उन्हें सामान्य उस्मीदवारों से भरा जाएगा।

श्रायोग द्वारा श्रायोजित होने श्रासी लिखित परीक्षा तथा उसके बाद संशा चयन योडें द्वारा लिखिन परीक्षा बोर्ड में योग्यता प्राप्त उस्मीदवारों के लिए श्रायोजित बौद्धिक श्रौर व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के श्राधार पर उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेण दिया जाएगा।

- (क) परीक्षण की योजना स्नर भीर पाठ्यचर्या, (ख) स्रकादमी/ गाला में प्रवेग हेतु गारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी नी सेना श्रकादमी श्रधिकारी प्रिक्षिणशाला भीर बायु सेना श्रकादमी में प्रवेण पाने वाले उस्मीदवारों की सेवा श्रादि की संक्षिण्त सुचना के सम्बन्ध में कमशः परिणिष्ट I, II भीर III में विस्तार से समझाया गया
- 2. परीक्षा के केन्द्र धगरतला. धहमवाबाद, ऐंजल, इलाहाबाद, अंगलीर, भोगाम, बस्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक. दिल्ली, विसपुर (गोडाटी), हैदराबाद, इस्फाल, इटानगर, जयपुर, अस्मू, जोरहाट कोहिमा, लखनऊ, मद्राम, नागपुर, पणजी (गोषा), पटना, पोर्टब्लेयर, रामपुर, जिलांग, शिमला, श्रीनगर, निरुपति, विवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापननम ।

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्यक्त केन्द्रों तथा नारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यदापि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिका किसी उम्मीदवार को श्रपनी विवक्षा पर श्रलग केन्द्र वे सकता है। जिस उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर श्रलग केन्द्र वे सकता है। जिस उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा में प्रवेण वे दिया जाता है उन्हें गमय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी द दी नाएगो [तो वे पैरा S(ii) देखिए]।

उम्मोदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध प्रत्रोध को नामान्यत्या स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उभ्मीववार प्रतन उस केन्द्र में परिवर्तन साहता है जो उसने उसत परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निदिष्ट किया था तो उसे सन्वित्र, गंघ लोक सेवा आयोग को इन आत का पूरा धौलित्य बताते हुए एक पक्ष रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना घाहिए कि यह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवन्ता के आधार पर निचार किया जाएगा किन्तु 20 अप्रैल. 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को कियो भी स्थिति में स्थीकार पही किया आएगा।

- u प(वनाक) **ग**र्नेः
- (क) राष्ट्रियनाः जम्मीदवार या नी--
- (1) भागत का नागरिक हो, या
- (2) भूटान की प्रजा हो, या
- (3) नेपाल की प्रजा हो, या
- (4) निव्यती शरणार्थी, जो स्थायी रूप में भारत में रहते के इरादे से । जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (5) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देण्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मालावी, जेरें और इथोपिया और वियतनाम से प्रवजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (2), (3), (4) और (5) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीववार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पान्नता प्रमाण-यन्न प्रदान किया हो।

लेकिन नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पान्नता प्रभाण-पन्न आवस्थक नहीं होगा।

जिस उम्मीदबार के लिए पालना प्रमाण-पत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस गर्त पर अमंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण-पन्न संघ लोक मेखा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

- (चा) आय, सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति:
 - (1) भारतीय सैन्य अकावमी के लिए: केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीयधार के पात हैं जिनका जन्म 2 जनतरी, 1964 से पहले का नथा 1 जनवरी, 1969 के बाद का न हो।
 - (2) नो सेना और नायु सेना अकादमी के लिए: केवल अनिवाहित पुरुष उम्मीदवार के पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1966 के पहले और 1 जनवरी, 1969 के बाद न हुआ हो।
 - (3) अधिकारी प्रशिक्षणणाला के लिए : केवल नहीं पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात हैं जिसका जन्म 2 अनकारी, 1963 के पहले और 1 जनकारी, 1969 के बाब न हुआ हो।

अयोग जन्म की यह तारीख स्थीकार करना है जी मैट्रिकुलेशन या माध्य-मिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पल या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलैटों के रिजन्टरों मे दर्ज की गई हा और यह उद्धाल विश्वविद्यालय के समृत्वित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो । विश्वविद्यालय या हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा प्रमाणपत्र । ये प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखन भाग के परिणाम घोषित हो जाने के बाद ही प्रस्तुत किए जाने अपेक्षित हैं ।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तायेज जैसे जन्म कृष्यली, शपथ पत्न, नगर निगम के मेवा अभिनेश्व मे प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाणपत्न स्वीकार नहीं किए आयोगे।

अनुदेशों के इस भाग में आये हुए ''मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न'' वाक्यांश अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिन् लित है।

कभी-कभी मैट्रिकुनेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। एसे मामलों में उम्मीदत्रारों की मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिधि के अतिरिक्त उम संस्थान के हैड मास्टर/प्रितियल में लिए गफ प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिधि भेजनी चाहिए जहां में उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उन्नीर्ण की है। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिल रिजरूर में वर्ष की गरि उनको जन्म की नारीख या बास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए?

- टिप्पणी (1) :— उम्मीवनार यह भर्गान रखें कि आयोग उम्मीवनार की जन्म की उसी लग्ने हो जो स्वीकार करेगा जो कि अविदनपन्न प्रत्नेत भर्ग ने की नार्गाय को मैड्किल्यान/उच्चनर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न या समकल परीक्षा के प्रमाण-पन्न या समकल परीक्षा के प्रमाण-पन्न में दर्ज है और इसके बाव उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न ही विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा और न उसे स्वीकार
- टिप्पणी (2) :-- उम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उतके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेण के लिए जन्म की नारीख एक बार भीवित कर लेने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिनेख में दर्ज कर लेने के बाद उसी डाक में या पराक्षा में राजस्दर्ड करने की श्रनुमनि नहीं दी जाएगी।
- (ग) मैक्षिक योग्यताएं:
 - (1) भारतीय सेना अकावभी, नौ मेना प्रकादमी भौर श्रिश्चिकोरी प्रशिक्षणशाला के लिए किसी मान्यना प्राप्त विष्यविद्यालय की डिग्रीया समकक्ष योग्यता,
 - (2) यायु सेना अकावमी के लिए—किसी मान्यता प्राप्त विश्व- किसालय से भौतिकी और/या गणित विश्व के साथ डिग्री

या समकक्ष । जिन उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री परीक्षा भौतिकी और/या गणित के अलाया अन्य विषय ऐकर उत्तीणें की है ये भी पात हैं, किन्त् भर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेन्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली जिक्षा 10 + 2 पैटर्न के अन्तर्गत $11\overline{a}/12\overline{a}$ स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणित और भौतिकी विषयों के साथ उत्तीणं की हो।

भौसेना/बायु मेना की पहली पसन्द नाथे स्नानकों को ग्रेगुएणन के प्रमाण के रूप में प्रोबिजन सिटिंकिकेट सेथा जयन वोई द्वारा परोक्षण पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्वर क्रमशः सेना मुख्यालय रिकूटिंग) (6 एस० पी०) (ई०) नौसेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर० नेक्णन)/बायु सेना मुख्यालय डाककर 3 (ए) को प्रस्तुत करना है।

- (1) भा० मे० अकादमी, नौसेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए 3 दिनम्बर, 1987 तक या उससे पहुने।
- (2) अधिकारी प्रशिक्षणमाता, मग्राम में प्रशेष के लिए 30 अप्रैल, 1988 तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यायसाधिक और तकनीकी योग्यनाएं हैं तो सरकार हारा व्यावसाधिक और तकनीकी डिग्री के लसकक्ष भान्यता— प्राप्त हों वे भी परीक्षा के लिए पास होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदयार की इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी सेयुक्त न होने पर भी जैकिक कप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यवाएं हों जिनका स्तर आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पात योग्य हो

- टिप्पणी 1—ऐसे उस्मीदवार जिन्हें डिग्री परीक्षा में अभी अहंता प्राप्त करनीं है और जिनकों संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा मैं बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेता चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है, उन्हें डिग्री उनीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और सुनियादी अहंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलस्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और असे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- टिप्पणी 2—जो उम्मीववार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाद नहीं होंगे। अगर प्रवेश विया गया तो उनकी उम्मीववारी रह की जाएगी।
- टिप्पणी 3—विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्ष सम्मिलित हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छत् महीने से कम समय बाकी हैं, उनके आवेदन पक्ष तभी लिए जाएंगे

जय वे उनके कमांडिंग अकलरों के द्वारा निर्धारित कय मैं अनुशंक्षित हों।

4 गुल्कः

परीक्षा में प्रवेण चाह्ने वाले उम्मीदियारों को भाषोग को छ० 28.00 (अट्टाईस रूपये) के मुक्त का भुगनान करना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट वैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक द्वापट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाक्षघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर के रूप में हो।

टिप्पणी (I): उम्मीदवारों को भ्रपन भ्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय बैक ट्राफ्ट की पिछली भौर ऊपर के सिरेपर अपना नाम तथा पना लिखना चाहिए। पोस्टन ग्राईर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल माईर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर ग्रपना नाम तथा पता लिखे । त्रिवेण में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित श्*रुक* भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस प्रमु-रोध के भाथ जमा करना होगा ताकि वह "051-लोक संबा ग्रायोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और धावेदनपत्न के साथ उसको रसीव लगा कर भजनी चाहिए। जिन माबेदन प्रपत्नों में इस ग्रपेक्षा की पूर्वि नहीं होगी, उन्हें एकदम अस्बीकार कर दिया आएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू न**हीं** होगा जो नीचे के पैरा के ग्राधार पर निर्धारित गुलक की छ्ट की माग करने **हैं। प्रनुसूचित जाति/** अनुपूर्वतः जनगानि के उम्मीदवारों को **गुस्क नहीं** वेना होगा।

- (11) प्रायाग यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे मकता है जब उपको इन बात का आग्यासन हो कि आवेदक भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की प्रविध में भारत में प्रवजन कर प्राया हो या भृतपूर्व पिनमी पाकिस्तान का बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 भीर 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के दौरान, भारत प्रवजन कर चुका था या वह बर्मा में यस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल को व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवजन कर छाया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः [भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 को या उनके बाद भारत में छाया था या या या साले वाला है प्रीर निर्वारित णुल्क देने की स्थित में नही है।
- ([11]) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित सुल्क दे विया है परजिता हो श्रायान ने परीक्षा में बैठने नहीं विया, उसको
 कः 15.00 (नल्बह क्षये) बापम कर विये जाएने, परम्तु
 ग्रगर कोई श्रावेदन यह सूचना प्राप्त करने पर श्रस्कोकार
 कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्रो परीक्षा में
 ग्रनुनीर्ण हुन्ना या डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण
 होने का प्रमाण निर्धारित नारीख तक प्रम्तुत नहीं
 कर पाएगा नो उसके लिए शुल्क की बापसी मंजूर
 नहीं की जाएगी।
- (IV) जो उम्मीदवार मई, 1986 अवशा अस्तुबर, 1986 में गायाजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो भौर इन परीक्षाओं के परिणाम के फ्राक्षार पर किसी, कोश

के लिए उसका नाम अनुशंक्षित हुआ हो तो उनके मामले में कु 28.00 (श्रद्ठाईन रूपये) का शुल्क वापम किया जा सकता है। पर वह जरूरी है कि मई, 1987 की मिम्मिलित रक्षा सेया परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रह कराने श्रीर शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्तूबर, 1987 तक या उससे पहुले पहुंच जाए।

उपर्यक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर प्रत्य किसी भी स्थिति में श्रायोग को भगतान किए गए मुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही गुरूक को किसी श्रन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

आवेदन कैसे करें :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को साथ में प्रकाशित प्रावेदन प्रपत्न पर मिलव, मंघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 को प्रावेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्नों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित प्रावेदन प्रपत्न का मूल रूप में उपयोग कर मकती हैं और उसके कालम प्रपत्ने हाथ में बाल पैन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्वेप साइज) पर केवल एक तरफ मफाई के साथ इवल रपेग पर टेकिन प्रावेदन प्रपत्न और उपस्थिति पत्नक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राईवेट एजेन्सियों से उपलब्ध छपे हुए अविदन प्रपत्न तथा उपस्थिति-पत्नकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि इस विजापन के साथ में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों। उम्मीदवार इस वात का इयान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित प्रावेदन प्रपत्न में आवेदस करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे सम्मिल्लत रक्षा सेवा परीक्षा के सभी प्रका पत्नों के लिए प्रवेश प्रमाणपत्न प्रौर एक ही अनु—क्रमांक से परीक्षा वे नाते उन्हें भायोग से एक से अधिक प्रवेश प्रमाण-पत्न क्यों न प्रावेद हुए हों।

जिस निकाले में धावेंदन-पत्न भेजा जाए, उस पर मोटे ग्रक्षरों में सम्मिलि^स एका सेवा परीक्षा, मई, 1987 निवा जाए।

- (क) उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन प्रपत्न के साथ निम्नलिखित प्रपत्न भेजने चाहिये।
- (i) तिर्धारित णुल्क के लिये रेलांकित बैंक हापद भारतीय पोस्टल भाईर या भारतीय मिणन की रसीद (शुल्क माफी हेतु दावे के मामलों को छोड़कर), (ii) फुलस्केप साइज पेपर का विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पक्षक जैसा 1 नवस्वर 1986 के रोजगार समाभार तथा अस्य समाचार पत्नों में प्रकाशित है), (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पास-पोर्ट भाकार (लगभग 5 में जीव 7 में अमि भी के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपन्न पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर लगी हो, (iV) एक पोस्टकार्ड अपने पने के साथ (V) र 11.5 से अमि × 27.5 में अमि श्रीकार के बिना टिकट लगे हुए तीन लिफाफे अपने पत्ने के साथ।
 - (ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि श्रावेदन प्रपत्न सरने समय भारतीय अंकों के केवल श्रन्तर्राष्ट्रीय ल्या को प्रयोग करना है, चाउँ माध्यमिक स्कृल खोड़ने के प्रमाण-पत्न या समकक्ष प्रमाणपत्न में जन्म की नारीख हिन्धी अकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह मुनिण्वित कर लें कि जो धावेदनपत्न वह प्रयोग में जाना है उसमें जन्म की नारीख भारतीय "अंकों के श्रन्तर्राष्ट्रीय व्य" में लिखी हो। ये इम बारे में विशेष मावधानी बर्ग्ने कि भावेदनप्रपद्ध में की गई प्रविष्टियां रपष्ट श्रीर मुपाट्य हों। यदि वे प्रविष्टियां पत्री नहीं जा सकती हैं या भ्रामक है तो उनके निर्मत में होने यानी भ्रान्ति या संविष्धना के लिए उम्मीदवार ही जिन्में बार होने हैं।

(ग) सभी उम्मीदिवारों को व्यप्ते धारेउन प्रपक्त आयोग की सीधे भेजने धाहिये। प्रगर किसी उम्मीदिवार ने प्रमाना प्रावेदनप्रपक्त अपने नियाक्ता के द्वारा भेजा हो शीर वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पर्जुना हो तो आवेदनप्रपत्न पर विचार नहीं किया जायेगा, भी ही वह नियावता को आवित्री तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्षित लोक उन्नमों में मेथारत हैं, उनको यह परि बचन (ग्रण्डर-टेकिंग) प्रस्मुग करना होगा कि उन्होंने विखित रूप से प्रपने कार्यालय विभाग के प्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के निये श्रानेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यात रखना चाहिये कि यदि श्रायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लियं शावेदन करने/परीक्षा में बैठकें से सम्बन्ध श्रनुमित रोकतें हुए कोई पत्न मिलता है तो उनका श्रावेदन-पत्र श्रस्त्रीकृत कर दिया जायेगा/उम्मीदवारी रष्ट कर दी जायेगी।

जो उम्मीदवार सणस्त्र सेना में सेवारत है उन्हें ग्रपने धावेदन पह ग्रपने कर्माडिंग ग्रिपकारियों के माध्यम सेप्रस्तृत करने **चाहिये, जिन्हें** वह ग्रायोग को श्रग्रेपिन करेंगे।

टिप्पणीः जिन ब्रावेदन-पन्नों के साथ निर्धारित गुरुक संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा ! के ब्रन्थर्गन गुरुक साफी के दावे को छोड़कर) या जो अध्रे या गलन भरे हुए हों, उनको एक दम अस्वीकृत कर दिया जायेगा श्रीर किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के सम्बन्ध में अभ्यावेदन या पन्न-ध्यवहार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवार को प्राप्ते प्रावेदनप्रपत्नों के साथ प्राप्त तथा शैकिक योध्यता, प्रमुस्थित जार्ति शौर प्रमुस्थित जनजाित शौर प्रमुख्य प्राप्ति का प्रमाणपल प्रस्तृत नहीं करना होगा। इगलिये वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये पालता की सभी जातें को पूरी करते हैं या नहीं। ग्रतः परीक्षा में उनका प्रवेण भी पूर्णतः धननिम होगा। यदि किसी खाद की तारीख को संस्थापन करते समय यह पता खलता है कि वे पालता की सभी शर्ते पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रह की जायेगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के शीघ बाद जिसकी 1987 के ग्रयन्त माह में घोषित किये जाने की संभावना है, सेना मुख्यालय/नौमेना मुख्यालय/वायु गेना मुख्यालय, जैसा मामला हो, को प्रस्तुत करने के निये निम्तिशिवित मूल प्रमाण-पत्नों को उनकी सस्यापित प्रतियों सहित तैयार रखें:—

- जन्म की तारीख दर्शात हुए मैदिक/उड्चनर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न प्रथवा ब्रमक समकका।
- 2. डिग्री/मनित्तम डिग्री प्रमाण-पव/अंक मृत्ती जिसमें स्पष्ट रूप भे यह दर्शाया गया हो कि डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है भीर डिग्री पाने के पान हैं।

सर्वप्रथम से० च० यो० के साक्षातकार हेतु सभी पात प्रहुँता प्राप्त उम्मीदवारों को सेवा चयन केन्द्रों को आसे हुए प्रपने मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक निद्यालय के प्रशाण-पत्न सूल रूप में से० च० यो० के साक्षातकार के लिये प्रपने साथ लाता होगा प्रस्त्या उन्हें से० च० यो० के सिक्षात्कार में प्रवेश होने की प्रनम्ति नहीं दी जायेगी। चयन केन्द्र में मूल मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्याला प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में कोई छूट की प्रनमति नहीं है।

यदि उनका कोई भी वाषा ध्रमत्य पाया जाना है तो उनके विरुद्ध ध्रायोग ग्रारा पैरा ६ के अनुसार अनुणासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

- 6 जो उम्भीदलार ग्र:सोग द्वारा निम्नौकित कदाचार का दोवी घोषित हीत है या हो चुका है:-
 - (1) किसी प्रकार से श्रपनी उम्भीदवारी का समर्थन प्राप्त करना,

भारत का राजपन्न, नवस्ब र 1, 1986

- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तृत होना, या
- (3) भ्रपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रश्त्व करना, या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किये गये प्रलेख प्रस्तृत करना, या
- (5) प्रशुद्ध या ग्रमत्य वक्तव्य वेना या महत्वपूर्ण भूचना को छिपा कर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिये ग्रपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी म्रनियमित या मनुचित लाभ उठोने का प्रयास करभा, या
- (७) परीक्षा के समय अनुभित तरीके भ्रपनाना, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर ग्रसंगत बातें लिखना जो ग्रश्लील भाषा या अभद्र आशय की हो, या
- (9) परीक्षा भवन में अपैर किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिये घायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों की परेणान करना या ग्रन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुचाना,
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमित देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के माथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना,
- (12) ऊपर खण्डों में उहिलखित मभी या किसी कवाचार को करने की कोशिय करना या करने के लिये खकसामा,

यह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्तः ---

(क) ब्रायोग की परीक्षा का उम्मीववार है उसके लिये ब्रायोग इत्तरा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

- (वा) (1) प्रायोग इत्ता अपनी किसी भी प्रणिक्ता का व्ययन के
 - (2) केन्द्र सरकार डारा उनके ग्रधीन किसी नियुक्ति के लिये
- (ग) यदि वह पहले से सरकार की सेवा में है तो उपयुक्त नियमों के श्रधीन भनुगासनिक कार्रवाई।
- (ম) स्थाई रूप सेयाक्छ निर्दिष्ट प्रविध के लिये भपवर्जित किया जासकता है, और

किन्तु भने यह है कि इस नियम के प्रधीन कोई शास्ति तब तक महीं दी जायेगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो बह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, भीर
- (2) उम्मीदबार द्वारा धनुमन समय में प्रस्तुत ग्राम्यायेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो,

उम्मीदवार को ध्यान देना चाहिये कि वे रिप्रावेदनपत्न, नियमावली, पाठ्यकम ग्रादि के लिये संघ लोक सेवा श्रायोग को न लिखें, ऊप समझाये न्ननुसार इ.स. विकापन के साथ छापे गये ग्रावेदन पन्न का प्रयोग किया जाये ।

7 प्रावेदन प्रपन्न लेने की अस्तिम तारीखः

भरा हुआ ब्रावेदन पन्न धाचश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संब लोक सेवा प्रायोग, घोतपुर हाउन, नई दिल्लो-110011 को 15 दिनस्बर्

1986 (15 विसम्बर, 1986 से पहले की किसी भारीना से असम, मेघालय, ग्ररूणाचल प्रदेण, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, क्रिपूरा, सिक्किम, जम्मु भीर कण्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, ग्रण्डमान और निकोबार द्वीप समृह या लक्षकीप श्रीर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके श्रावेदन उपर्यक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 29 दिसम्बर, 1986) तक या उसमे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाये, या स्वयं श्रायोग के काउण्टर पर श्राकर जमा करा दिया जाये। ग्रसम, मेघालय, श्ररूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागासैंड, क्रिपुरा, भिक्किम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लहास्त्र प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्जा जिले के पांगी उपमण्डल, ऋण्डमान स्रीर निकोबार द्वीपसम्ह, या लक्षद्रीप भौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है, कि वह 1.5 विसम्बर, 1986 से पहले की तारीख से असम, मेबालय, अल्लाजल प्रदेश, मिजोरम, मंणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, ऋण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप ग्रीर विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी: (\mathbf{I}) जो उपमीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले स्रावेचन की प्रस्तुति हेतु प्रतिरिक्त समय के हकदार है, उम्हें ग्रावेदन पत्र के संगी कालम में अपने पत्तों में श्रातिरिक्त समय के हक्षवार इलाके या क्षेत्र का नाम (प्रकीन् प्रान्त) मेघालय, जन्मू तथा अवसीर, राज्य का लड्डाख प्रधान) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उल्हें भ्रतिरिक्त समय कालाभ न मिले।
- टिप्पणी: (II) उम्मीववारों को सलाह दी जाती ^हहै कि वे मपने प्रावेदन पत्न संबालोक्त सेवा प्रायोग के काउस्टर पर स्त्रयं जमा मराएंया रजिस्टर्ट डाक द्वारा भेनें, प्रासीय के किसी कर्मकारी को दिए गए प्रावेदन पत्र के लिए आयोग जिस्से • दशार नहीं होगा।

निर्धारित नारीकाको बाव प्राप्त होने वाने किसी भी **प्रावेदन प**र जिचार नहीं किया जाएगा।

मायोग/सेना/नौसेना/वासु सेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्तिलिखित मामलों को छोड़कर स्नायोग अन्य किती भी मानने में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

- (i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेवनपत्र, जिसमें देर से प्राप्त भावेदनपत्र भी सम्मिलित हैं, की पावती दी आती है निया भावेदन-पत्न की पूँचाप्ति के प्रतीत के रूप में उस्मीददार को प्रेश देद र पत्री-करण संख्या जारी की जाती है इस नथ्यं का कि उम्मीददार को म्रावेदनवंजीकरण संख्या जारी कर दी गयी है, प्रश्ते मान यह मन सच नहीं है कि आवेदनपत्र सभी प्रकार, पूर्ण है आयोग द्वारा और स्वीकार कर लिया गया है।
 - यदि परीक्षा से संबंधित आवेदनप्रपत्नों की प्राप्ति की पाखिरी तारीख से पूँक महीने के भीतर उम्मीदशर को अरा प्रतिका पन की पावतीन मिलेनो उसे पावती प्राप्त करो के तेर आयोगसे तत्काल सम्पर्ककरना चाहिए।
- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके शावेदनपत्र के परि-णाम की सूचना ययाशीन्न दे दी जाएगी, सिन्तु यह गैरही कहा जा सकता है कि स्रावेदनपत्र का परिणाम कब सूचित किया जाएगा । यदि परीक्षा के गुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदबार को प्रपते आवेषन पत्र के परिणाम के बारे में संघ सोक

सेवा आयोगं से सूनना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग, से तस्काल सम्पर्कस्थापित करना वाहिए। यदि उम्मीदवारने ऐसा नहीं किया तो वह आपने मामले में विचार किए जाने के वाबे से बंचित हो जाएगा।

(iii) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रदेश दे दिया जाता है उनको प्रनुक्षमांक निर्विष्ट करते हुए प्रयेग प्रमाण पत्र जारी कर दिया जायेगा श्रीर उपमें निर्विष्ट-प्रनुक्षमांक वही होगा जो उम्मीदवारों की पावती कार्ड द्वारा पहले मूचिन प्रावेदन पंजो करण संख्या है। किसी भी उम्मीदवार को उन्त परीक्षा में प्रयेग नव नक नहीं दिया जायेगा जब नक उपने पास उन्त परीक्षा का प्रयेग प्रमाण-पन्न नहीं है।

किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में तक तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश-प्रसाण-पत्न न हो। केवल इस सच्य का कि किसी उम्मीदवार को उका परीक्षा के लिए प्रवेश प्रसाणपत्न जारी कर दिया गया है, यह प्रयं नहीं होगा कि प्रायोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी भिन्तम क्य से ठीक मान ली गई हैं या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के भावेदत-पत्न में की गई प्रविष्टियों आयोग द्वारा मही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखिन पर क्या के परिणाम के आधार पर ध्यक्तित्व परीक्षण हेनु साक्षारकार के लिए आहेता प्राप्त कर लेने के बा द ही उनकी पानता की गतौं का मूल प्रलेखों से संस्थापन का मामला उठाता है, आयोग द्वारा भीप-चारिक रूप से उम्मीदवारों की पुष्टि कर विए जाने तक उम्मीदवारों अनित्तम रहेंगी।

- (iv) उम्मीक्षार उक्त परीक्षा में प्रवेण का पात्र है या नही है इस वारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।
- (v) उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाणपत में कही-कही नाम तक-नीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।
- (vi) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था अवश्य कर लेती चाहिए कि उसके आवेदन पत में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत कि कि माव-स्पक होने पर उसकी वदले हुए पते पर मिन जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उनका सूबना यथा शीझ वी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर अपान वेने का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्थीकार नही कर सकता।

महत्वपूर्ण: प्रावेदनं के सम्बन्ध में सभी पन्न-व्यवहारसचिव, संघ लोक सेवा भाषोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए भीर उसमें निम्नलिखित विवरण प्रवश्य होना चाहिए --

- 1. परीक्षाकामाम ।
- 2. परीक्षा का वर्ष और महीता
- मावेदन पंजीकरण संख्या/रोल सम्बर थ। जन्म की तारीख (प्रगर शिवेदन पंजीकरण, संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो।)
- 4. उम्भीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
- 5. पन्न-ज्यवहार का पता, जैसा झावेदन-पत्र में दिया है।

विशेष ध्यान: (1) जिन पत्नों में ऊपर का क्यीरा नहीं होगा, हो मकता है, उन परकोई कार्रवाईन हो।

> (2) यदि कियो परीक्षाकी समाप्ति के बाद किसी उम्मीद-चारको पत्न/पत्निवि प्राप्त होता है या इपने उसका

- पूरा नाम भीर अनुकर्माक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- (3) सेवा चयन बोर्ड के साक्षास्कार के लिए प्रायोग द्वारा प्रण्णितित उम्मीदनारों ने प्रगर परीक्षा के लिए प्रावेदन करने के बाद, प्रवना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखिन भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही प्रवना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बात तिकृष्टिंग 6 (एम० पी०) (१०) वेट उक्ताक 3 द्वितीय तत, विंग-1, रामा करगापुरम, नई दिल्ली-110066 को सृष्तित कर देना चाहिए। जो उम्मीदनार इन प्रतुदेणों का पालन नहीं करेगा यह मेवा चयत बोर्ड के साक्षारकार के लिए सम्मत-नद्ग न मिनने पर प्राने मामले में विचार किए जाने के दावे मे बंचिन हो जाएगा।

जिन उम्मीदियारों के नाम मेका नयन बीई के माक्षारकार के लिए अनुशंसित है उनको अपने साक्षारकार के सम्बन्ध में सभी पूळगाळ और अनुशंसित है उनको अपने साक्षारकार के सम्बन्ध में सभी पूळगाळ और अनुशंध सीधे, मेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिक्टिंग 6 (एस० पी०), (६०), वेस्ट ब्लाक 3, द्वितीय लल, विग-1, रामाळणापुरम, नई दिल्ली-110066 और वायुगेना उम्मीदिवारों के लिएपी० भ्रो० 3 (ए)/ वायुगेना मुख्यालय,विग-7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लाक नं० 9, रामाळणापुरम, नई दिल्ली-110066 के पने पर लिखने चाहिए।

उम्मीदनार को साक्षात्कार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्न द्वारा सूजित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेनू रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थानन करने से सम्बद अनुरोध पर केशन यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/ वायु सेना मुख्यालय रहेगा।

विशेष ध्यान — प्रवि किसी उम्मीदनार को भारतीय सैन्य अकादमी अक्टूबर, 1987 के पहले हुएने तक और अधिकारी प्रशिक्षणगाला हेन् अप्रैन 1987 तक सेना चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार पत्र प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (६०), द्वितीय सल, वेस्ट ब्लाक 3, रामाकृष्णापुरम, नई विल्ली-110066 को साक्षात्कार पत्र म सिलने के बारे में लिखना चाहिए।

(vii) मूल प्रमाण पत्नों का प्रस्तिकरण :--सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हना प्राप्त करने वाले उम्मीदिवारों में से आई० एम० ए०/ एस० एस० सी० (एन० टी०), प्रथम विकल्प, वाले उम्मीदिवारों के मामले में मेना मुख्यालय/मर्नी 6 (एस० पी०), (ई) नई विन्ली-110066 को लया नौ मेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदिवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एन्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को या वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदिवारों के मामले में नौ सेना वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदिवारों के मामले में पी० ओ० 3(ए) वायुसेना मुख्यालय, विग 7, प्रथम तन, वेस्ट बनाक नं० 6, रामाक्रुटणापुरम, नई दिल्ली-110066 को अपनी शैक्षणिक योग्यनामों आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्नों की दो सत्यापित प्रतियों महिन,सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार परीक्षण के पूरा होने के दो मन्दाह के अन्दर और 31 दिनम्बर, 1987 [एन० एस० सी० (एन० टी०) के मामलों में 30 अप्रैन, 1988 से पहले प्रस्तुन करने होंगे] उक्त प्रमाण-पत्नों की सत्य अनुप्रमाणित प्रतिलिपियों या फोटोस्टेट, प्रतियां किमी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की आएंगी।

जो उम्मीदिवार मेत्रा चयत बोर्ड के साझात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लोगे हैं, उन्हें मेत्रा चयत बोर्ड के साझात्कार के समय अपनी आयु के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्र प्रश्तुत करने होंगे। 9. लिश्वित परीक्षा के परिणास की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवार का साक्षारकार, अन्तिम परिणास की घोषणा और अन्तिम का से ग्रेप्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रणिक्षण कोर्स में प्रवेण ——

संघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा में निष्यित परीक्षा, के लिए निर्धारित स्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अहेंता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड] के सामने उपस्थित होंगे।

जो उम्मीवनार आई० एम० ए० (डी० ई०) कोर्म और/या नी सेना (एस० ई०),कोर्म और/या वायु मेना अकादमी कोर्म को लिखन परीक्षा में अहुंता प्राप्त करते हैं, जाहे वे एम० एम० सी० (एन० टी०), कोर्म के लिए अहुंता प्राप्त करते हैं या नहीं उनकी मितम्बर/अक्टबर, 1987 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षण के लिए भेजा जायेगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०), कोर्स, के लिए अहुंता प्राप्त करते हैं, उनको विसम्बर, 1987/जनवरी, 1988 में मेवा जयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिय पर वहां परीक्षणों में शामिल होंगे, और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है, उनके दौरान या उसके फलस्करूप, अगर उनको कोई बंहर पहुँचती है, तो उनके लिए सरकार की ओर से कोई शिनार्शित की सहायना पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापस्वाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवारों को आवेदन पत्न के साथ संलग्न प्रपन्न में इस आशय के एक प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग त्यूनमम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग हारा निर्णय के अनुपार निश्चित किसे जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० वोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग हारा निर्णय के अनुपार निश्चित किसे जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० वोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुन अंकों के आधार पर उम्मीद-वारों को योग्यता क्रम में रखा जायेगा। अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात कानिर्णय आयोग अपने आय करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों के होई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मान्न से भारतीय सेता अकादमी को सेता अकादमी पांअधिकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा । अन्तिम—जयन शारीरिक कमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के प्रतिरिक्त उपतब्ध रिक्तियों की संख्या की दृष्टि में रखने हुए योग्यता के क्रत से किया जायेगा।

दिप्पणी:—नायु सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मोदनार की पायलट सम्बन्धी अभिरूचि का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। कतः पहले परीक्षण में उसने जो ग्रेड प्राप्त किया है, उसकी बायू सेना चयन बोर्ड में लिये जाने वाले बाद के प्रत्येक साक्षान्कार में स्वीकार किया जायेगा। जो उम्मीदवार पायलट सम्बन्धी अभिरुचि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है, वह भारतीय वायु सेना की (एक० पी०) शाखा नौसेना विमानन हेतु प्रवेण के लिये आवेदन नहीं कर सकता।

10. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिये अर्हतायें :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय मेना अकादमी, वापु सेना उड्डयन महा-विद्यालय, नी सेना अकादमी, कोबीन, और अधिकारी प्रशिक्षणणाला महाा में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासिक आधार पर वहां से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अक इनी, वापु सेना अकादमी या यल सेना अकादमी में अध्यक्षलीन सेना कथीणन में प्रवेश देने की बान पर विवार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी से ओक्षित लक्षणों के अमात्र के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी से वायम किया गया हो उनही ारंतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। जिन उम्मीदनारों को स्पेशल एष्ट्री नेयल कैंडेट्स के रूप में पहले जुन लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेता अतिष्ठानों से वापम किया हो वे भारतीय नौ सेता में प्रवेश के पान्न नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारों में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय मेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणणाला, एन०सी० सी० तथा स्नातक कोर्स से बायम लिया गया हो उनके बारे में थल सेना में अस्यकालिक सेवा कमीणन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्तानक कोर्स से पहले वापम किया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेण नही दिया जायेगा।

- 11. भारतीय मेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रिशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :---भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के कोर्स के उम्मीजवारों की इसंबात का परिवचन देना है कि जब तक उनका भारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे णादी नहीं करेंगे । जो उम्मीजवार अपने आवेदन की नारीख के बाद शादी कर लेना है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा चाहे यह इस परीक्षा में या अगली किस परीक्षा में भने ही सफल हो । जो उम्मीजवार प्रणिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापिस भेजा जायेगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया यह सब उसमें वसूल किया जायेगा। अल्प्नक्षिक सेवा कमीणन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीवयार हैं :---
 - (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली ही जिनकी पहले से कोई स्रापित पति/पहनी है या थी।
 - (ख) जिसने पहले से जीवन पति/पन्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति मे शादी की हो या शादी के निवे में/वेदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्राप्त का पास्न नहीं होगा।

परम्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुब्द हो कि इस तरह की शाबी ऐसे व्यक्तितयों के लिये धरीर णादी की वूसरी तरफ के व्यक्तितयों कि लिये लागू व्यक्तिगत कातून के अनुसार अनुसादनीय है और ऐसा करने के अन्य टोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को बहु इस नियस के अनुसालन में छुट दे सकती है।

12. भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिज्ञन्य :— भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीववार किसी दूसरे कमीणन के लिये विवार योग्य नहीं होंगें। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनके और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने को अनुमित नहीं वी जायेगीं।

जो उम्मीदवार भारतीय सैना अकादमी/ नो सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी से स्याग पन्न देने हैं उन्हें उनको योग्यना के आधार पर अधि-कारी प्रशिक्षण णाला में जेने हेतु दिचार किया जा सकता है बशते कि उस कोर्स विशेष में स्थान खालीं हो।

13. सँघ लोक सेवा आयोग ने "मंघ लोक सेवा आयोग की वस्तु परक परीक्षाओं हेतू उम्मीदवार विधरणिकां शीर्षक से एक समूत्य पुस्सिका छापी है। यह इस उद्देश्य से छारी गई है जिममें मं० लो० से० आ० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियन्नक सिविल लाइन्स, देहली—110054 के पास बिकी के लिये मुलभ है और इसे उनसे सीधे मेन आई र हारा ब्राया नकव भगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान

पर (1) किलाब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पॅरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खाइक सिंह मार्ग, नई दिल्ली--110001 और (2) जनोग भवन, नई दिल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा की बिकी **फाउन्टर भ्रोर** (3) गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा मकता है। मैनुअल भारत सरकार के प्रकाणनों के विभिन्न मुफस्मिल शहरों में स्थित ऐप्जेंटों से भी उपलब्ध है।

14. उम्मीदवार को अपना आवेदनगत प्रस्तृत कर देने बाद उम्मीद-बारी बापम लेने से संबद्ध उसके किसी भी अन्रोध को किसी भी परिच स्थिति में स्वीकार नहीं किया आएगा।

> एम० के० कृष्णन, उप मचित्र, संघ लाक सेवा आयोग

परिशिष्ट--- 1

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठय विवरण)

1. परीक्षा की योजना

- प्रतियोगिता परीक्षा में निस्तिलिखित सम्मिलित होगा :→-
- (क) नीचे के पैरा 2 में निवंब्द रोति से तिरिवा परीक्षा,
- (ख) उन उम्मीदबारों का बृद्धि और अफिनगत गीलग (इन गोर-शिष्ट के भाग व्याके अनुसार) के नियं साक्षाकार जिल्हें किनी भी एक सर्विमेज शलेक्शन सेन्टर में साक्षात्कार के तिये ब्राया
- 2. लिखिन परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय भीर प्रत्येक विषय के नियन अधिकतम अंक निम्नलिखित होंमें :--

(क) भारतीय सेना अकावमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1: अग्रेजी	. 2 ঘণ্ট	100
2. सामान्य ज्ञान .	. 2 ঘণ্ট	100
 प्रारम्भिक गणित 	. 🤉 घण्टे	100

(खा) नौ सेना अकावमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक	
अनिवार्य ।		•	
 1. अंग्रेजी .	. 2 ঘণ্ট	100	
*2. सामान्य ज्ञान . वैकल्पिक	. 2 घण्टे	100	
 *3. प्रारम्भिक गणित या			
प्रारम्भिक भौतिकी	2 घण्टे	100	
*4. गणित या भौतिकी	2 घण्डे	150	

*जो जम्मीदवार प्रारम्भिक गौणत लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रधन-पक्ष में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश के लिये

विषय	 	अवधि	अधिकतम ग्रंत
1. अंग्रेजी 2. सामान्य ज्ञान	•	2 धण्टे 2 घण्टे	100 100

(य) वायु सेना अकादमी में प्रवेण के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
 अंग्रेजी सामान्य ज्ञान प्रारम्भिक गणित 	, 2 घण्टे , 2 घण्टे , 2 घण्टे	100 100 100

लिखित परीक्षा और माक्षारकार के निये जो अधिकतम अंक मियल किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, अकपर ट्रेनिंग स्फूल, और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिये लिखित गरीका और साक्षारकार के लिये नियन अधिकनम अंक कमपा: 300, 150 और 200 और 300 होंगे।

सभी विषयों के प्रश्न-पत्नों में केवल बस्तुपरक प्रश्न ही होंगे, प्रश्न-पन्न (परीक्षण पुस्तिकाएं) केवल **अग्रे**जी में **तैयार किए जाएंगे। उम्मीत-**वारों को प्रवेश प्रमाण-पत्नों के साथ उम्मीदवार सूचना विवरणिका **धी** जाएंगी जिसमें नमूना प्रश्न-पत्नो सहित बस्तुपरक प्रकार के परीक्षण का पूरा व्योरा णामिल होगा।

- प्रग्न-पक्षों भे अहां भी स्नायप्यक होगा केवल तील ग्रीर माप की मीटरी गद्धति से सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।
- उम्मीदवारों को प्रथन-पत्नों के उत्तर भ्रपने हाथ से लिखने चाहिये। किसी भी दशा में उन्हें प्रण्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वासे की महायता मुलभ नहीं की जायेगी।
- 6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के प्रार्टक अंकों का निर्धारण ग्रायोग की वियक्षा पर है।
- 7. उम्मीदवारीं को वस्तुपरक प्रश्न-पत्नीं (प्रश्न पुस्तिकामी) के उत्तर देने के लिये कैलकुलेटर का प्रयोग करने की ग्रमुमिस नहीं है। ग्रन, वे उमे परीक्षा भवन में न लायें।

ख परीक्षा का स्तर ग्रीर पाठय विवरण

स्तर

प्रारम्भिक गणित के प्रक्र-पत्नों का स्तर मैदि कुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रक्त⊸पत्नों का स्वर उच्चतर मा**ध्यमिक** परीक्षा जैमा होगा।

ग्रन्थ थियथों में प्रस्त–पन्नों का स्तर लगभग व**ही होगा जिसकी किसी**र भारतीय विश्वत्रिद्यातय के स्तातक से अभेक्षा की जा सकती है। इन में में किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

श्रंग्रेजी (काइ सं० ७1)

प्रण्न-पक्ष इस प्रकार का होगा कि जिससे उम्मीदबार की मग्रेजी और श्रंप्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

नामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

समान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनात्रों ग्रौर दिन-प्रतिदिन देखों ग्रार प्रतुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामले के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से भ्रपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष श्रध्ययन न किया हो। प्रश्न पन्न में भारत के इतिहास भीर भूगील से संबंधित ऐसे प्रश्न भी हों जिनका उत्तर उम्मीदवार को उन विषयों का विशेष ग्रध्ययन किये बिना देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

भ्रांक गणित

संख्या पद्धतियाः — धनपूर्ण संख्याये, पूर्णाक, परिभेय घौर वास्तविक संक्रियायें, मूल संक्रियायें — जोड़, बटाना, गुणन घौर विभाजन, वर्ग मूल, वशमलव भिन्न।

प्रिक विधि:—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिपातना, साधा-रण तथा चक्रवृद्धि व्याज में भ्रनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात भीर समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :— विभाजन की कलन विधि ग्रभाज्य भौर भाज्य सक्यायें, 2, 3 4, 5, 9 ग्रीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण ग्रपवर्तत्य ग्रीर गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/मह्नम समापवर्तक तथा लयुक्तम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

भाधार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघु-गणकीय मार-णियों का प्रयोग।

बीज गणिन

प्राधारभूत संक्रियाये: साधारण गुणन खण्ड । शेष फल प्रमेय, ब्रहुपदों का महत्तम समापवर्तक भीर लघुत्तम समापवर्त्य सिद्धातः। द्विष्ठ समीकरणों का हल इसके मूलों श्रीर गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। वो स्रजात राशियों में युगपन रेखिक समीकरण-विश्लेषण भीर ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपन रेखिक स्रमितिकारों भीर उनके हल प्रायोगिक प्रशन जिनसे वो चरों में वा युगपन, रेखिक समीकरण या श्रमिमिकारों बनती है या एक चर में विवधात, समीकरण तथा उनके हल, रामुच्चय भाषा तथा समुख्यय अंकन पद्धति, परिमेय व्यक्तक तथा प्रतिबन्ध तस्समक धातांक नियम।

त्रिकोणमिति

ज्या X कोटिज्या X स्पर्श रेखा X जब $0^{\circ} \angle X \angle 90^{\circ}$ ज्या X कोटिज्या, X स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि $X=0^{\circ}$, 30° , 45° , 60° मोर 90° , सरल तिकोणिमतीय तस्मक ।

क्षिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

कंचाइयों भीर दूरियों के सरल कोण।

ज्योमिति

रेखा और कोण, समतल ग्रीर समतल ग्राकृति : निम्निसिखित पर अमेय :— (1) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (2) समांतर रेखाएं, (3) किसी लिभुज की भुजाये ग्रीर कोण, (4) निभुज की सबंगभमता समरूप लिभुज, साध्यिकाशों ग्रीर शीर्ष लम्बों का सगमन, (7) समान्तर पत्भुंजों, ग्रायत ग्रीर वर्ग के कोणों भुजाओं के विकल्पों के गुण धर्म, (8) वृत्त ग्रीर उनके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा भ्रभिलम्ब भी ग्रामिल हैं, (9) स्पानिल संयक।

विस्तार कलन:

वर्गों, श्रायतों, समानतिर चतुर्भुजों, त्रिभूजों भ्रीर धृत्तो के क्षेत्रफल। जन भ्राकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्र वहीं) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भ्रायतन लम्ब वृत्तीय कं भ्रीर बेलनीं का पार्ये-पुठाय तथा भ्रायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भ्रायतन।

सोक्सिकी:

मांख्यिकी तथ्यो का संग्रहण तथा सारणीयन। ब्रालेखी निक्ष्पण बारम्बारमा बहुभुज श्रायत चिल्ल गलाका चार्ट, पाई पार्ट ग्राधि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माब रेक्सओं के बीच कोण।

गणित (कोड सं० 04)

1. बीज गणित:

समुज्ययी का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोध, युक्त फलन, तुल्यना, सम्बन्ध-प्ररिमेयसूचकांक के लिये द मोवियर का प्रेमेय और उसका सरल धनुप्रयोग।

2. मेद्रिसेस:

मेट्रिमेम की बीजिकिया, सारणिक सारणियों के सरल गुण, मारणिकों के गुणनफल, सह खण्ड प्राध्यूह; मेट्रिसेसों का प्रति लोभन, मैट्रिक्स की जाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिये मेट्रिसेस का अमुप्रयोग (तीन अज्ञान संख्याओं में)।

3 विश्लेषिक ज्यामिती:

द्वित्तिम की विण्लेषिक ज्यामिति, गरन रेखाये, सरल रेखाभ्रों की जोड़ी, बुन निकाय, परिकाय, वीर्घवृत ध्रतिपरिकाय (मुख्य भ्रंशों के सन्दर्भ में) द्वितीय श्रंण समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्ध रेखायें भ्रीर श्रमिलम्ब।

ब्रिविम की विक्लेषिक ज्यामिती:

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्लीय निवेशक)।

4. कलन (केलकुलस) श्रीर विभिन्न समीकरण:

श्रवकल गणितः सीमांत की संकर्ष्यना, वास्तविक पर फलन का सातत्व ग्रीर श्रवकलिनयना, मानक फलन का भ्रवकलन, उत्तरीत्तर श्रवकलन रोल का प्रेमेय । मध्यान प्रेमेय मैक्लारिन और टेलर सीरिज (प्रमाण श्रावक्ष्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिसय । सूचकांकों के लिये विपद्मसरण चर्घातांकों प्रसरण, लघुगुणकीय विकोण विसीय और भ्रति-परिकलिक फलन । श्रनिश्चरित रूप । एकल चर फलन का उन्विष्ट श्रीर श्रितिक रूप । एकल चर फलन का उन्विष्ट श्रीर श्रितिक रूप । एकल चर फलन का उन्विष्ट श्रीर श्रितिक रूप स्वार्थे । श्री स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे निर्वेणां के असे ज्यामितीय श्रनुप्रयोग । एनक्लेप श्रांणिक श्रवकलन । समांगी फलनों के सम्बन्धित श्रायलर प्रेमेय ।

समाकलन गणितः समाकलन की मानक प्रणाली । सतत फलन के निश्चित समाकलन की रीमान-परिभाषा । समाकलन गणित का हल निकालना । नियम्भ, गृणांक के माच्छ द्वितीय और उप बनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल । संध्यात्मक समाकलन के बारे में मिम्परमन का नियम ।

ग्रवकल समीकरण प्रथम कोटि के मानक ग्रवकल समीकरण का हल निकासना। निगम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चेतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकालना। बुद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल ग्रनुप्रयोग, सरल हारमोनिक क्यांतरण । माधारण पेन्डलम भीर समीविश।

यांत्रिक (बेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है) ।

िश्वित विज्ञान: ममननीय तथा सगामी बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तत्थों के गुरुत्व केंन्द्र। स्थैतिक वर्षण, साम्य ग भीर सीमांत वर्ष प्रापर्षण कोण। रूक्षचानन समतन पर ऋण के वस्था करियत काय (दी प्रायामों में)।

गृति विज्ञान: शुद्ध और विज्ञान ऋण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, श्रापेक्षिक वेग। निरन्तर त्वरण की श्रवस्था में सीधी रेखा की गृति। त्यूटन गृति सम्बन्धी सिद्धान्त। केन्द्र कक्ष। मरल प्रमुवदा गृति (नित्रात में) गुरूयावस्था में गृति। श्रावेग कार्य श्रीर ऊर्जा रेखि संवेग श्रीर ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तल गृति।

 सोख्यिकी प्राथमिकता : प्राथमिकता की गास्त्रीय और सांख्यकीय परिभाषा, चयत्मक प्रणाजी की प्राथमिकता का परिकलन, योग एवं गुणन प्रेमेय, अप्रतिबन्ध प्राधिकता । याद्धिक चर (धिविक्त और अविरत) घनस्व, फलन, गणितीय प्रत्याणा।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण वेषमय सीमांत रूप सरल प्रनुप्रयोग । प्वांसीं वितरण परिभाषा मध्य भ्रौर प्रसरण योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में प्यांसों बटन का समजन। सामान्य वितरण, सरस समानपान और सरल अनु-प्रयोग, उपलब्ध, प्रांकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य घहन का समजन।

विवचर वितरण: यह सम्बन्ध दो चरों का रेखिक समाश्रवण, सीधी रेखा का समंजन, परिवलियक भ्रौर चल बातांकी, बक, सह सम्बन्धित गुणांक के गुणा

सरल प्रतिवर्श विनरण ग्रीर परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, याद्धिकक प्रतिदर्श (साह्यिकी प्रतिदर्श बंटन और मानक वृटि) प्रर्थवता के परीक्षण में प्रमामान्य टी० सी० एच० ग्राई० (CHI₂) श्रीर एफ०का सरल वितरण।

टिप्पणी :--- उम्मीदवारों को दो विषयो---सं० 5 यांबिकी भ्रौर सं० 6 माख्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नो के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

प्रारम्भिक भौतिकी (कोड संब 05)

- (क) विस्तार कलपन:--मान्नन के मापक, सी० जी० एन० भौर एम० के ० एस० मात्रका । श्रादेण भीर संदिशा । बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन । एक समामुखरण । एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गिता न्यूटन का गित नियम। बल की संकल्पन बल के मान्नक। माना
- (खा) पिण्ड का बल विकान :---गुरुत्व के अधीन/समानान्तरण बल। गुरुस्य केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मणीन/वेग अनुपान आनत समतल/पेच भ्रौर गियर सहित विभिन्त साधारण मशीने/घर्षण, वर्षण' कोण, घर्षण, गुणांकं कार्य णिक्त भ्रौर ऊर्जा/क्षितिज और गतिज ऊर्जा।
- (ग) तरल गुणधर्म :---दाब श्रीर प्रमोद/पास्कल का नियम। मार्किमडीज का नियम । घनत्य और विशिष्ट गुरुत्व पिण्डों और द्रथ्यों के विभिष्ट गुरुखों को निर्धारित करने के लिये ग्रार्कमिडीज के नियम का श्रनुप्रयोग । प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन । बोली नियम/वायु पम्प ।
- (घ) ताप:—पिंडों का रेखिक विस्तार ग्रीर द्रव्यों का बनाकार विस्तार । क्रव्यों का वास्तविक तथा ग्राभासी विस्तार । दुचारस नियम परम गुन्य बायल ग्रीर चार्ल्स नियम पिण्डों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप कलीरीमिन/ताप का संचरण, घात्यों की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन । संलयन ग्रौर वाष्पन की गुप्त उष्मा । एस० बी० बी० पी० मत्री (भार्द्रता श्रोसांक अपेक्षित भार्दता।)
- (डा) प्रकाश :——ऋगुरेखीय संचरणा परिवर्तन के नियम गोलीय धर्पण भ्र**पवर्तन** के नियम, लेन्स प्रकाशित यंत्र कैमरा प्रक्षेपित, पारापार जिन्नदर्शी दूरशीन, सूक्ष्मदर्शी, पाइनीक्यूलर तथा परिवर्शी, प्रिज्म, प्रकीण के माध्यम से श्रपवर्तन।
- (च) ध्वनि :---ध्वनि संचरण, ध्वनि परिवर्तन, धनुनाद/ध्वनि, वामी फोन का ग्रभिलेखन।
- (छ) चुम्बकस्य तथा विद्युतः चुम्बकत्य के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र, भुम्बकीय बल रेखाएं पाणिक भुम्बकत्व। भालक भौर रोधी श्रोमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्म्व में प्रतिरोधक । विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव । चुम्बकीय क्षेत्र में संबाहकता । फर्लामग का बाम हस्तनियम । मापक यंत्र पारामापी एमीटर, बोस्ट/मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का

रासायनिक प्रभाव, विद्युत लेपन, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फरोडे नियम, बेसिक ए० डी० नथा डी० सी० जनिहा।

24799

भौतिकी (कोड सं० ०८)

। पदार्थ के सामान्य गुण और यांक्षिकी:

यूनिटें और विभागें, स्केलर और वेक्टर मान्नाये, उड़त्व, धाद्दर्ण, कार्ये ऊर्जा भीर संबर्ग । यांब्रिकी के मल नियम, घणौँ गति, गरूरवाकर्षण सरल आवर्त गति, सरल श्रीर ग्रसरल लोलक, प्रत्यास्थता प्रष्ठ तनाव, द्रव की गयानता, रोटरी पम्प।

2. ध्वनि ।

अवसंदित, प्रणोदित भ्रौर मुक्त कम्पन, तरंग गति, डाप्लर, प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब तापमान झौर/झाईतर का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियां और गैस स्तम्भों का कम्पन, श्रन्नाद विस्पंद स्थिर तरंगे। ध्वति का प्रावृत्ति वेग का तीव्रता। पराश्रव्य के मुल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज श्रौर लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धान्त ।

उप्मा और गतिविक्षान ।

नापमान भ्रौर उसका मापन : तापीय प्रसार, गॅमों में समतापी सथा प्रदीप्त परिवर्तन । विभिष्ट ऊष्मा श्रीर ऊष्मा फलकला, द्रष्य के सनगति सिद्धांत के तत्व, बोल्मगन के वितरण निम्न का भौतिक बोध, पांवरपाल का अवस्था समीकरण, सम बाम्पसन, प्रभाव गैसों का द्रवण, ऊष्मा ईंधन, कार्नोटप्रमेय, उष्मागति विस्तार के नियम **भौ**र उनका सरल श्र**नु⊸** प्रयोग । कृष्णिया विकिथ्ण ।

4 प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल भीर गोलीय पड्डों पर प्रकाश का परिवर्तन और श्रपवर्तन । प्रकाशीय प्रतिबिस्बों में गोलीय भौर वर्णिक दोष और उनका विनायरण । नेत्र ग्रीर ग्रन्य प्रकाशित यंक्र प्रकाण का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण ।

विद्युत भीर चुम्बकत्य

विद्युत क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के विद्युत और पुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसस, चुम्बकीशीलना और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से जरुपन्न चुम्बकीय क्षेत्र, मुनिंग मेंग्नेट एण्ड मुनिंग क्वाइल गलवेको मीटर: द्वारा ग्रीर प्रतिरोध का भापन; रिएफ्टिय सकिट, एलिमेन्टस के गुण ग्रीर धर्म ग्रीर उसका निवारण, नाप विद्युत प्रभाव, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण प्रत्यावर्सी धाराओं का उत्पादन ट्रांसफार्सर ग्रीर मोटर इलैक्ट्रानिक वास्व और उनका सरेल भ्रनुप्रयोग ।

आधुनिक भौतिकी

बार के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रीस गैमों द्वारा विद्यात का विसर्जन, कथोडर । रेडियो एक्टिवता, कृतिम रेडियो ऐक्टिवता भ्राइसोरोप विखण्डन भ्रोर संलयन की प्रारम्भिक धारणा।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों को बनियादी वृद्धि की जांच करने के लिये साक्षारकार के प्रतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बृद्धि परीक्षा ली जायेगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जायेंगे, जैसे ग्रुप परिचर्या, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप, कार्यकलाप तथा उन्हें निर्विष्ट विषयों पर मंक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहा जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेधा शक्ति की जांच के लिये हैं।मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गणों की जांच के लिये है प्रपिन् इसये उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

	प	रिणिष्ट II	
सम्मिलित रक्षा सेवा पर	ोक्षा के	ुलिये जम्मीदवारों	के शारीरिक मानक
			मानकों <i>के</i> श्रनुसार
गरीरिक रूप में स्वस्य हो	ना भावा	स्यकं है स्वस्थता सम	बन्धी माधक नीचे दिये
जाते हैं।			

बहुत से भहेता प्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के माधार पर श्रस्थोक्कत कर दिये जाते हैं। भ्रतः उम्मीदवारों को उनके भ्रपने हित में सलाह दी जाती है कि वे भ्रान्तम भ्रवस्था पर निरामा से बचने के लिये भ्रावेदन-पन्न भेजने से पहले भ्रपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

- 1 सेवाचयन बोर्ड बारा अनुगंमित उम्मीदवार की सेना के चिकित्सा प्रिक्षिकारियों के बोर्ड ढारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। प्रकादमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेण विया जायेगा जोकि चिकित्सा बोर्ड ढारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है। जिसे किभी को नहीं दिखाया जायेगा। किन्तु अयोग्य अस्थाई रूप से अयोग्य बोधित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष ढारा दे दी जायेगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड में अपील का अनुरोध यरने की प्रक्रिया भी बता वी जाएगी। उम्मीदवारों के लिये नीचे संक्षिप्त रूप में दिये गये निर्धारित गारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है:—
 - (क) उम्मीदवार का भारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिये तथा उन्हें ऐसी बीमारी अशक्तता से मुक्त होना चाहिये जिससे उनके कुशनतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
 - (खा) उन में क्रमजोर भारीरिक गठन वैहिक दोष की स्थूलता नहीं होनी चाहिए।
 - (ग) कद कम से कम 157.5 सेंश्मी० (नौ सेना के लिए 157 सेंश्मी० तथा वायुं सेना के लिए 162.5 सेंश्मी०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रवेशों, गढ़वाल तथा कुमायुं के व्यक्तियों का 5 सेंश्मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में स्यूनतम कद में 2 सेंश्मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है।

कद ग्रीर वजन में मानक नीचे दिये जाते हैं:— कद ग्रीर वजन के मानक

सेंटी मीटरों में कद			किलोग्राम *-	में वजन		
(धिना	जूता)			18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
1				2	3	4
152				44	46	47
155				46	48	4.9
157				47	49	5 (
160				48	50	5 1
162				50	52	53
165				52	53	5 5
168				53	55	57
170				55	57	5 8
173				57	59	60
175				59	61	62
178				61	62	63
180			•	63	64	65
183				65	67	67
185				67	69	70

1			2	3	4
188		,	70	71	72
190			72	73	74
193			74	76	77
195	,		77	78	78

उपर्युक्त मारणी में दिए गए औसत वजन क + 10% (नौ सेना के लिए वजन मामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हिट्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ ध्यक्तियों के मामले में ग्रुणवक्ता के ब्राधार पर इसमें कुछ छूट दी जा मकती है।

- (र्ष) छाती भर्ला प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूननम फैलाब 5 में० मी० होना चाहिए माप इस नरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने सूचक से लगा रहे और फीने का ऊपरी भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोझर एनिस्त) को छूने रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग नो नहीं है।
- (क्ष) णरीर में हिड्डियो और जोड़ों का कोई रोग नहीं होन चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के मंत्रंध मे मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्वधृत्त नही होना चाहिए।
- (छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से मुन सकें। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांन कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें॰ मी॰ की दूरी से जोर की कानाफूंसी मुन सके। कर्ण नामिका कण्ठ की पिछली या भ्रव की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई कियारमक या भ्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाव सामान्य हो।
- (झ) उदरपेशियां मुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के ग्रांतरिक ग्रंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार ग्रस्वीकृत कर दिया जाएगा।
- (का) यदि किसी उम्मीदवार को हिन्या है भ्रौर उसकी शस्य विकित्सान की गई है तो वो उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हिन्यां की णत्य जिकित्सा हो गई हा तो वह वर्तमान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जबम पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
- (ट) हाइड्रोसील बेरिकोमील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूल की परीक्षा की जाएगी अौर यदि इसमें कोई असामान्यता भिलती है तो इसमें उम्मीदवार अम्बीकृत हो जाएगा।
- (इ) चर्म का ऐसा रोग जिस से आशक्तता अथवा विकृति होने की सम्भावना है तो उससे उस्मीदवारी अस्वीकृत हो जाएगी।
- (ढ) उम्मीवनार को दूर वृष्टि चार्ट में प्रत्येक ग्रांख से ऐनक महिन या ऐनक बिना (नौ सेना तथा वायु मेवा के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 की तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिंगमेटिज्म) महिन से ग्रीधिक महीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि ग्रांख में कोई रोग तो नहीं है श्रांख की ग्रान्तरिक परीक्षा ग्रोपथल मोस्काप से की जाएगी। उम्मीववार के बोनों नेन्नों की दृष्टि ग्रच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी०

बी०-3 होगा। उम्मीदबार में लाल व हरे रंगीं को पहचानमें की क्षमता होनी चाहिए।

भारत का राजपन्न, नंबम्बर 1, 1986

नो सेना हेन् उम्मीदवारों का दृष्टि-स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए:∹-6/6, 6/6 तथा **सुधार** योग्य 6 9 . एन−5 प्रत्येक फ्रांख निकट दुष्टि . वर्ण दृष्टि . एन० एच० बी० द्वारा बी०पी०--1

मायोपिया 0.75 टायोप्ट्रेम से प्रधिक न हो और हाइपरमेट्रापिया **भण्छी आंख में** 1.50 डायोप्ट्रेम में तथा ब्री आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से प्रधिक न हो:---

मेल-पैशी संस्लय

मेडोक्स रोड टैस्ट के साथ हैंट्रोफोरिया निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक

- (i) 6 मीटर पर —ऐ**म्**सोफोरिया ८ प्रिज्म आयोप्ट्रेस ऐसीफोरिया ৪ সিজ্ম डायोप्ट्रेम हाइपरफोरिया 1 प्रिंजम डायोप्ट्रेम
- (ii) 30 सें० मीटर पर- ऐक्सोफोरिया 16 प्रिज्य कायोप्ट्रेस ऐसीफोरिया 06 प्रिज्य डायोप्ट्रेस हाईपरफोरिया **अिज्म वायोप्ट्रेस**
 - (ण) उम्मीवनार के पर्याप्त संख्या में कुवरती व मजबून दांन होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाले उम्मीदवार स्थीकार्य हैं। जब 32 दात होते हैं तब क्ष 22 दात बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को तीब पायरिया का रोग नहीं होना
 - (न) छाती का एक्स-रे परीक्षा में ग्रेब पश्का की उगस्थिति हेन् ग्रेंब मेरुवण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी सैना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरुवण्ड के श्रन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की आएगी।
- 2, केवल यायु सेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्यक्त के साथ-साथ निम्मलिखिन चिकिस्सा मानक भी लाग होंगे :---
 - (क) वायु सेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है:---

. . 162.5 सें० मी०।

टांग की लम्बाई से कम 99 से० मी० **प्रौर** श्रिधिक से इधिक 120 सें० मी० 1 ग्ररूकी लम्बाई अधिक से श्रधिक 64 सें० मी०। कम से कम 81.5 में० मी० श्रौर बैट कर अंचाई ग्रधिक से ग्रधिक 96 सें० मी०।

- (स) मेरदण्ड का एक्स-रे कटिकिक किया जाएगा। एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित शर्ते अनहर्क होगी :--
 - (i) मेरवण्ड का कणिकागुल्मीय रोग
 - (ii) भाषाइटिस स्पीडिलोसिय
 - (iii) मंद से अपेक्षाकृत अधिक कायफोसिस/लडोसिस रको-लियोमिम फाल-पड़ित द्वारा 15 मे श्रधिक झस्थी कृतिकाकारणबनेगा।
 - (iv) स्पोडीलोलिसिम थैंगिम/स्पोडीनोलिसिस
 - (V) हर्निएटिड-न्युकलियम पलपोसम
 - (Vi) कशेरूका का सम्पीडन श्रस्थिसंग
 - (vii) श्वेयर मेन का रोग

- (viii) प्रदर्शनीय तंत्रिकीय या परिसंचरथीय ग्रभाव के साथ ग्रेय पश्का।
- (ix) कोई श्रन्य अपमामान्यता जिसे कोई विशेषक ऐसा ठहाराण ।
- (ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(ष) दृष्टि

दूरकी दृष्टि . 6/6, 6/6 नक मुधार योग्य 6/9

पास की दर्षिट . प्रत्येक घांख की एम० 5

. की० सी०---। (एम० भ्राई० एक०) वर्ण दुष्टि

मेनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया---2.00 डी० सी० से अधिक न हो। नेम्न--पेशी मन्तुलन

महोक्स रोष्ठ टैस्ट के साथ हेट्रोफोरिया निम्नलिखित से प्रधिक न

- (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्टेस एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म श्रायोप्ट्रेस हाईपरफोरिया I प्रिज्म ज्ञायोप्ट्रेम
- (ii) 33 में शी० एमसोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया पर 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाईपरफोरिया । प्रिश्म डायोप्ट्रेस म्रायोपिया, कुछ नही एश्टिंगमेंटिज्म 🕂 0.75 वी केंबल

द्विनेत्री दृष्टि--प्रच्छी दिनेत्री वृष्टि का होना धनिवार्य है। प्यूजम नया स्टरवीसिस तथा साथ में ग्रन्छा ग्रायोग व गहनता ।

- (इ[.]) मानक ।
- प्रत्येक कान से 610 से॰ मी॰ से काना (i) वाक मरीक्षणः 🖟 फुसी भुनाई वे।
- (ii) पञ्यतामितिकः 250 एव० एस० तथा 4000 एच० जेंड० के बीच की भावतियों में अपश्चिमत कमी 10 डी० बी० से भ्रधिक नहो।
 - (च) रुटीन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में हो।
- नौसैनिक विमानन भाषा के उम्मीदवार हेत् स्वास्थ्य वही होंगे जो वायुसेना के उड़ान इय्टी हेनु उम्मीदवार के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी प्रथमता का पता चलता है तो मेडिकल द्वारा धनईक ठहराए जाने की स्थिति में यह प्रक्षमता उम्मीदवार को मन्य सेवा (सेवाभ्यों) के लिए भी भयोग्य ठहरा सकती है।

परिशिष्ट-III

सेवा प्रादि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं:---भारतीय सेना भ्रकादामी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्भीववारों के लिए:---

- भारतीय सेना श्रकादमी में भर्ती करने से पूर्व—
- (क) उसे इस भागय का प्रमाण पस्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्वरूप यदि कोई चोट लग जाए ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या प्रत्यथा मावश्यक किसी सर्जिकल मापरेशन या संवेदना-हरण दवाभीं, के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता

श्रा जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके धर्षे उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुद्रावजे या श्रन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

- (ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस प्राणय के बन्ध-पल पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाट्यकम पूरा होने से पहले वापिस प्राना चाहता है या कसीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र भौर किए गए व्यय नथा दिए गए वेतन भौर भने की कुल राशि या उतनी राणि जो सरकार निश्चित करे उसे वापिस करनी होगी।
- 2. अंतिम रूप से चुने गये उम्मीवनारों को लगभग 18 महीनों का प्रणिक्षण दिया जाएगा। इन उम्मीवनारों के नाम सेना अधिनियम के ध्रश्नीन "जेंटलमैन कैंडेट" के रूप में दर्ज किये जायेगे। "जेंटलमैन कैंडेट" पर माधारण अनुशासनात्मक अयोजनों के लिए भारतीय सेना ध्रकादमी के नियम भौर विनियम लागू होंगे।
- यद्यपि भावास, पुश्तक, बर्दी, बोर्डिग भौर चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार बहुन करेगी, लेकिन यह द्याणा की जाती है कि जम्मीदवार श्रपना खर्च खुद बर्दाब्त करेंगे। भारतीय सेना भकावमी में (उम्मीदवार का न्युनतम मामिक न्यय 90.00 कर से श्रिधिक होने की संभावना नहीं हैं) यदि किसी कडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्चको भी पूरा या प्रांशिक रूप में बर्दास्त करने में ग्रसमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें त्रितीय महायता दी जाती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक स्राय 500.00 हु या इससे भ्रधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होगे। विलीय सहायता की पान्नता निर्धारित करने के लिए ग्रम्थल सम्पत्तियों ग्रीर सभी साधनों से होने वाली ग्राय का भी ध्यान रखा जाएगा। यदि उम्मीदवार के माता पिना या संरक्षक किसी प्रकार की हिनीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें भ्रपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय भेना ग्रकादमी में प्रणिक्षण के लिए मंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद प्रपने जिले के जिला मजिट्रेस्ट के माध्यम से एक धावेदन-पत्न देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट श्रपमी श्रनुशंसा महित भारतीय सेना भ्रकादमी देहरादून के कमांडेंट को भ्रम्नेषित कर देगा।
- 4. भारतीय मैना अकादमी में प्रणिक्षण के लिए अंतिस रूप में भूने गए उम्मीदवारों को धाने पर, कमाईट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी—
 - (क) प्रतिमास २० 90.00 के हिसाब से 5 महीने का जेब खर्च

450..00

(स्त्र) वस्त्र तथा उपस्करकी मदों के लिए

1500,00

योग

1950,00

उम्मीदनारों को वित्तीय महायना मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राणि में सेनीचे सिखी राणि यापिस करदी जाएगी :—

90.00 ६० प्रतिमास के हिसाब ने पांच महीने का जेब खर्च

450.00

- भारतीय सेना श्रकावमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—
- (1) परशराम भाऊ पटबर्धन छात्रवृत्ति—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को वी जासी है। इस छात्रवृत्ति की राणि अधिक से अधिक 500.00 ६० अति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना अकादभी में रहने की अधिध

- कें दौरान दी जाती है, बशर्ने कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो । तिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी भ्रन्य सरकारी विलीय सहायता के हकदार न होगे ।
- (2) कर्नल कैंडल फ़ैंक मेमोरियल छास्नवृत्ति—इस छास्नवृत्ति की राणि 360 - रुपए प्रति वर्ष है झौर यह किसी ऐसे पास मराठा कैंडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी विनीय महायता के फ्रीनिरफत होती है।
- 6. भारतीय सेना श्रकावमी के प्रत्येक कैंडेट के लिए सामान्य शर्ती के श्रन्तर्गम समय—समय पर लागू होने वाली दरों के श्रनुसार परिधान भत्ता श्रकावमी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भक्ते की जो रकम खर्च होगी वह :---
 - (क) कैंडेट को कमीशन देविये जाने पर देवी जाएगी।
 - (खा) यदि कैंडेट को कमीशन नही दिया गया तो भन्ने की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीणन प्रवान किए जाने पर इस भने से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य श्रावण्यक खीजे केंडेट की व्यक्तिगत सम्भीन बन जाएगी । किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन केंडेट त्यागपल दे दे या कभीणन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए था यापम बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा । इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हिन की दृष्टिगत रखने हुए निष्टान कर दिया जाएगा ।

- 7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रणिक्षण के दौरान स्थागपक्ष देने की अमुमति नही दी जाएगी । लेकिन प्रणिक्षण के दौरान त्याग-पल्ल देने वाले जैंटलमैन कैंडेट को थल मेना मुख्यालय द्वारा उनका स्थागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रणिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवामों पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा । भारतीय सेना प्रकावामी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता श्रिभावकों को इस श्रागय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होगे । जिसे जैटलमैन कैंडेट को प्रणिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के श्रोग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रणिक्षण से हटाया जा गकता है। इन परि-स्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को अपनी रेजिमेंट या कार में वापिस भेज दिया जाएगा।
- 8. कमीणन प्रशिक्षण को सफलनापूर्वक करने पर ही विया जाएगा। कमीणन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलनापूर्वक पूरा करने की नारीख से अगले दिन से णुरू होगी। यह कमीणन स्थायी होगा।
- 9. कमीशन वेने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भन्ने पेंशन और छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य णर्ते भी बही होंगी जो सेना के नियमित अफपरों पर समय-प्रमत्र पर लागू होगी।

(1) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट की ''जैटलमैन कैडेट'' का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 माम के लिए कड़ा मैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इंफैट्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जेंटलमैं र किछटों को सैकिण्ड लेपिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बणरें किएम०एच०ए०पी० ई० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

1.1	सेवा	-	गर्ने
1 (·	तपा	34	4171

(i) वेसन

रैंक	वेतनमान ,
सैकिन्ड लेपिटनैन्ट	750-790
से फि ष्टिमेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेज्र	1450-1800
मेजर (वेतन का भयन ग्रेड)	1800-50-1900
लेफ्टिनेंट कर्नल (चयनद्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्मल (चयन ग्रेड वेनन)	2000-50-2100
लेफ्टिनेंट कर्नेल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नेल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2210-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल	३००० प्रतिमास
लेपिटनेंट जनरल (आर्मी[कमान्डर)	3250 प्रतिमास

(2) योग्यता, वेतन और अनुवान

लेफ्टिनेंट कर्नेल ध्रौर उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने माले अधिकारी अपनी योग्यतायों के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000 रु० के एक मुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रणिक्षक (वर्ग 'श्वा') रु० 70 की दर पर योग्यता नेतन के अधिकारी होंगे।

3. भत्ते

केतन के अनिरिक्त अफसरों को इस सनय निम्नलिखित भने ॄिमिसते हैं:---

- (क) मिर्विलयन राजपित अफसरों पर ममय–समय पर लागू दरों और प्राप्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भन्ते दिये जाते हैं।
- (छ) 75 ६० प्रति मास किती दर से किट अनुरक्षण भरता।
- (ग) निर्धासन भरता भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है इसके भुगतान की वरें उपर्युक्त विदेश भरतों की संगत एकल है दर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिमास राशि तक असग-अलग है।
- (घ) बियुक्ति भरता जाब बिवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार महिन नहीं रखा जा सकता है, तब अफसर 140/- घ० प्रतिशत की वर से . विश्वकित भूता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (इ.) सज्जा भत्ता :--प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 2100 है प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 रु० नये भज्जा भत्ते का दावा किया जा मकता है ।
- (च) थल सेना में क्रिनेडियर के स्तर तक मृक्त राशन विद्या जाता
 है।

4. तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विवेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं.---

16-306 GI/86

पदोस्रति

(क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नित के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:---

समय वेतनमान से	
लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टेन	5 वर्षे कभीशन प्राप्त सेवा
मेजर	11 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफिटनेंट कर्नेल (चयन द्वारा)	21 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ले फ्ट नेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीक्षम प्राप्त सेवा
विगेडि यर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट जन रल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल (कोई प्रतिबन्ध नहीं

(स) कार्यकारी पदोन्नित

निम्नलिकित स्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात होने बगर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों—

कै प्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
ले फ्टिनेंट कर्नल	6} वर्ष
कर्मल [8 है वर्ष
बिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	2 6 मर्प

(ख) नौसेना अकादमी, कोषीन में भर्ती होने बोले उम्मीद्वारों के लिए:

- 1. (क) जो उम्मीदबार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से जुन लिए जाएंगे, उन्हें मीसेना कार्यकारी माखा से कैंडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदबारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।
- (1) जिस उम्मीवनारों ने सरकारी विद्धीय सहायता के लिए आवेदन पत्न नहीं दिया हो:--
 - (1) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जैंब खर्च 225.00 रु०
 (2) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए 460.00 रु०
 जोड़ 685.00 रु०
- (2) जिन उम्मीदवारों ने मश्कारी वितीय सक्ष्यता के लिए आवेदन पस्न विवा हो :---
 - (1) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिए जेंब कार्च 90.00 रु०

- (ख) (i) चुने हुए उम्मीयवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे विया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :---
 - (क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का मौकाएं प्रशिक्षण

(ब) मिडशिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण

८ माम

(ग) कार्यकारी सब-लेपिटनेंट तकनीकी कोर्स

12 माम

(घ) सब-लेपिटनेंट

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को सौबहन निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण⊸पत्न लेने के लिए भारतीय नौसैनिक जहांओं पर नियुक्त किया आएगा, जिसके लिए कम से कम 6 माम की अवधि आवश्यक है।

- (II) भौसेना अकावमी में कैडेटों के लिए शिक्षण, आवास और मदंद सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन-तथा-डाक्टरी इलाज का खर्च-सरकार वहन करेगी। किन्तु कैंडेटों के माना-पिता/अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक अध्य 500 रु० से कम हो मीर तह कैंडेट काजेंग खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरान कर सकते. हों तो सरकार कैंडेट के लिए 55 वर्ष्यति मास विस्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। बिस्तीय महायसा लेने का इच्छुक उम्मीद-बार अपने चुने जाने के बाद शीझ ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्न दे सकता है । जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुशंसा के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पाम भेज देगा। यदि किमी माला-पिता/अभिभावक केदी अथवा उससे अधिक पुत्र या अधिन नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साय-माथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें हों तो उन सभी को साथ-माथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त विस्तीय सहायता दी जा सकती है बणर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 600 ह० से अधिक न हो ।
- (iii) बाव का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें औरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनसे पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्मुक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली किस्तीय सहायता के समान सहायता वी जाएमी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठामों में छह मांस का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदों कति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।
- (iw) कैडेटों को सरकार से नि.सुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके प्रताव किन्नु उन्हें इसके प्रताव किन्नु उन्हें इसके प्रताव किन्नु उनकी एक रूपता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना भकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/प्रिम्भावकों को बहुन करना होगां। विलीय महायता के लिए प्रायेदन पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े नि:मुल्क या उद्यार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े भी खरीबने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को प्रपने मूल रैंक के वही वेदन प्रौर वही पत्ते मिलेंगे जो कैडेटों के जूने जाने के समय नालिक या सेवक या फ्रोंटिस के पव पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जामी हो तो वे उस वेदान वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उन के मूल रैक का वेदन प्रौर भन्ने सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली विसीय सहायता से कम हो तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पान्न हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के प्रन्तर की राशि भी मिलेगी।
- (vi) मामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्न देने की धनुमति नहीं वी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों भौर प्रतिष्ठानों में कोस पुरा करने के थोग्य नहीं समक्षा

जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से वापिस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रिमिश्वण से हटाया भी जा सकता है। इन परि-स्वितिशों में किनी सर्विस कै डेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कै डेट को इस प्रकार प्रिमिश्वण से हटाया जाएगा, या मूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा वह परवर्ती की में में दुबारा दाखिल होने का पान नहीं रहेगा। किन्तु जिन कै डेटों को कुछ कहणाजन्य कारणों के आधार पर त्यागपन देने की अनुमिन दी आती है उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया आता है।

- किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में केडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिना/श्रिभिभावक को :
 - (क) इस याशय के प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र या भाश्रित की प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चीट लग जाए या भारीरिक दुबलता हो जाए या उप कित कारणों या प्रत्य कारणों से चीट लगने पर किए गए श्रापरेणन से या श्रापरेणन के दौरान मृष्टिन करने की भौषिश्च के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो आए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से सुआवजा मांगते के वाये या सरकार के श्रत्य सहायता मांगते का कोई हक महीं होगा।
 - (ख) इस ध्राणय के बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके निरंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कसीमन दिये जाने पर स्त्रीकार न करे तो शिक्षा, गुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भने जो कैडटों से प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका ग्रंग जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3 बेनन नश भने

(क) वेतन

रें क	वेतनमान मामान्य सेवा
1	2
मिड शिपमै न	₹∘ 560.00
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेट	₹0 750,00
सब-नेपिटतेंट	T'0 830.00-870.00
लेपिटनेंट	₹0 1100.001450.00
लेपिटनेंट कमांडर	₹0 1450.001800.00
लेफिटनेंट कमांडर (चयन प्रेड	The 1800,00-1900,00
वेस्न)	
कमांडर (चयन द्वारा)	₹° 1750.00-1950.00
कामांबर (वस के स्तार हो हो)	¥ ० 1900.00 नि⊀ित
कमांडर (घयन ग्रेड वेतन)	▼ ○ 2000.00-2100.00
कौप्टन	₹0 1950.00-2400.00
	(क मोडोर वह वेतन लेता है
	जिसका वह कैप्टन के रूप में
	वरिष्ठता के श्रनुभार हकदार
	है)
रियर एडमिरल	To 2500 00-125.00/
	2-2750.00
बाइस एडमिरल	₹ ○ 3000.00
चाइस एडमिरल (बी० मी० ए १०	
ए स०/एफ० मो० मी०-इन-सी०) 乗∘3250.00

(**ख**) भत्ते

क्षेत्रन के अतिरिक्त अक्रमरों को निम्नलिखित मत्ते मिलते हैं :--

- (i) मिधिनियन राजपतित अफसरों पर समय-समय पर लागू वरों भौर भत्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महगाई मत्ता भीर अन्तरिम सहायता मिलती है।
- (ii) 75/- का प्रक्षिमास की दर से किट प्रतुरक्षण भना (कमोडोर रैंक के नथा उनसे नीचे के रैंक के अफमरों को)।
- (iii) जब प्रकमर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, पत्रधारित रैंक के बनुसार 50/- इपए से 250/- रूपए तक प्रतिमाम प्रवास भना।।
- (iv) 140/- ४० प्रतिमास के हिमाब से इन प्रफसरों को क्षेत्र नियुक्ति भन्ता मिलेगा :--
 - (क) जिन विवाहित **भक**सरों को ऐसे स्थानों घर [‡]तार किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ख) जिल विवाहित अक्सरों को माई० एन० जहाजों पर नैनात किया जाएगा प्रथवा जिल्ली प्रविध के लिए वे बेल पत्त नों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) (क) परिसङ्का भन्ता: प्रीरिम्मक परिसङ्का मना 2400/-
 - (ख) वास्मविक सेवा के प्रति मान वर्ष बाद, नवीकरण परिमज्जा भसा **४० 2100/- है।**
- (vi) नौसेना में कमोडोर (भारतीय नौसेना) के स्तर नक मुक्त राणन विया जाता है।
- (vii) नियुक्ति भक्ता (शांति)

रियर एइमिरल ग्रीर उससे अपर के पव के ग्राधिकारियों को जब परिवार भावास के उपलब्ध न होने के कारण मेसों में रहने के लिये बाध्य किया जाता है तो वे परिवार आवास के आबंटत होने तम तर्हियान पर ह्यटी पर माने की तारीचा से ए० 200/- प्र० मा० बिगुक्ति भसा (मांति) प्राप्त करने के हकदार होंगे यह भत्ता केवल उन्हीं क्षत्रों के लिए देय होगाजहां ऐसे अधिकारी क्षेत्र सेवायें छूट के रूप में निग्ल्क रागन पाने के हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी 1:-- उपर्युक्त के प्रलावा संकट के समय काम करने की राशि पनबुब्बी भत्ता, पनबुब्बी/वेरियट वेतन, पनाईंग वेतन सर्वेक्षण, श्रानुतोषिक/प्रहुंता वेसन/प्रनुवान तकनीकी वेतन गोता बोरी बेतन जैसी कुछ विशय रियायन भी अकतरों को दीजासकती हैं।

टिप्पणी 2:--अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं अपित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अप्रकसर बढ़े हुए वेतन तथा भक्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा मिडशिपमैन से ए विटग सब-लेपिटनेंट तक 1/2 वर्ष एक्टिंग सब-ले फ्टि॰ से सब-लेफिटनेंट नक 1 वर्ष

> मब-लेपिटनेंट से लेपिटनेंट नक एक्टिंग और स्थाबी सब-लेफ्टिनेंट (बरिष्ठना के लाभ/ समपहरण के ग्राधीन) में 3 वर्ष

लेपिटनेंट से लेफ्टनेंट कमोद्वोर तक लेफिटनेट के ऋग में 8 वर्ष की विरिष्ठता

नेपिटने^रट **कमोडो**र से कमोडोर तक (यदि चयन हारा पदोन्नति न हुई

24 वर्ष की मंगी कमीशन प्राप्त सेवा

(ख) चयन द्वारा लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोद्योर तक

लेफ्टिनेंट कमोद्वीर के रूप में 2-- अवर्गको , वरिष्ठता

कमो डोर से फैप्टन नश

कमो होर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

कैंप्टन सेरियर एडमिरल ग्रौर उनसे ऊपर तक

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं

5 मेनाती:

अकपर भारत और विदेश में कड़ीं भी सैनात किए जा सकते हैं।

डिप्रणी:--पदि किसी धीर सूचता की धावण्यकता हो तो वह निवेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई विल्ली 110011 से प्राप्त की जासकती है।

- (ग) अफनर ट्रेनिंग स्फूल, मदास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए।
- इससे पूर्व कि उम्मीदवार श्रकसर ट्रैनिंग स्कून, मद्रास में भर्ती हो :--
- (क) उसे इस ग्रामय से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भलीभांति समझता है कि उसे या उसके वैद्य वारिसों को सरकार से म्प्रावजा या अन्य किसी महायता के दाने का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई घोट था शारीरिक दुईलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चौट लगने पर किए गए प्रापरेणन या ग्रापरेणन के धौरान मुख्ति करने की श्रीपधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।
- (ख) उसके माता-पिता या श्रिभभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के प्रधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने के पूर्व वापस जाना चाहे या यवि दिये जाने पर कमीणन स्वीकार न करे या ब्रक्ष्पर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शादी कर में तो शिक्षा, खाता, वस्त्र स्त्रीर वेतन तथा भत्ता जी उसने प्राप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेबार होंगे।
- जो उम्मीववार अंतिम का से चुने जायेंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कृत में लगमग 9 महीने का प्रशिक्षण कीर्स पूरा करना होगा। इव उम्मीद-बारों को "मेना अधिनियम" के अन्तर्गत जैण्टलमैन कैडेट के रूप में नामांकित किया जायगा । सामान्य अनुशासन की दुष्टि से या जैन्टलमैन कैंडेट श्रफसर ट्रैनिंग स्कुल के नियमों तथा विनियमों के श्रन्तर्गत रहेंगे।
- 3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें घानाल, पुस्तकें, वर्दी व भोजन तथा चिकित्या सुविधा शामिल हैं सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को प्रपना जैक्ष खर्च स्वयं बहुन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के बौरान न्युनतम 90.00 रु प्रतिमास से ध्रधिक खर्च की सम्भावना नहीं है। किस्तु यदि जम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैर-सपाटा **इ**त्यादि का शौक रखना होती उसे श्रनिरिक्त धनकी मावश्यकता होगी। यवि कोई कौडेट यह ब्यूननम व्यय भी पूर्ण या आशिक रूप से वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु विक्तीय सहायता दी जा मकती है वर्णतें कि कैडेट फ्रौर उसके माता पिता/भ्रमिभावककी क्राय 500 रु प्रतिमास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुमार वित्तीय सहायता की बर 90.00 रुप प्रति मास है। जो उम्मीदवार विलीय सहायक्षा प्राप्त

करने का इच्छुक है जसे प्रशिक्षण के लिय मन्तिम रूप से चुने जाने के बाद निर्मारित प्रपन्न पर एक माबेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के माम आवेदन पत्न को कर्मांडेट अफगर, ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. ग्राफशर ट्रेनिंग स्कूल में अतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चर्ने गए, उम्मीदवारों को वहां पश्चमने पर कमांबेंट के पाम निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी:—-

(क) 90.00 ६० प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जेंक कर्व

900.00 ६५मे

(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये

500.00 रुपये

योग

1400.00 रुपये

यदि केडेंटों की विसीय सहायता स्थीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (क्ष) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जायगी।

 समय-समय पर जारी किये गये प्रादेशों के प्रन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा ।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीवे गये वस्त तथा अध्य आवश्यकं चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्मित बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणार्थान अविध में स्थाग-पत्त वे वे या उसे निकाल विधा जाए या कमीशन मे पूर्व वापम बुला लिया जाए तो इस वस्तुओं को उससे बापिस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के मर्जोत्तम हित को वृष्टिगत रखने हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 6 सामान्यतः किसी उम्मीवशार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पल देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारंभ्भ होने के बाद त्याग-पल देने वाले जैण्टलमेंन कैंडेटों को बल सेना में मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पल स्वीकृत होने तक घर जाने की आजा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला सर्व बसूल किया जायेगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीववारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माना-पिना/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा।
- 7. जिस जेण्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को उनकी रेजिमेंट कौर में वापस भेज दिया जाएगा।
- 8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ता, पेंशन सुद्धी तथा अन्य सेवा शर्तेनिम्न प्रकार होंगी:—-

সংগ্রিকাण :

1 मुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैण्डलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा अफसर ट्रेमिंग स्कूल में लगमग 9 मास तक प्रशिक्षण कीर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त जैण्डलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीक से सकेण्ड लेपिटनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10 सेवाकी शर्त

(क) परिवीक्या की अवधि

कसीयन प्राप्त करने की तारी को से अफसर 6 मास की अविधि तक परिकी को घीन रहेगा । विवि उसे परिकी का सबिधि के धीर।न कसीयन धारण करने के अनुवर्धनन बताया गया तथा उनकी परिकीका धविधि के समाप्त होने से पूर्व या उस के बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) तैनानी

अल्पकालिक सेवा कमीणन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर सैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अविधि के लिये प्रवान किया जायेगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अविधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पान तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किये जाने पर विचार किया जाएगा जो पांच वर्ष की अविधि के वौरान स्थायी कमीशन प्रवान किये जाने की अर्हना प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अविधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

(च) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीणन प्राप्त अफसर वही वेसन और भत्ते प्राप्त करेंगे जी सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

> मैक्क लेफ्टिनेंट और लैफ्टिनेंट के बेतन की वर क्वम प्रकार है:----सैकेक्ट लैफ्टिनेंट---750---790 ६० प्रति माम

लैफ्टिनेंट---830---950 र॰ प्रति मास

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(इ) छुट्टी

छूट्टी के संबन्ध में अफसर अरुपकालिक सेवा कामीणन अफमरों के लिए लागू नियमों से णासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली सेना के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा इ्यूटी ग्रहण करने से पूर्व नियम 91 में दी गई ध्यवस्थाओं के उम्मीवबार को उनकी रेजिमेंट कोर में वापिस भेज दिया जाएगा।

(च) कुमीशन की समाप्ति

अल्पाविष्ठ सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पाँच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती हैं:—

- ्ं(i) अपचार करने यासतोषजनकुरूप से सेवान करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर; 🖔
- (iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता [न होने पर; मा
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अहंना प्राप्त करने में असफल रहने पर ।

तीन मधीने का नोटिस वेने पर किसी अफरार की करणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्यागपत्न देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवांत उपदान पाने का पाल नहीं होगा।

(छ) पेंशनलाभः

- (I) ये भ्रभी विश्वाराधीन है।
- (II) ग्रह्मकालीन सेवा कमीशनग्रमसर 5 वर्षकी सेवा पूरी करने पर 5000.00का सेवाँक प्रयान पाने के इनदार होते।

(ज) रिजुर्वमें रहने कादायित्वः

5 वर्ष की श्रहपतालिक सेवा कर्माशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की श्रवधि के लिए या 40 वर्ष की श्राय नक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(ল) বিবিঘ ~-

सेवा सम्बन्धी श्रान्य सभी शार्ते तब तक उनका उपयुक्त उपबन्धों के माध भेव नहीं होना है वही होंगी जो नियमिन श्रफसरों के लिए लागू हैं।

वायुविना प्रकादनी में प्रयेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए

ाः चयनः

भारतीय वायुसेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती ही जाती है। अर्थान् संघ लोक सेवा आयोग के साध्यम से डायरेक्ट एन्ट्री ग्रीर एन० सी० सी० वायु सेवा स्कम्ध विष्ठ प्रभाग के साध्यम से।

- (क) डायरेक्टएन्ट्री --प्रायोग लिखित परीक्षा के प्राधार पर चयन करता है. ये परीक्षायें एक वर्ष में सामान्यतः दो बार मई छीर नवस्थर में ली जाती हैं। सफल उस्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।
- (श्व) एत० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश -- राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक द्वारा विभिन्त एत० मी० सी० यूनिटों के माध्यम से एत० सी० सी० उम्मीदवारों से झावेदन-पत्नों को झामंतिस करके उन्हें वायु नेता मुख्यालय को झग्रमान्ति कर दिया जाता है। पात उम्मीदवारों को परीक्षण और सात्क कार के लिए वायु नेता चयन बोर्ड के मामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया
- 2. प्रणिक्षण परभेजना --वायु सेना जयन बोर्ड द्वारा अनुणासित उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा णारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उस्मीववारों को वरीयना नथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार प्रणिक्षण के लिए भेजा जाता है। इाइरेक्ट एन्ट्री उस्मीदवारों की वरीयना सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लेयार की जाती है और एन० सी० सं० उस्मीदवारों की वरीयना सूची अलग से तैयार की जाती है। उाइरेक्ट-एन्ट्री उड़ान (पाइलट) उस्मीदवारों की वरीयना-सूची सं० लो० से० आ० द्वारा लिखित परोक्षा में उस्मीदवारों के प्राप्तां को नथा वायू सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय गैडेट कोर के उस्मीयवारों की वरीयना सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के अधारपर तैयार की जाती है।
- 3. प्रशिक्षण: वायुसेना ग्रकादमी में उड़ान गाखा (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की श्रवधि लगभग 75 सप्ताह होती ।

उड़ान प्रशिक्षण के दौरान बीमा सुरक्षाः वायु सेना ग्रुप की मा सोसाथटी दुवंटना की स्थिति में इस पलाइट कै डेट के निकटनम संबंधी को 35,000/- स्पण् अनुग्रह राशि के रूप से अदा करेगी जो सिविल क्षेत्र से आया हो और उड़ान प्रशिक्षण पारहा हो। उड़ान प्रशिक्षण पारहा कोई फ्लाइट कै डेट यदि स्वास्थ्य की वृष्टि से अक्षम हो जाता है और प्रशिक्षण मुक्त कर दिया जाता है तो उसे शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए 25.000/- स्पण् अनुग्रह राशि के रूपमें अदा किए जायेशे तथा वह यह राशि इसी अनुपात में बटकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार द्वारापलाइट कैडेट को एक बार घेतन तथा भसे स्वीकृत कर लिए जाने परमृत्य सुरका 50,000 स्वण होगी और शत-प्रतिशत मक्सिता के लिए श्रक्षमना सुरका 25,000 स्वण होगी। यायुसेना पृप भीमा सोसाइटी द्वारा यह सुरका उडान प्रशिक्षण पा रहे प्रत्येक फ्लाइट कैडेट द्वारा 76 स्वण के माणिक श्रप्रतिभेद शंशदान का भुगनान करने पर दी प्राएसी जिसके लिए मुद्दस्यना श्रनिवार्य होगी।

वित्तीय सहायता पर लागृहोने वालि शतें ---

- (1) यद्यपि जगह, पुस्तक, वर्दी, ठहराने भौर विभिन्ना उपचार सहित, प्रणिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया आएगा तो भी उम्मीद-वारों से प्राणार्का जाती है कि वे घपना जेव खर्चस्ययं वहन करें। वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम 90 से रुपण ग्रधिक खर्च होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के ग्रभिभ।वक या संरक्षक उस खर्चको आ€ पूर्णरूप याश्राधिक रूम में बहुत करने में श्रममर्थ ैं तो उसे सरकार द्वारा विक्तीय सहायना प्रदान की जा सकती है। जिस कैडेट के श्रिभाषक या संरक्षक की मासिक श्राय 500 रुपए या इससे अधिक है वह वित्तीय महायता प्रदान किए आने का पान नहीं होगा । वित्तीय सहायता की पालता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्ति तथा भन्य परिलब्धियों ग्रीर समा स्रोतों से होने वाली श्राय को भी ध्यान में रखा जाना है। वित्तीय सहायना प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवार के अभिभावक/संरक्षक को छपने पुत्र/बच्चे के बायु सेना प्रणासनिक कालिज में प्रणिक्षण हेनु श्रंक्षिम रूपसे च्न लिए जाने के तुरस्त बाद अपना अविदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश उस आवेदन को अपनी अन्-णंसा सहित कमांबेट, बायु सेना प्रशासनिक कालिज, रेड फील्ड्स, कोयस्ब टरको श्रग्नेषित करदेगा।
- (2) वायुसेना प्रशासनिक कालिंग में प्रशिक्षण हेतु झैनिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को ध्राने पर निस्तिलिखन रकम कमांडेंट के पास जमा करनी हैं:--

(क)	90 रुपए प्रतिमास की द	र में 5 म	नाम		
	के लिए जैंग भत्ता	•		•	450 ६ पए
(আন)	वस्त्र स्रीर्उपस्करभव	ों के लिए			525 चपए
	योग				975 क्ष्
					•

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कैडेट की विकाय सहायता प्रदान नियेजानेकी स्थिति में वापस देय हैं:

4. भिवष्य में पदांत्रति की संभावनाएं: --प्रशिक्षण को सफलतापूर्व पूरा करने के बाद उम्मीदवार को पाइलेट झक्सर का रैंक दिया जाता है और वे उसी रैंक के बेतन तथा भस्ते प्राप्त करने के हकदार हो। जाते हैं। वर्तमान दरों के प्राधार पर उड़ान शाखा के प्रधिकारियों को। लगभग ६० 245/- प्रति माह मिलते हैं। जिसमें उड़ान बेतन ६० 750/- प्रतिमाह भी सम्मिलित हैं। वायुसेना का। भिवष्य धहुन उउज्जवन होता है, यद्यापि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएं ग्रक्तग-अलग होती है।

भारतीय वायुसेना में दो प्रकार से प्रवोन्नित होती है अवित कारं-कारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके। प्रत्येक उच्च रैक के लिए अतिरिक्त परिलब्धियां निर्धारित है। रिकितयों की संख्या पर आधः-रित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में प्रवोन्नित प्राप्त करने के शब्छ अवसरमिलते हैं। स्क्वेड्न लीडर और विंग कमांडर के रैंक में समय बेतन मान प्रदोग्नित उड़ान (पाइलट) शाखा में कमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवापूरी करने के बाव की जाती है। विंग कमांडर और ससंस ऊपर के उच्चनर पर्दों में प्रदोग्नित विधिवत गठित प्रदोन्नित बोड़ों हारा चयन के आधार पर की जाती है। स्वीयमान अधिकारियों के लिए प्रदोन्नित के अच्छे अवसर होते हैं। वेतन तथा भत्ते:--

मूल रैंक			उड़ान	शाखा
		 		₹0
राइलट भक्तर				825865
खा इंग धफ मर	•			9101030
म्लाइंग लेपिटनेन्ट				11501550
म् <mark>वे</mark> ड्रन लीडर				14501800
वंगकमांडर .				15501950
पुपकैप्टन .				19502175
रुपर कमोडोर				22002400
रुयर बाइन मार्शल				2550-2750
्यर मार्शल				3000

मंहगाई तथा प्रतिकर भरोः -- प्रधिकारियों को ये भर्त भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शर्तों के धर्स्तगत की गई दरो पर मिलते हैं:--

किट प्रतृरक्षण भक्ता: -- रु. 75/- प्रति माह, उड़ान कतन; उड़ान शाखा के श्रीक्षकारी निम्नलिखित दर्शों पर उड़ान केनन प्राप्त करने के हक्षवार होते हैं:--

विंग कमांडर और उससे नीचे ४० 750.00 प्रतिमाह ग्रुप कैप्टन ग्रीर एवर कमोडोर व० 666.00 प्रतिमाह एवर वाइम मार्गल ग्रीर उससे उपर व० 600.00 प्रतिमाह

योग्यता बेतन:--कमीशन सेवा के वो या वो से मधिक वर्ष पूरा करने वासे जिंग कमीडर और उससे नीचे के रैंक के भीधकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित वरों पर योग्यता बेतन/प्रनुवान प्रदान किया जाता है। योग्यता बेतन की दर ६० 70/- और 100 ६० है और प्रनुवान ६० 6000/-, द. 4500/-, ६. 2400/- भीर ६० 1600/- है।

प्रवास भक्ता: -- जहां वायुक्षेना भिष्ठकारियों की दुक्त कियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव, प्रथम सचिव कन्सूलर को दिए जाने वाले विदेश भक्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत सक (पारित रैंक के प्रनुसार) प्रवास मक्ता देय होता है।

वियुक्ति भक्ता : - - ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति युनिट में होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान जहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की श्रनुमित नहीं होती है उन्हें ठ० 140/- प्रतिमाह की दर से वियुक्ति भक्ता विया जाएगा।

परिधान भत्ता :--वर्षी/उपस्कर जो कि प्रत्येक प्रधिकारों को प्रवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परि-धान भत्ता रु 2100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर साल के बाद रु 1800/- दिए जाएंगे । कैम्पिकट कमीधान प्रदान करते समय मुक्त दी जाती है।

वायुसेना में एयर कमोडोर केस्तर तक मुफ्त राशन विया जाता है।

छुट्टी भ्रोर श्रवकाश यात्रा रियायत भक्ता

वार्षिक श्रवकाश वर्ष में 60 दिन श्राकस्मिक श्रवकाश वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से श्रविक महीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाद अब भी अधिकारी वार्षिक श्राकस्मिक अवकाश लेंगे वेतया उनके परिवार के सदस्य मुक्त सवारी के हरुदार होंगे। बाहे भ्रवेकाश की धनेधि कुछ भी क्यों न हों। जनधरी 1971 ने प्रारम्भ होने वाले दो लखीं के ब्लाक में ए क बार प्रधिकारी भ्रपने इयूटी स्थान (यूनिट) से घर तक भ्राने के लिए निःगुल्क सवारी बाहन के हक्तवारहों सें। जिस वर्ष इस रियायन का उपयोग नहीं किया आयेगा तो उस वर्ष उसे परनी सहित 1450 कि भी के रास्ते के लिए भाने भींर जाने दोनों नरफ की सुविधा पाने के हक्तवार होंगे।

इसके श्रतिरिक्त उझान भाखा के श्रीधकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों की भरने के लिए नियमित उझान इयूटी पर तैनात होते हैं, श्रवकाश लेने पर वर्ष में एक बार यारन्ट पर अपने, परती तथा भाश्रित सक्कों के धास्ते प्रस्थेक भ्रोर से 1450 कि० मी० की तूरी को नय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुक्त याता। करने की सुविधा होगी।

जो भिधिकारी छुट्टी लेकर अपने कर्चे से याजा करने के इच्छुक हैं वे कलेण्डर वर्ष में तीन भार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके याजा करने के हकदार होंगे। इसमें एक भार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जायेगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के भलावा श्रीधकारी पर पूर्णनया धाश्रिम माता-पिता, बहन भीर नावालिंग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभः - -

सेवा निवृत्ति के समय रैंक (स्थाई)	भ्रह्म सेवा की न्यूनतम भ्रवधि	•	वैयक्तिक पेंशन
		४० प्रतिमाह	 र० प्रतिमाह्
पायलट भ्रफमर/फ्लाइंग श्रफसर	20 वर्ष	950.00	100.00
पाइलट लेफ्टिनेन्ट	20 वर्ष	1200.00	75,00
स्क्वेड्न लीडर	22 वर्ष	1400,00	
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	26 वर्ष	1525.00	
विंग कमांडर (स्लैनिटव)	2 4 वर्ष	1575.00	
ग्रुप केंप्टन	26 वर्ष	1850.00	-~
एयर कमोद् <u>र</u> ोर	28 वर्ष	2025.00	
एयर वाइस मार्गल	30 वर्ष	2275,00)
ग्यर मार्शल	30 वर्ष	2400.00	
एयर मार्णल बी० डी० ए० एस०			
मीर ए० भो० एस० सी० इक्सी	30 वर्ष	2500.00)
त्यर चीफ मार्गल	30 वर्ष	2825.0	0

8. सेवा निवृति उपदान

राष्ट्रपति की विवक्षा पर सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है :

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिए द० 12,000/- जिसमें से पिछले रैक के इदि महीने के वेतन घटाकर।
- प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए व० 1300/- जिसमें से पिछले रीक के 1/4 महीने का वेतन वटाकर।

पेंग्रन या उपवान के भ्रतिरिक्त प्रश्येक छ: महीने की भविध की भर्क सेवा के लिए कुल परिलक्षियों के चौपाई के बराबर मृत्यु भौर सेवा- निवृत्ति उपवान देस हैं जो कि परिवकिश्वयोंका $16\frac{1}{2}$ तेणा होगा संिद के 50,000से भ्रष्टिक नहीं होगा 1

सेवा में रहते हुए मृध्यु हो जाने पर मृत्यु झौर ,सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित स्प से होते :--

- (क) सेना के पहले वर्ष यदि मृथ्यु हो आए तो वो महीने का बेतन;
- (ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु तथा पाच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए छः महीने का वेतन ; ग्रौर
- (ग) पाच वर्षकी सेवा केबाद मृज्यु हो आए तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

विकलागता पेंशत स्रीर अच्चों सौर श्राश्रितों (माता-पिता, सहिम तथा भाई) की विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारत नियमों के शनुसार देश है।

9. अन्य सुविधाएं

श्रिकारी तथा उनके परिवार निःभुत्क चिकिश्मा सहायता, रियायर्त। दर पर प्राणास, ग्रुप भीमा योजना, ग्रुप श्रावास योजना, परिवार सहायता योजना, कैटीम सुविधायों श्रादि के हकदार हैं।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 8th September 1986

No. A. 32013/2/86-Admn. I —The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period shown against each or until further orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation '7' of U.P.S.C. (Staff) Regulations, 1958.

S. No	Name		Period
	S/Shri		
1	B. N. Arora		· 3-9-86 to 24-11-86
	B. D. Sharma		· 3-9-86 to 24-11-86
	D. R. Madan		- 3-9-86 to 24-11-86
4.			· 3-9-86 to 24-11-86
5.	S. D. Sharma		 25-8-86 to 24-11-86
	P. D. Srivastava	-	· 25-8-86 to 24-11-86

M. P. JAIN)
Under Secy. (Per. Admn.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERS. & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERS. & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 7th October 1986

No. S-20/65-AD.V.—Shri S. C. Angrish, Additional Legal Adviser/CBI relinquished the charge of his office in the afternoon of 30th September, 86 on superannuation.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 30th September 1986

No. O.II-143/69-Estt.—The President is pleased to appoint Shri C. M. Pandey, Addl. DIGP of CRPF to the rank of Deputy Inspector General of Police, in CRPF on provisional basis till further orders.

2. Shri Pandey took over charge of DIGP, CRPF, Kohima on 30-8-86 (FN).

No. O.II-2252/86-Estt-I.—The President is pleased to appoint Dr. Bhupendra Kumar Mehta as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the afternoon of 2nd September, 1986 till further orders.

No. O-II.2253/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Vivek Kumar as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in the temporary capacity with effect from the forenoon of 4th September, 1986 till further orders.

The 6th October 1986

No. D.I.56/85-Estt-I.—The services of Shri K. K. Mehta, 2-I/C/Asstt. Commandant, 65 Bn., CRPF are placed at the

disposal of the Export Inspection Agency, New Delhi (Ministry of Commerce) on deputation basis with effect from 16-9-86 AN.

The 7th October 1986

No. D.1.43/85-Estt-I.—The services of Shri P. S. Sahrawat, Assistant Commandant, Group Centre, CRPF, Imphal are placed at the disposal of I.B. (MHA), Govt. of India, New Delhi on deputation basis with effect from 27th June, 1986 (FN),

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estl.).

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 30th September 1986

No. 7(66)/5174.—In continuation to this Office Notification No. 7(66)8850 dated 6-2-1986, the ad-hoc appointment of Shri C. P. Bhatia as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended for further period from 1-8-1986 to 31-1-1987 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-1

New Delhi, the 9th October 1986

No. Admn.I O. O. No. 174.—Consequent on his attaining, the age of superannuation Shri G. C. Tuli, a Permanent Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st October, 1986. His date of birth is 22nd October, 1928.

M. L. KHURANA Dy. Director of Audit (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C. G. D. A.

New Delhi-110 066, the 30th September 1986

No. AN/II/2158-86.—Shri S. Q. Hussain, Pt. Section Officer (Accounts) who was promoted to the Officiating Accounts Officer's Grade with effect from 21-2-81 (FN) was reverted to the grade of Pt. Section Officer w.e.f. 8-4-85 (AN) due to his unsatisfactory performance during probation.

R, B, KAPOOR Addl. C.G.D.A. (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

Calcutta-700 001, the 3rd October 1986

Sub:—RETIREMENT

No. 8/86/A/E-1(NG).—On attaining the age of Superannuation, Shri Hari Prasanna Chakraborty, offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Upper Division Clerk), retired from service with effect from 30-9-86 (A.N.).

2. Shri Chakraborty has been transferred to the Pension-Fstablishment with effect from the same date.

S. DASGUPTA
Dy. Director General/Admn.
For Director General, Ordnance Factories

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110 001, the 23rd September 1986

No. A-6 247(31).—Shri T. K. Bancrice, permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Depu y Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Engineering Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta under Directorate General of Supplies and Disposals. New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 31st Augus', 1986 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAIII

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRAI AYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st October 1986

No. 6634B/A-19012(2-AKS)/85-19B.—Shri Ashok Kumar Sikdar is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI in the minimum of pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-9-86, until further orders.

A. KUSHAR(
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th August 1986

No. A-19011(242)/78-Fstt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Dipankar Nag, Officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th August, 1986, until further orders.

The 9th September 1986

No. A-19011(79)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri M. R. Ruikar. Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Superintending Officer (Ore Dressing) the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in he Indian Bureau of Mines w.e.f. 25-8-1986 (F/N).

The 9th October 1986

No. A-19011(154) '86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri S. K. Ghosh. Deputy Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Ore Dressing Officer in the Pay scale of Rs. 1300-50-1700/- in the Indian Bureau of Minnes w.e.f. the afternoon 25th August, 1986.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi-110 001, the 19th September 1986

No. 6/61/86-S II.—Consequent on his transfer from CCW, All India Radio, New Delhi on promotion, Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri R, P. Sharma as 17—306 GI/86

Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Rajkot but officiating at Delhi i.e. a place away from the Headquarters upto 31-10-1986 with effect from 4-9-1986 (PN).

B. S. SANDHU
Dy. Direc'or of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1986

No. 28/12/85-SII— The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Farm Radio Reporters to the post of Farm Radio Officer in a temporary capacity on regular basis in the Scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each until further orders:—

S. No.	Name	Station Where Posted as Farm Radio Officer	Date of Appoint- ment as Farm Radio Officer
I. Shri Λ	. N. Biswas ·	All India Radio, Kurscong,	23-7-86
2. Shri N	ingshing Rayson	All India Radio, Imphal.	25-8-86

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Admn. for Director General

New Delhi-1, the 9th October 1986

No. 4(72)/80-SI.—Shri A. Krishnamurthy, Programme I-vecutive, All India Radio, Bangalore resigned from Government service with effect from 10th July, 1986.

Dy. Director of Administration (WL)

for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DFPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)
DIRFCTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 3rd October 1986

No. 7-23/77-Adm.I.—On attaining the age of superannuation Shi H. R. Gauba, Assistant Entomologist (Group 'B' Gazetted) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage relinquished the charge of the post of Assistant Intomologist in the afternoon of 30th September, 1986.

R. L. RAJAK
Plant Protection Adviser
to the Government of India

Faridabad, the 7th October 1986

F. No. 7-15/86-Adm. I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri Kulsuman Singh Kanoor to the post of Surveillance Officer (Gr. 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-BB-35-880-40-1000 FB-40-1200 with effect from 17-9-1986 (FN) in a temporary capacity at Central Surveillance Station, Baramulla

(J&K) under the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, until further orders.

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 12th September 1986

No. NFC/PAR/0703/1699.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/1527 dated August 9, 1986, the appointment of Shri J. Survanarayana Rao. Assistant Arcounts Officer as Accounts Officer-11 in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 on adhoc basis is extended up to 1-10-1986 or until further orders, whichever is earlier.

The 4th October 1986

No. NFC/PAR/0704/1800.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/1672 dated September 10. 1986, the appointment of Shri N. S. Ajai Kumar, Steno Grade III as Assistant Personnel Officer in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis is extended into 29-10-1986 or until further orders whichever is earlier.

No NFC/PAR/0704/1801.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/1651 dated September 1 1986 he appointment of Shri A. Pappachan, Assistant Accountant as Assistant Personnel Officer in the scale off part of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis is extended upto 29-10-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323 303, the 7th October 1986

No. RAPS/Rect/2(17)/86/S/792—The Chief Superintendent. Raiasthan Atomic Power Station is pleased to appoint Smt. P. Henry a permanent Assistant Matron in RAPS as Matron (650-1200) in Raiasthan Atomic Power Station in an officiating canacity with effect from the forenoon of 18-9-1984 until further orders.

R. K. CHOPR A Assistant Personnel Officer (R)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 3rd October 1986

No. Ref: 05012/R7/OP/4172.—Chief Executive Heavy Water Projects, appoints Shri Revana Doralswamy, Assistant Security Officer, Heavy Water Project (Manugum) to officinte as Security Officer in the same project wef. May 9, 1086 (FN) to June 12, 1986 (AN) vice Shri V. K. Hiremath, Security Officer, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKITTY
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 017, the 29th September 1986

No. 020/1 (15·1)/86-Est-I—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of

the Department of Space on a temporary basis and until further orders:-

SI. No.	Name D	esignation E	Pate
	Kum. Revati Kadekar	Scientist/Engineer 'SB'	June 16, 1986
	Shri Muralcedha- ran. T.M.	Scientist/Engineer 'SB'	April 01, 1986
	Shri Ratish Rao B.	Scientist/Engineer 'SB'	March 20, 1986
4.	Shri R. Sunil	Scientist/Engineer 'SB'	June 30, 1986
	Shri P. Swameesh R. Aithal	a Scientist/Engineer 'SB'	June 30, 1986
	Shri K.G. Manjunath	Scientist/Engineer 'SB'	May, 20, 1986
1	Shri Prasanna Venkatesh. H.N.	Scientist/Engineer 'SB'	June 02,1986

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th September 1986

No. A-12025/1/84-ES.—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri G. Thamarai Selvan to officiate as Airworthiness Officer in the Scale of Rs. 700-1300 with effect from 9-9-1986 (FN) until further orders.

Shri G. Thamarai Selvan is posted in the Office of the Director of Airworthiness, Calcutta.

M. BHATTACHARJEF

Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 7th October 1986

No. 16/452/86-Ests-1.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Smt. Neena Chauhan Research Assistant Grade I, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun as Research Officer under Indo-Danish Project., Hyderabad under the Forest Research Institute & Colleges from the forenoon of 8th September, 1986, in a temporary capacity until further orders.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

COLIECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-400 020, the 7th October 1986

F. No. II/3E(a)2/77 Pt.III.—Shri N. J. Shah, Superintendent, Central Excise Group 'B' in Bombay-I Central Excise Collectorate has voluntarily retired on 1-9-86.

F, No. II/3E(a)2/77 Pt. III—The following Selection Grade Inspectors of Central Excise have on their promotion assumed charge as officiate Superintendent's Central Excise, Group

'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-I with effection the dates shown against their names.

	Date of assump- tion of charge.
	28-8-86 (AN)
	29-8-86 (FN)
	29-8-86 (FN)
•	5-9-86 (AN)

A. M. SINHA Collector

- -----

Coimbatore, the 29th August 1986

C. No. 1I/3/74/85-Estt.—The following Inspectors of Central Excise have been promoted to the grade of Superintendents of Central Excise (Group 'B') (Scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200) and posted in this Collectorate with effect from the dates mentioned against each:—

SI. No.	Name					men	f Appoint- t as Supd <i>t,</i> . 'B')
1 Shri l	M, Jayaraman					5-5-876	(FN)
	K.P. Parvathy					6-6-86	(FN)
	S. Ramamurthy				٠	18-8-86	(FN)
	K.A. Figredo		٠			9-7-86	(FN)
	H. Gnansraj	•	•	•		19-8-86	(FN)

G. V. NAIK
Dy. Collector (P&E)
for Collector

Indore, the 7th October 1986

No. 11/86 A—Consequent upon their promotion as Superintendent, Central Excise Gr. 'B' the following Inspectors of C.Ex. have assumed their charges as Superintendent, C.Ex. Group 'B' with effect from the dates as shown sgainst each:—

SI.	Name of the officer	Place of posting	Date of asssumption of	
No.			charge	
1. C.	. R. Jambhulkar	Supdt. C. Ex. (Statistics)	1-9-86 (FN)	
		Hqrs. Office, Indore.	1	
2. B	. P. Tiwari	Suptd. C. Ex. ; Rajnandgaon.	2-9-86 (AN)	
3. R	, K. Mishra	Supdi. C. Ex. Range-I, Nagda.	24-9-86 (AN)	

S. V. RAMAKRISHANAN Collector

Vadodara, the 24th September 1986

No. 24/86.—Shi B. L. Bhatt. Sr. Superintendent (Gr. 'A') of Central Excise & Customs, Hdgrs. Office, Tech. Section, Vadodara on attaining the age of 58 years on 8-9-86 will be retiring on superannuation in the afternoon of 30-9-86.

No. 25/86.—Shri R. M. Trivedi, Administrative Officer (Gr. 'B') of Central Excise & Customs, Division-II, Vadodata on attaining the age of 58 years on 17-9-86 will be retiring on Superannuation in the afternoon of 30-9-86.

No. 26/86.—Shri D. D. Lad. Administrative Officer, (Gr. B) of Central Excise & Customs, Bulsar on attaining the age of 58 years on 29-9-86 will be retiring on superannuation in the afternoon of 30-9-86.

SMT. VARALAKSHMI RAJMANICKAM Collector of Central Excise & Customs

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 30th September 1986

No. A-12026/2/86-Adm.B.—The President is pleased to appoint Shri G. George Paracken, a permanent Section Officer of the CSS as Assistant Director of Estates (Litigation) with effect from the forenoon of 12th Sept. 1986 until rurther orders vice Shri T. K. Gudoo who relinquished charge of his office with effect from the afternoon of 13-8-86.

LACHHMAN DASS Dy. Director of Estates (Estt.)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Dhupsons Rubber Industries Private Limited, Rajpur

Gwalior-474009, the 6th October 1986

No. 2488/PS/CP, 1985.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/S DHUPSONS RUBBER INDUSTRIES PRIVATE LIMITED, RAIPUR has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Shree Bansidhar Transport Company Private Limited. Blaspur

Gwalior-474009, the 10th October 1986

No. 695/PS/CP/2062.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shree Bansidhar Transport Company Private Limited, Bilaspur has this day been struct off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mis Cear Constructions Co. Ltd.

Bombay-400 002, the 8th October 1986

No. 718/31206/560/3.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ceat Constructions Co. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.
Allwin Holdings & Engineers Limited

Bombay-400002, the 8th October 1986

No. 717/31116/560/2.—Notice is hereby given pursuant o sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Allwin Holdings & Engineers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay on 24-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NARAYANI NILAYAM WARRIAM ROAD, COCHIN

Cochin-662 016, the 22nd September 1986

Ref. No. L.C. 803/86-87.—Whereas, I, H. V. UPADHYAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Wynad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Kalent'

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd., Alleppey by its Directors, S/S. R. Subramaniam and K. C. Eapen. (Transferor)
- (2) Mr. M. Meyyappan (Jr.) 106/Santhome High Road, Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.5th share of 323.25 acres of land with plantations and structures as detailed in Document No. 619 of Sub Registry Office, Kalpetta dated 6-2-1986 registered on 24-2-1986.

H. V. UPADHYAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-9-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NARAYANI NILAYAM WARRIAM ROAD, COCHIN

Cochin-662 016, the 22nd September 1986

Ref. No. L.C. 801/86-87.—Whereas, I, H. V. UPADHYAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Sv. No. as per schedule situated at Wynad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (*) of 1908) in the office of the registering officer at Kaleptta on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) M/s. Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd., Alleppey by its Directors, S/S. R. Subramaniam and K. C. Eapen. (Transferor)

(2) Mrs. Mccnakshy Meyyappan, W/o. M. Meyyappan, 106/Santhome High Road, Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 5th share of 323,25 acres of land with plantations and structures as detailed in Document No. 619 of Sub Registry Office, Kalpetta dated 6-2-1986 registered on 24-2-1986.

H. V. UPADHYAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 22-9-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE NARAYANI NILAYAM WARRIAM ROAD, COCHIN

Cochin-662 016, the 22nd September 1986

Ref. No. L.C. 802/86-87.—Whereas, I, H. V. UPADHYAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Wynad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1) of 1908) in the office of the registering officer at Kale; (on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M, 8. Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd., Alleppey by its Directors, S/S. R. Subramaniam and K. C. Eapen. (Transferor)

(2) Mr. M. Alagammai, W/o. Mr. R. Muthiah, 97/Santhome High Road, Madras-500 028.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 5th share of 323.25 acres of land with plantations and structures as detailed in Document No. 619 of Sub Registry Office, Kalpetta dated 6-2-1986 registered on 24-2-1986.

> H. V. UPADHYAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulam

Date: 22-9-1986

FORM ITNS-

و در الموادي المدار المدار المدار المدار المدارية المارية المارية المدار المستدارين المدارية المدارية المدارية (1) Mrs. Mohini Hiranand Chhablani and Mr. Umcsh Hiranand Chhablani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sarover Trade Associates Itd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Samuer Trade Associates Ltd. Netaji Subhas Road, Calcutta,

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II CALCUITA

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-51/R-II Cal/86-87.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. -- situated at Shree Nikel-II. Ashoke Road, Cul-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at С.А. ол 4-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area: 1753.59 ft. together with the car parking space, Flat No. 3F in Shree Nikel-II Ashoke Road, Cal-27. More particularly described in 37EH registered by the C.A. being No. 37EE 173 R-II/Cal/85-86 dt 4-2-86.

1. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwia Root Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ait to the following persons namely :--

Date: 19-9-1986

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE the CASE TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Renox Commercials Limited, 8. Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Mr. Atul Kotaruka, 95, Park St., Calcutta-17

(Transforces)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-52/R-II/Cal 86-87.-Whereas, I. I. K. GAYEN, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4. 3 tuned at Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule panexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A. on 10-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pushoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2294 sft. Flat No. 3A on the 3rd floor at 8, Raja antosh Road, Cal-27. More particularly described in 37FE Regd. by the C.A. being No. 37EE/178/R-II/Cal|85-86 dt. 10-2-86,

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwia Road Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-9-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Imarti Devi Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Fatehpuria Housing Development Pvt. Ltd. (Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 19th September 1986

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ACI. K. GAYEN, AC-53/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 15 situated at Alipur Park Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

C. A. on 10-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Area: 16k, 11ch. 1sft. situated at 15, Alipur Park Road, Cal. More particularly described in 37EE registered by the C.A, being No. 37EE/180/R-II/Cal/85-86 dt. 10-2-86.

THE SCHEDULE

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwia Rond Calcuta

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .— 18-306 GI/86

Date: 19-9-1986

Scal:

FORM ITNS-

(1) Bagri Synthetics Ltd.

(Transferor)

(2) Himdoot Investment Ltd.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-54/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and No. 12 situated at Alipur Ave. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 2-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/5th share of land measuring 17k. 4ch. 16sft. at 17. Alipur Ave. More particularly described in Deed No. 1-2991 d: 28-2-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I! 54, Rafi Ahmed Kidwia Kowa

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Sonl:

Date: 19-9-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Emel Projects Pvt. Ltd., 33A, Chowringhee Road, Calcutta.

(2) Saraf Holdings Pvt. Ltd., 21/1, Jatindra Mohan Ave, Calcutta

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACCUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcuti, the 19th September 1986

.. i. No. AC-55/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable prop: ity, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 12 situated at Alipur Ave.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

have been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 28-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to t theve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2/5th share of land measuring 17k. 4ch, 16sft, at 12. Alipur Ave, More particularly described in deed No. I-2992 dt. 28-2-86,

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Ki lwia Road Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mmely :-

Date : 19-9-1986

FORM ITNS

(1) M/s. S. P. Anand & Associates.

(Transferor)

(2) M/s. A & A Developments P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-56/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I.

I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable action is the 'said Act') have reason to believe that the immovable action is the 'said Act') have reason to believe that the immovable actions and the said Act's have reason to believe that the immovable actions and the said Act's have reason to believe that the immovable actions and the said Act's have reason to believe that the immovable actions and the said Act's have reason to believe that the immovable actions are said actions and the said Act's have reason to believe that the said Act's have reason to be action as a said action and the said Act's have reason to be action as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action actions are said actions as a said action action action action actions are said actions as a said action action action action action action action actions are said actions as a said action action action actions are said actions as a said action action action action actions are said actions as a said action property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 10 situated at Dhan Devi Khanna Road, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C. A. on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 5 Cottahs 13 Chittaks & 5 Sq. ft. situated at 10, Dhan Devi Khanna Road, Calcutta-54. More particularly described in 37EB registered by the Competent Authority being No. 37EE/167/R-II/85-86 dt. 3-2-1986.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwia Road Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sublection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19-9-1986

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 5th September 1986

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/86-87,—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Anthority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authorty on 10-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stafed in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/her
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice runder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Renox Commercials Limited, 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27

(Transferor)

(2) Smt. Imacti Devi Gupta, 5B, Penn Road, Calcutta-27.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Flat Nos. 1A & 1B on the 1st floor of the multistoried building. 4588 Sft. at 8, Raja Santosh Road, Cal.27. More particularly described in 37EE, Registered by the C.A. being No. 37EE/179/R-II/Cal/85-86 dt. 10-2-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwia Road
Calcutta

Date : 5-9-1986

- - - = =:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DITOLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4435/I/Acq/23|86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Three storeyed building in 41, New Jagnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 cf 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 24-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Middley of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Nirmalaben Hariprasud Bhatt, 41, New Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Prabhudas Narbheram Kamdar and Six Others Anupam Flats, Opp. Telephone Exchange, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkoper (West), Bombay-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Three storeyed Building in 41, New Jagnath Plot, Rajkot. R. No. 6637 dt. 24-9-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUNE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-360 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4733/II/Acq.23, 86--Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000. and bearing No.
Bunglow No. 57 at Saif Society Lanbe Hanuman Road,
R.S. No. 31, TPS No. 8, FP No. 7, Surat
(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Rasiklal Mulchand Shah 57, Saif Society Ltd., Lanbe Hanuman Road,

(Transferor)

(2) Lalitkumar B. Sanghvi, At 50, Saif Society, Lanbe Hanuman Road, Sugat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested. In the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 7768 dated 29-9-1986.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Date: 6-10-1986

Scal:

FORM: ITNS:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961. (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. P.R. No. 4734 Acq.23/II/86-87,-Whereas, J. B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 20, G.I D.C. Vapi with plant and machinery four B Type residential quarter and twelve C type residential

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

37EE despatched on 30-9-86 recd. on 3-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the paid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trumfalse for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 ed 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 nf 1**957**),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/a Mac Laboratories (P) Ltd., 20, G.J.D.C., Vapi.

(Transferor)

(2) M/s. Vapi Organic Chemicals (P) Ltd., 49, G.I.D.C., Vapi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made innwriting too the cundersigned a-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in this office on 3-10-86. The transaction is Dt. 2-9-86. It was despatched on 30-9-1986. The date of despatch is considered as the date of filing.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 6-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bipinchandra Thakorbhai Patel, Khadaki, Tal. Pardi. Dist. Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Sayras Dorabji Unwala, Udvada Tal. Pardi, Dist. Valsad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd October 1986

Ref. No. P.R. No. 4735 Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 292, 291, 293, 295, of

Moje Khadaki Tal, Pardi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Pardi on 16-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rully stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The form No. 37GE received from the office of SR Pardi in respect of transaction registered on 16-9-86 for A.C. Rs. 12,91,000/-.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—306 GI/86

Date: 3-10-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4433 Acq.23-1/86-87.—Whereas, I, B, R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at Ahmedabad, Khadia-III, Ward CS No. 1911 & 1912. Land Adm. 505,85 sq. mtrs. + 198.16 sq. mtrs.

+ Building thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ahmedabad on 30-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Inclinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

(1) Sakarlal Balabhai Public Charitable Trust, D-11/12, Silver Arc Building, Near Railway Crossing Gujarat College, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gujarat Law Society, Ellis Bridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, Khadia, Ward-III, CS No. 1911 and 1912, Land adm. 505.85 sq. mtrs. + 198. 16.28 sq. mtrs + Building thereon. R. No. 16638 dt. 30-9-1986

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4434 Acq, 23-1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
H.P. at Ahmedabad, TPS 20, FP No. 61, Land adm. 709 sq. yds.+ Building 296 sq. mtrs.

1 undivided share of it.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the registering officer at (16 of 1908) in he C Ahmedabad on 30-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Navnitlal C. Mody Family Trust, Managing Trustee: Smt. Sharda Navnitlal Modi, Shivaji Park, Dadar, Bombay-400 028.

(Transferor)

(2) Nila Janamshankar Mankad, Jodhpur Tekra, Satellite Road, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette. publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedahad, I undivided share of property, 'TPS 20 FP No. 61, paiki, Land 709 sq. yds. + Building 296.72 sq. mtrs. Ahmedabad. R. No. 16586 dt. 30-9-86.

> B, R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Savitaben Nandlal Pandya, and Sureshkumar Nandlal Pandya, Surya Mahal No. 2, Waghavadi, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mukeshkumar Trilokchand Chaudhary, Director of Trolok Ship Breakers Ltd. and Chaudhary Ship Breakers (P) Ltd., 32, Kway Street, Darookbana, Bombay,

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAR-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4424 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot Nos. 2267-B-2, 2267-B-1 and 2267-A adm, land 1906-08 sq. mtrs. at Hill Drive Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the registering officer at Bhavnagar on 26-6-86 & 14-7-86

Bhavnagar on 26-6-86 & 14-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in an able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect; of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plots Nos. 2267-B-2, 2267-B-1 and 2267-A adm. land 1906.08 sq. mtrs at Hill Drive, Bhavnagar S.R. Bhavnagar R. Nos 1836 Dt. 26-6-86 2043 dt. 14-7-86 and 2042 dt 14-7-86.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arrorsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1986

.......

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4125/Acq.23-L/86-87,---Whereas, I. B. R. KAUSHIK,

B. R. KAUSHIK.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 18-F-1 Anjaria Chambers, Second Floor, Block No. A. B. and C adm. 5622 Sq. ft=522.28 Sq. Mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the registering officer at Jamnagar on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as parced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M.s. Anjaria Estate Pvt. Ltd. Managing Director Shri Jawaharlal Sundarji Anjaria. Anjaria Chembers, K.V. Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) R. K. Shah Family Trust. Trustee Shri R. K. Shah Sumer Club Road, Jamnagar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given o that Chapter.

THE SCHEDULE

CS No. 18-F-1 Anjaria Chambers, Second Floor, Block No. A, B, and C adm, 5622 Sq. ft, ± 522.28 Sq. Mtrs.

R. No. 3014 dt. 26-9-1986

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 29-9 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACUQISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4426 Acq.23-1/86-87.-B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H.P. at Ahmedabad, TPS-3, FP No. 963, S.P. No. 20,

Land adm. 1123.95 sq. mtrs. Building

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and thta the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sushilaben Harilal Nathalal, Anand Apartment, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) P. K. Sanghavi, H.U.F., Daxaben Hiteshbhai Sanghavi, 'Govind' Sitalbaug, Mithakali Char Rasta, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferce)

(3) M/s. Kishan Bros. Pvt. Ltd., Sital Baug, Sardar Patel Nagar Road, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, TPS-3, FP No. 963, SP No. 20. Land 1127.95 sq. mtrs. 4 Building Nutan Co-op. Housing Society. Ahmedabad. R. No. 16566 dt. 29-9-1986.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30-9-1986

FORM I.T.N.S.

 Jitendra Shankarlal Patel H.U.F. Jitendra Nivas, Near Rangawala Towers, Gujarat College Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(1) M/s Prit Co-op, Housing Society (Proposed)
Organizer Kalpna Kiranbhai Nagarseth
586, Patel & Shah Building,
Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUQISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4427/1/Acq.23/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK,

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Adm. 976 Sq yds. 4- Building at Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any theorem arising from the transfers and for
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Ast, 1937 (27 of 1937)0

THE SCHEDULE

Land Adm. 976 Sq. M. + Building at Ahmedabad TPS 3/5, FP No. 595 SP No. 1. R. No. 16533 dt. 29-9-86.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 30-9-1986

FORM ITN3-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUQISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4428/1/Acq.23/86-87.-Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Adm. 976 Sy. yds + Building at Ahmedabad TPS 3/5 FP No. 595 SP No. 2
(and more fully described in the Schedulc annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedubad on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(h) facilitating the concealment of any income or any meneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sakarben Shankarlal Dawalbhai Patel, 'titendra Niwas', Near Rangwala Towers, Gujarat College Road, Ellisbridge, Abmedabad.

(Transferor)

(2) M s Geet Co-op. Housing Society (Proposed) By Organizer Shrutiben Kanshikbhai Patel Mukesh Dhirajlal Vora, 586, Patel & Shah Building, Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 976 Sq. Y. + Building at Ahmedabad TPS 3/5, FP No. 595, SP No. 2. R. No. 16534 dt. 29-9-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUQISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4429 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 5532 sq. yd. + Old Bldg. at Ahmedabad TPS 14, FP No. 233, S. No. 189

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 22-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

20-306 GI/86

(1) Aspi Dungaji Daruwala & Others, Viktor Willa-Raj Bhavan Road, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor) (2) Dungaji Apartment Co.op. Housing Society, (Proposed)

Organizer: Dahyabhai Chaturbhai Patel, Kamalkuni Society, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5532 sq. yd. + Old Bldg. Adm. 283.78 sq. mtrs. out of land 6242 sq. at TPS 14, FP No. 233, S. No. 189 Ahmedabad. R. No. 14386 dt. 22-9-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedahad

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Company of the contract of the

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABOD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4430 Acq 23-1/86-87.--Whereas, I. B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land adm. 401 sq. yds. + Building G.P. + F.F.T.P.S. 3, F. P. No. 214-B, S. P. No. 6, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lalitaben Shantilal Choksi, 2, Saryu Flats, Netaji Road, Mithakali Char Rasta, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gujarat Rajya Poultry Farmers, Co-op. Federation Ltd., 61, Sardar Patel Colony, Ahmedabad - 380 014,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 401 sq. yds + Building G.F. + F.F. adm. 111,20/ sq. mtrs. Ahmedabad, T.P.S. -3. F.P. No. 214-B, S.P. No. 6, R. No. 16543 dt, 29-9-86,

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUITTION RANGE-I, AND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABOD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4431 Acq 23-1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the nimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 709 sq. yds.+Building adm. 296.72 sq. mtrs. puiki, ½ undivided share at Ahmedabad, T. P. S. 20, F. P. No.

61. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 29-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) Navnitlal C., Mody Family Trust, Managing Trustee : , Sharda Navnitlal Mody, Shivaji Park, Dadar, Bombay - 400 028.
- (2) Anil Chandrakant Nanvati, 'Anil Villa', Paldi Char Rasta, Paldi, Ahmedabad - 380-006.

(Transferee)

(Transferor)

24837

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and to
- (e) caccitrating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, Land 709 sq. yds. + Building adm. 296.82 sq. mtrs. paiki, ½ undivided share - T. P. S. 20, F.P. No. 61, Ahmedabad.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABOD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4432 Acq 23-I/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Adm. 156 sq. yd. + Bldg. 50 sq. yd. T.P.S. 3 F.P. No. 169 S.P. No. 17 ptaiki East Side Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely :--

(1) Navnitlal Balubhai Desai, Sabarkunj - Nr. High Court. Navrangpura - Ahmedabad-9

Ahmedabad.

(Transferor) (2) Simandhar Shopping Centre Owner's Association, President: Nayan Natwarlal Gajjar, Prabhu Park, Maninagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nettoe in the Official Gazutte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 669 SP No. 17 paiki East Side Land adm. 156 sq. yd. + Bldg. 50 sq. yd. R. No. 16466 Dt : 26-9-86.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./RTK/73/85-86.-Whereas, 1. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 91 kanals 12 marlas situated at Kheri

Sadh Teh, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 5954 dated 19-2-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Dhup Singh S/o Nanak s/o Sh. Gordhan r/o Kheri Sadh Teh. Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Lal Chand School Society, (2) Lal Chand Nagar, Killa zafargarh Distt. Jind (Haryana) (through Sh. Ashavni Kumar s/o Sh. Sat Dev Sharma, r/o 7858/4, Naddi Mohalla, Ambala City.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 91 kanals 12 marlas situated at Kheri Sadh Teh. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5954 dated 19-2-86 with the Sub Registrar, Rohtak,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th October, 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq/RWR/30/85-86.—Whereus, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 63 kanals 11 marlas situated at Joniawas

Teh. Rewari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 3453 dated 19-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Mohan Exports India Pvt. Ltd., Mohan House, 7-Jamrandpur Community Centre, Kuilash Colony Extension, New Delhi (throug h Sh. Vivek Kumar S/o Sh. Shiv Kishore r/o Delhi Financial Controller).

(2) Purilon Limited, 7 Community Centre, Zamrudpur, Kailash Colony Extension, New Delhi.

(Transferee)

(Transferous

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 63 kanals 11 marlas situated at Joniawas Tch. Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3153 dated 19-2-86 with the sub Registrar, Rewari,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this action cander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th September

Ref. No. I. A. C./Acq./GRG/398/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as tac (at 1 Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. No. land measuring 15 bighas 16 biswas rukhta with residential quarters and shed, situated at Sikohpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot at Gurgaon undre Registration No. 6960 dated 28-2-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

f own

(1) Sh. Charanjit Singh Rekhi s/o Nand Singh s/o Sh. Nihal Singh r/o 28 Park Area, Karol Bagh, New Delhi (through Mukhtiare-am Sardar Kawaljeet Singh so Sardar Gurcharan Singh r/o 61-B/6, Utri Marg, Rajinder Nagar New Delhi.

(2) Sh. Ashok Kumar Jain Sh. Chander Bhan Jain r/o Maharam Nagar, Delhi Cantt. New Delhi-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 bighas 16 biswas pukhata with residential quarters and shed situated at village Sikohpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6960 dated 28-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act (hereby initiate propertions for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 29-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/62/85-86.—Whereas, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

No. land measuring 25 kanals 2 marlas situated at Village

Choma.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Gurgaon under Registration No. 6454 dated 3-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xeceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Deep Chand s/o Sh. Khema r/o vill, Bigwasan, Suba Delhi.

(Transferce)

(2) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 25 kanuls 2 marlas situated at Village Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6454 dated 3-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon,

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-9-86 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/SPT/2/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Factory building along with a kothi, a house and servant quarters with some vacant land situated at vill. Bahalgarh building alongwith a kothi, a house and servant

Teh, Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Soneput

under Registration No. 646 dated 12-5-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

21-306 G1/86

- (1) Sh. Tejender Singh so Sh. Karpal Singh S/o Sh. Sunder Singh r/o Amritsar 16 Court Road (Now N-1, Kirti Nagar, Delhi now Sonepat) (Transferor)
- (2) Mmritsar Swdeshi Woolen Mills, Ram Tirath Road, Amritsar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building alongwith a kothi, a house and servant quarters with some vacant land at Villago Bahalgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 646 dated 12-5-86 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

(1) Surjit Singh s/o Kirpal Singh r/o Amritsur, 16 Court Road (Now N-1, Kirti Road, Mukerar Kirti Nagar, Delhi).

(Transferor)

(2) Amritsar Swadeshi Woollen Mills, Rum Tirath Road, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION BANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/1/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Factory building along with a Kothi, a house and servant quarters with some vacant land situated at vill. Bahalgarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 343 dated 16-4-86, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building alongwith a kothi, a house and servant quarters with some vacant land situated at village Bahalgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 343 dated 16-4-86 with the Sub Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under srb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Yogesh Chander Munjal s/o Sh. Satya Nand r/o D-140 East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

 M/s Sona Steering Systems Ltd. 17 Parliament Street, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/15/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 15 kanals 3 marlas, Narsinghpur 43 kanals 12 marlas Begampur Khotala situated at Narisinghand Begampur Khotala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 334 dated 21-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration sudd that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives by that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 3 marlas situated at Narsinghpur and 43 kanals 12 marlas at Begampur Khatola and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 334 dated 21-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 17-9-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/1/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

No. Industrial plot No. 85 (2984 sq. yds.) with factory shed office, two block etc. situated at D.L.F. Industrial Estate No. 1 at Etmadpur, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 1266 dated 30-4-86,

at Faridabad under Registration No. 1266 dated 30-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); moneys or other assets which have not been

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manaly:-

(1) Sh. Yusaf s/o Sh. Usman Khatri

New Delhi

(2) Faij

s/o Sh. Uunisih Ismail Khatri

(Transferor)

(2) M/s Rare Edition Prints (P) Ltd., B-451, New Friends Colony, New Delhi. (Now Rare Edition Prints (P) Ltd. 85, D.L.F. Industrial Estate,

Mathura Road, Faridabad (Haryana).

(3) M/s Rang Jyoti Cotton,

92 Okhla Industrial Estate No. 3, New Delhi through Abwakar Khatri s/o Usman Abdula Khatri, Smt. Skeena Bai w/o Sh. Usman Abdulla Khatri, Smt. Roshan w/o Sh. Ismail Khatri r/o L-5, Kailash Colony,

partner and prop. of the firm). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 85 (2984 sq. yds.) with factory shed, office two blocks etc. in D.L.F. Industrial Estate No. 1 at Etmadpur, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1266 dated 30-4-86 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Dute: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/28/86-87.—Whereas, I, B, L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to may the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 46 kanals 1 marlas with tubewell, room, tree etc, situated at vill. Fazilpur Jharsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1122 dated 29-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfers and her.
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Sh. Mohan Lal
 Raja Ram
 Sh. Chayu Ram
 Sh. Lal Chand
 r/o Badhshahpur Tch. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Ratnavli Real Estate & Housing Private Limited, D-104, Som Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 46 kanals 1 marlas with tubewell, room tree etc. situated village Fazilpur Jharsa and as more mentioned the sale deed registered at Sr. No. 1122 dated 31-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C/Acq./GRG/26/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 bighas 3.1/3 biswas pukhta situated at Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 1066 dated 28-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the obejet of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Lekh Ram
(2) Mahavir
(3) Tirlok Chand
sons of Sh. Chandan Singh
(4) Smt. Krishna
(5) Smt. Bala
ds/o Sh. Chandan Singh
(6) Rattan
s/o Smt. Bal Dei
d/o Ram Chand
(7) Smt. Shanti
wd/o Sh. Chandan Singh
all r/o vill. Nothupur Teh. Gurgaon,

(2) M/s V. D. Investment J Agencies (P) Ltd., 21-22, Narinder Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bighas 3.1/3 biswas pukhta situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1066 dated 28-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s Gupta Construction Co., G-3/92, Deepali Nehru Place, New Delhi.

(2) M/s Shivalik India (P) Ltd., Kankhal, Haridwar (U.P.) (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/2/86-87.—Whereas I. B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 139 (1375 sq. yds.) with constructed part thereon. situated at D.L.F. Industhrial Area, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2072 dated 22-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period services later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 139 (1375 sq. yds.) with constructed part thereon situated at D.L.F. Industrial Area, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2072 dated 22-5-86 with the Sub Registrar Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/22/86-87.-Whereas I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 13 bighas 14.1/2 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 970 dated 23-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the et of any incom erfeite from
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Sh. Munshi.

- 2. Shiv Lal ss/o Sh. Prem Singh.
- Ram Pal s/o Sh. Chander.
 Smt. Bholi m/o Shiv Ram.
- 5. Mange Ram s/o Shiv Ram.
- 6. Imarti wd/o Shiv Ram.
- 7. Ho Ram s/o Mehru r/o Nathupur Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s D.L.F. Universal Ltd. 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning he given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 bighas 14.1/2 biswas situated at vill. Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 970 dated 23-5-86 with the Sub-Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/411/86-87.—Whereas I, B. I. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. and measuring 103 kanals 7 marlas with factory shed situated at village Panhera Teh. Ballabgarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at of Ircome-tax Rules. 1962 at Roh'ak under Registration No. 37EE/411/86-86/385 dated 27-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) the cilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following reasons, namely:—22—306 GI/86

(1) The Printers House Pvt, Ltd. 10 Scindia House, Connaught Circus, New Delhi-110001.

Transferor(s)

(2) M/s Indo Graphic Art Machinery Co. Ltd. M-1, Connaught Circus, New Delhi.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 103 kanals 7 marlas alongwith factory shed and as more mentioned in the agreement deed dated 26-5-86 which was registered with this office office under No. 37EE/411/86-87/385 dated 27-5-86.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dhoja s/o Shri Mohra. Shri Parma s/o Sri Meeru r/o Ifassa Tch. Gurgaoa.

(Transferor)

[PART III-SEC.

(2) M/s Unitech Limited, 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 23rd September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/24/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing

No, land measuring 43 kapals 1 marlas si uated at Vill. Jharsa Teh, Gurgaon

(and more sulfy described in the Cohodule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Gurgaen under Registration No. 983 dated 24-5-36 of Incometax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforescial property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- in feelitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- the facilitating the con-matricest of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displayed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) we the solid Act of the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeself monenty by the june of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 43 kanals 1 marias situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 983 dated 24-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 23-9-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **ROHTAK**

Rohtak, the 1st August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/20/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land 20 kenals 13 marias

situated at vili. Cartarpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 877 dated 19-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

galler tog at the contract to (1) Shri Sawan Ram s/o Shri Udha Ram r/o Deiai Koad, Gurgaon.

(Transferor) (2) M/s Ancal Housing Finance and Leasing Co. Ltd., '115 Ancai Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cilicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in:movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 13 marlas situated at Cor, arpuri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 877 dated 19-5-86 registered with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-8-1986

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/21/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. land measuring 34 kanais 8 marlas situated a. vill. Kanhai Tch. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 899 dated 20-5-86 for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by market than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act. 1957 (27 of 1957);

 S/Sh. Maman, Sh. Amar Singh ss/o Sh. Nonda, Sh. Bakhtawar s/o Sh. Har Dhyan r/o Kanhai Teh. Gurgaon

(2) M/s Ansal Properties Industries (P) Ltd.
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gendhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals 8 marlas situated at vill. Kanhai Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 899 dated 20-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 1-8-1986

(1) Sh.i Ghelu s/o Shri Teka, Smt. Bhagwanti etc. r/o Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Unitech Builders Pvt. Ltd.
6 Community Centre, Saket, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/25/86-87.—Wereas, I, B. L. KHATRI, being the Competer't Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 27 kanals 1 marla situated at v.ll. Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at Gurgaon under Registration No. 1065 dated 28-5-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used become as are defined at the control of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 27 karnls 1 marlas situated at village Iharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1065 dated 28-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Robiak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/23/86-87.—Wereas I, B. L. KHATRI,

being the Compotent Authority and of Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 6 bighas 14-1/2 biswas pukhta situated at violation and are

situated at vid.hu ur, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transfer a unteer the large ration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering officer at

Gurgaon under a optimistic a two, 971 on or 23-5-86 to the apparent source which was a first than the foir market value of the poperty and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as afore ald exceeds the apparent consideration therefore by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, said of
- (v) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be assetsed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the send Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiten of the aforesaid rrpperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Nahideo Housing Pvt. Ltd., 101 Magdum House, Opposite Milan Cinema, Nazafgath Road, New Delhi. (the gra Smi M. R. Jyoti s/o Shri P. D. Gupta 1/o 29-54, Punjabi Figh, New Delhi). (Transferor)
- (2) M/s D.L.F. Universal Ltd. 21-22, 14. readen Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bighas 14.1/2 biswas pukhta si uated at Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 971 dated 23-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Rei. No. I.A.C./Acq./GRG/27/86-87.-Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing

No. land measuring 44 kanals 16 mailas

with tubewell and room,

situatec at vill. Fazilgur Jharsa, found rare fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Frankforn set. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaen under Registra ion No. 1121 dated 31-3-1936, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice visits subsection (1) of Section 269D of the said Act, to his formwing persons namely :--

- (1) Shr. Saram Dass e/o Shri Tola Ram Roman Let s/o Rahliya Ram Sinjev Kumar bull bal weedw Alha Radi Sita Devi ds/o Shri Sadhu Ram s/o Inah Lass r/o Baunchthour Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) Ratnavli Real Estate and Housing Private Limited, D-104, Som Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days treathe service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, sha'l have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 16 marlas with tubewell and room situated at village Fazi our Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1121 dated 31-3-86 with the Sub Registrar Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/3/86-87.—Wereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable monerty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. plot No. 29 NH-1.

situated at Railway Road, Neelam Bata Road, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridabad under Registration No. 2276 dated 29-5-86 for an appaint consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as a oresaid execeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sardar Amarjit Singh Dugal
 Sardar Gurbachan Singh Dugal
 Solo late Dr. R. S. Dugal
 S-489, Greater Kailash, Part III,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Yuva Motors Pvt. Ltd., B-70/81, DSIDC Complex, Lawrence Road, Industrial Area, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 29, NH-1, Railway Road, Neelam Bata Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2276 dated 29-5-86 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/32/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 4 bighas 14 biswas situated at village Nathupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Gurgaon under Registration No. 1267 dated 5-6-86 of Income-tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-30ns. namely:-23 - 306 GI/86

(1) 1. Shri Mam Chand s/o Lal Singh

2. Mikkan

3. Umrao 4. Lakhi

- 5. Hukam Singh ss/o Sh. Jasram,
- 6. Ratti Ram ss/o Ram Singh,
- Brahmpal
- Sureshpal
- 9. Ram Pal
- 10. Bhagtu ss/o Duli 11. Smt. Mahinder 12. Smt. Kamlesh
- Raju daughters and Smt. Sarbati wd/o Shri Duli Chand r/o Nathupur.

(Transferor)

(2) M/s D.L.F. Universal Ltd. 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 14 biswas situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1267 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

(1) Subedar Ramkanwar s/o Shri Ram Singh r/o Vill. Kanhai Teh. Gurgaon.

(2) M/s. Ansal Housing Financial and Leasing Co. Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF DUDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/30/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land 61 kanal as 9 marias

situated at vill. Kanhai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 4265 dated 5-6-86 of Income-tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 61 kanals 9 marlas situated at village Kanhai Teh, Gurgaon and as more mentioned in the sale dued registered at Sr. No. 1265 dated 5-6-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 17-9-1986

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/43/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. land measuring 12 kanals/6 marlas situated at Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908 (16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1591 dated 17-6-86 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :---

(1) Sh. Jay Narain s/o Sh. Jug Lal s/o Sh. Harnam r/o Sukhrali Teh. Gurgaon,

(Transferor)

24861

(2) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals 6 marlas situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1591 dated 17-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-86 Seal:

(1) Sh. Rughbir Singh s/o Raje s/o Sh. Bhajjan r/o Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/44/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 28 kanals 174 marlas situated at village

Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 1601 dated 17-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(2) M/s New India Construction Co. Ltd., 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 28 kanals 17.1/2 marlas situated at village livarsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1601 dated 16-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

THE SCHEDULE

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-9-86

(1) Sh. Puran Singh s/o Sheo Chand s/o Sh. Bhajan r/o Iharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s New India Construction Co. Ltd. 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

•

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

that Chapter.

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/39/86-87.—Whereas, I, B, L, KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 40 kanals 11 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 1458 dated 12-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in

publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanals 11 marlas situated at village Jharsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1458 dated 12-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/40/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 3 bighas 3 biswas pukhta situated at village

Sikenderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1459 dated 12-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) (1) Sh. Rajinder Singh (2) Mahender Singh sons(3) Smt. Kamlesh (4) Parmlesh alias Bimlesh (5) Smt. Suresh (6) Sarlesh daughters (7) Smt. Bidhya widow of Sh. Ram Kanwar s/o Sh. Kanwar Singh (8) Sh. Meer Singh s o Smt. Ram Kali d/o Sh. Kanwar Singh (9) Smt. Murti d/o Sh. Kanwar Singh (10) Sh. Nahar Singh s/o Sh. Kanwar Singh r/o Sikenderpur Ghosi Tch. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s R. K. Enterprises Pvt. Ltd., 45/1, Krishna Bhawan, H-Block, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explant later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 3 biswas situated at village Sikenderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1459 dated 12-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak

Date: 11-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. $1.A.C./\Lambda cq/GRG/31/86-87$.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 3 bighas 7 bigwas situated at Vill. Nathupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred 'under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1268 dated 5-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration No. 1208 dated 5-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sh, Mikhan (2) Lakhi (3) Umrao (4) Hukam Chand ss/o Iasram uraf Jasmat (5) Mam Chand s/o Lal Singh Gujar by caste r/o village Nathupur.

(Transferor)

(2) M/s. D.L.F. Universal Ltd., 21-22, Narendra Place, Parliment Street, New Dolhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 7 biswas situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1268 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/47/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 bighas 17 biswas pukhta situated at village Nathupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1637 dated 18-6-86

Gurgaon under Registration No. 1637 dated 18-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Chandan (2) Hari Kishan (3) Lala Ram ss/o Sh. Harbans (4) Smt. Chander (5) Smt. Kalo uraf Kalawati (6) Smt. Vati (7) Smt. Imarti ds/o Sh. Harbans (8) Kulha uraf Bulia s/o Sh. Bholu r/o Nathupur Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Gulmohar Estates Pvt. Ltd. 415 Devika Towers, Nehru Place, New Delhi.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 17 biswas pukhta situated at vill. Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1637 dated 18-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 11-11-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Sh. Mikhan (2) Lakhl (3) Umrao (4) Hukam Chand ss/o Sh. Jasram uraf Jasmat (5) Mam Chand s/o Lal Singh Gujar by caste r/o vill. Nathupur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. LA.C./Acq/GRG/34/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 14 kanals 8 marlas situated at vill. Dundahara

Tch. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1269 dated 5-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid effects are consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(2) M/s D.L.F. Universal Ltd.. 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichover period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Dundahera and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1269 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon

> B. L. KHATRI Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

№—306 GI/86

Dato: 17-9-86 Seal #

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/35/86-87,—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Innome-text Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to assume 'said Act'), have reason to believe that the immovable presents having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 31 kanals 5 marlas situated at vill. Jharsa

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1328 dated 7-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incomp. tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sh, Sis Ram (2) Ram Nath ss/o Sh., Rup Chand r/o vill. Jharsa, Teh, Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s, Unitech Investment Ltd., 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 31 kanals 5 marlas situated at vill. Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at \$r. No. 1328 dated 7-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infiliate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 4-8-86

PORM ITNS-

(1) Smt. Kaushiya wd/o Sh. Kailash Chand r/o Ram Lila Ground, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/29/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 159 kanals 7 market situated at vill. Jharsa

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1263 dated 5-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) fucilitating the reduction or evaplen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

(2) M/s Unitech Ltd. M/s Unitech Investment (P) Ltd. 6-Community Centre, Saket, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days front the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 159 kanals 7 marlas situated at village Jharsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1263 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 23-9-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/36/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 bighas 10 biswas pukhta with tubewell and kotha situated at Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1330 dated 7-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid proceeds the apparent consideration therefore by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inhility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposet of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sint. Atri Devi (2) Smt. Kela Devi ds/o Sh. Ram Chander r/o Chakarpur Teh. Gurgaon (through Dharmender Yadav s/o Sh. Siri Chand Yadav r/o vill. Chakarpur).

(Transferor)

 M/s D.L.F. Universal Ltd., 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bighas 10 biswas alongwith tubewell and kotha situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1330 dated 7-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Date: 17-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/45/86-87.—Whereas I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. II imeasuring 4840 sq. yds. situated at Maruti Industrial Area, Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1671 dated 20-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen parcent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Savitri Devi Kohli w/o Sh. Kailash Chand r/o R-50, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Munjal Showa Ltd., D-140, East of Kailash, New Delhi-65.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined inChapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 11 measuring 4840 sq. yds. situated at Maruti Industrial Area, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1671 dated 20-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/52/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. land measuring 24 kanals 11 marlas situated at vill. Sukhrali

land measuring 24 kanals 11 marlas situated at vill. Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2185 dated 15-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the sald Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Vijaypal Singh s/o Sh. Bhawar Singh
(2) Sh. Aridaman Singh s/o Vijaypal Singh
r/o Jatoli (3) Sh. Anjali Devi
w/o Sh. Yudhishater Singh
s/o Sh. Bahadar Singh
r/o Bajeka Teh. Sirsa (4) Smt. Manjoo Devi
w/o Sh. Dalbir Singh
r/o Yamunanagar Teh. Ambala.
(Transferor)

(2) M./s New India Construction Co. Ltd. 6 Community Centre, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 kanals 11 marlas situated at village Sukhrali Teh. Guragon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2185 dated 15-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-9-86

Company of Character Company of the Company of the

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Sh. Karan Singh 2. Bal Rum ss/o Sh. Harnam r/o vill. Silokhra Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Investment Ltd., 6 Community Centre, Saket. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. J.A.C./Acq./GRG/51/86-87.-Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land measuring 30 kanals 8 marlas situated at vill. Silokhra
Gurgaon under Registration No. 1958 of Income-tax Rules, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 1958 dated 5-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saki immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 30 kanals 8 marlas situated at village Silokhra and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1958 dated 5-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Sald Act to the following persons, namely :---

Date: 17-9-1986

Seel :

(1) Sh. Tej Ram s/o Sh. Mohar Singh r/o vill. Tikri Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Sahyog Co-operative Housing Society Ltd., Vill. Tikri, Teh. Gurgaon. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/42/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI,

B. L. KHAIKI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 7 bighas 17 biswas situated at vill. Tikri Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1537

dated 14-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 bighas 17 biswas situated at village Tikri Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1537 dated 14-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date · 26-9-86

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37E/117/86-87.—Whereas, I ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the same Act.), have reason to believe that the initionals property, having a fair market value exceeding Rs. 1,30,000/- and bearing No. Plot No. 3, Hissa No. 7, S. No. 40 of Village Kulgaon, Tal. Ulhasnagar, Plot No. 2, Hissa No. 7, S. No. 40 of village Kulgaon, Tal. Ulhasnagar, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 40 of Village Kulgaon Tal. Ulhasnagar situated at Kulgaon, Ulhasnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Ulhasnagar on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen puricent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer: and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sects which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25 -306 GI/86

 Smt. Sudha Shrikrishna Barve and Others. Smt. Vrinda Umanath Kanthak of Ghatkopar, Bombay.

(Transferos)

(2) Sharvari Co-op. Housing Society 1td., Kulgaon: Near Forest Office, Katrap Road, Kulgaon, Tal. Ulhasnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the Sub Registrar Ulhasnagar under document No. 728/86 dt. 7-2-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

E PPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/907/1985-86.—ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have case to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. Immovable property bearing Survey No. 65A/1A/2A and 65/1A/2B/1 at Kopargaon Manmad Road, Yeola, Dist. Nasik situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1988

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer: and/or
- ab) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Vadion Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weight act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vichnudas Vallabhdas Patel,
 2. Shri Bhushan Vishnudas Patel,
 Yeola, 'Fal. Yeola, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) M/s. Giriraj Construction Co. "Shivalaya" Plot No. 4A Chempur Govandi Road, Chembur, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notic. On the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Survey No. 65A/1A/2A and 65/1A/2B/1 at Kopargaon Manmad Road, Yeola, Dist. Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 907/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquedition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to he following persons, namely:—

Date: 31-7-1986

NUMCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nap Automotive Products Pvt. Ltd. 5 Mukut, 20 S.V. Road, Bandra, Bombay. (Transferor)

(2) M/s Schemes Switchgears Pvt. Ltd. B-112, Hira Panna, Haji Ali, Bombay-26. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/371/E, 14701/1985-86 -- Whereas, I. ANJANI KUMAR,

being the Competer Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 358 & 359 Thane Industrial Area, (M.I.D.C.) Village Panchpakhadi, Tal. Thane. Dist. Thane cituated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar 1986 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the position has not been truly stated in the sent master; as the confer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the inverter; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this trace in the Official Gazette.

FYPTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 358 & 359 Thane Industrial Area, Village Panchpakhadi, Tal. Thane, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 14701/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANIANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Non, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 3 hereby initials proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following senses namely:—

Date: 5-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/8214/1985-86.--Whereas, I ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7th floor, Devi Heights, 269-270/1 Shaniwar Peth, Pune

situated at Pune .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

I.A.C., Acqn. Range, Punc on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act. in report of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Devi Construction Co., 1161/10 Devi Niwas, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) The Cosmos Co-operative Bank Ltd., 612 Sadashiv Peth, Laxmi Road, Kunte Chowk, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7th Floor, Devi Heights, 269-170/1 Shaniwar Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Pange, Punc, under document No. 8214/1985-86 in the month of March 1986).

ΑΝΙΛΝΙ ΚUMAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-spection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-7-1986

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/8009/1985-86/37EE.--Wherea:, I ANJANI KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and building at C.T.S. No. 123, Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Mitten per cent of such appearent countries and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of ;-

- a) Incilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- in it ditates the concentrary of any recome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Anant Ramchandra Gondhalekar, Mrs. Laxmi Anant Gondhalekar, Chandrashekhar Anant Gondhalekar, 123 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) M/s. Siddharth Promoters & Builders, 16 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said itmi. At able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

123 Shukrawar Peth, Land and building at C.T.S. No. 123, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8009/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 5-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8146/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow at Plot No. 263/268 Sindh Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the somelderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tast under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Jamadas Bhojraj, 263/268 Sind Co-operative Housing Society, Aundh, Pune.
- (2) Kumar Vishnudas Advani, 144/421 Sind Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow at Plot No. 263/268 Sind Co-operative Housing Society, Aundh, Fune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8146/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 30-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8077/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Rs. 1,00,000 and bearing Rs. 1,00,000 and bearing Hissa No. 10, C.T.S. 26/1+2+3+4. Dahanukar Colony, Kothrud, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the commonation for such apparent consideration and that the commonation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sushila Dinkar Bedekar, Smt. Sukanya Sudheer Agashe, Shri Sudheer Dinkar Bedekar, Geetali Apartments, P.Y.C. Colony, Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Tropical Builders, 1225 Subhashnagar, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ciazerte.

EXPLANATION :-- The forms and Expressions used herein as

Are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

THE SCHEDULE

Hissa No. 10, C.T.S. 26/1+2-1-3-1-4, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Rauge, Pune, under document No. 8077/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now therefore in rursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid respectly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 31-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ravi Estate Corporation, 1161/10 Devi Niwas, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) The Cosmos Co-operative Batik Ltd., 612 Sadashiv Peth, Laxmi Road, Kunte Chowk, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8215/1985-86.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5th & 6th floors Devi Heights, 269-270/1, Shaniwar Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCREDULE

5th and 6th Floors Devi Heights, 269-270/1 Shaniwar Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8215/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1986

PART [[I-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Paidipati Jajraj & Smt. P. J. Savitridevi, 593, 19th Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Dadhe & Ruikar. 2007 Tilak Road, Punc.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8382/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 129, Plot Nos. 48, 49, 50, 51, 56 & 57, Ideal Colony,

Kothrud, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; sad/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 129, Plot Nos. 48, 49, 50, 51, 56 & 57, Ideal Colony, Kothrud, Tal. Haveli, Dist. Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune, under document No. 8382/1985-86 in the month of Mar. 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 31-7-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

26 - 306 GI/86

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/12313/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 102, on floor, in "NIRAN AMRUT" at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Vasai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Mar. 1986

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nirman Associates, 40-41 Vishal Shopping Control Sir M. V. Road, (Astinated by Word), Andheri (E) Bourley.

(Transfuror)

(2) Mr. Jose David & Mr., Principle.
C/o Grand Marble Industries.
22 Sona Udyog Parace Personal Andheri (E).
Bombay.

(Tannaferee)

Objections, if any, to the acquestion of the acid property may be made in writing to the under agreed :---

- (a) by any of the aforestic serious with a preceded of 45 days from the drive of a life from the interesting from the Official Gazation to continuous and the resting the service of notice as the latter whichever period scales here.
- (b) by any other person interested in the said immorphise property, within 45 days from the date of the nublication of this actual in the form the first of the said immorphise.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on first floor in Nirman Amrut at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Natatomare (W) Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the act atoms to sale registered in the office of the IACL Acquisition beings, Pune, under document No. 12313 1985-86 in the month of Mar. 1986)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Compilationer of Income-tax
Admission Page Poona

Date: 11-9-86

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE AND LESSON ON 269D (1) OF THE INCOME-PLAY 2011 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSELCENCE ASSIT, COMMISSIONER
OF NOOMETAX
LEO ESITION RANGE
PUNE

Pane, and 18th March 1986

Res. No. IAC /Acq/C %-5/37HE/8318/1985-86.— Whereas, I. ANA. (CAMAR), being the clong test Achieve under Section 269B of the factor of the computation and the computation of a 2661) (hereinafter referred to at the control of the control of a 2661) (hereinafter referred to at the control of the control of

- the artistanting say techniques at evention of the Habellite .1 the training an evention the said Act, in the space of any technique well-time the training of the said training
- moneys of care of which have not been or which engine of a substitution of the purposes of the sydner mesmodax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act of the Wealth-tail, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, a paramete of Section 269C of the said fact, I horsely initiate proceedings for the acquisition of the anoterized property by the assess of this notice under respection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Sulbha Bahurao Apte. 33, Audh Road, Kirkee, Pune.

(Transferor)

(2) Deshmukh Builders Pvt. 1.td.
3/2 Bina Shopping Centre,
164, Sir M. V. Road,
Andheri (E),
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. Nos. 41-A1/2, 41-A1/3 and 41/1 (41-A1/4) Bopodi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8318/1985-86 in the month of March, 1986).

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 18-3-1986

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 12th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8657/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 1-B, Plot Nos. 61 to 71 and Part of 91 bearing C.T.S. Nos. 1840 to 1850 and Part of 1851 at Chinchwad. Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Punc on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trausfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersone, namely :-

(1) Shri Gopal Laxman Gokhale & Others Geetabaug, Chinchwad, Punc.

(Transferor)

(2) M/s. Palresha-Varia Associates Natraj Tea Depot, Om Mahavir Society, Yerwada, Pune-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of Survey No. 1-B beating Plot Nos, 61 to 71 and Part of 91 and bearing City Survey Nos. 1840 to 1850 and Part of 1851 at Village Chinchwad, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8657/1985-86 in the month of Jan., 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1986

FORM ITNS (1) M/s. Gh

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12317/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 on ground floor in New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 29-B, Sector-4, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ghruh Builders, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road), Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Gopal Devarajan, 3/156, Paradise Building, Sion (W), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 ground floor in New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12317/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Date: 20-3-1986

to a company of the c

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5|37EE|13406|1985-86.-

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income tax acts and act of the income tax acts and acts are taken to be income to be income to the income tax acts and acts are taken to be income to the income tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts are tax acts and acts are tax acts are tax acts are tax acts and movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 303 on third floor in New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A.C.. Acqn. Range, Pune on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:---

(1) M/s. Ghruh Builders, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Abaji R. Mote, C/o A. D. More, B-3 Type, 14-3-2, Sector No. 4, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this active in the telecial Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on third floor, in "New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd., Plo. No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bomaby.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Arguid tion Range, Pune, under document No. 13406/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Prine

Date: 20-3-1986

JUNE TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

DEVERNMENT OF INCHA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUELTION RANGE PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8357/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (4) in 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have cough to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2. So 1000 Apartments. Econdwane, Pune-14 situat-

ed at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer a unit r the Ensistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the resisteing officer at I.A.C., Acqu. Plange, Pene in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair warke. Value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per ant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) regulariant the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Talwalkar & Bhalerao, Anant Apartments, 1145, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Vaijayanti S. Ramdasi, 3, Pancharatha Housing Society, Poudphata, Erandwane, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ewaroop Apartments, Erandwane, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8357/1985-86 in the month of March, 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid groperty by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5|37EE|8907|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 305, third floor, Necta Corner, House No. 72, New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3 situated at Pune

fand morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Kumar Jain & Associates, 183, Bhavani Peth, Pune-42.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Motilalji Sonigara, 58/4, New Bazar, Kirkee, Pune-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, third floor, Nesta Corner, House No. 72, New Buzar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3.

(Area 580 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 8907/1985-86 in the month of January, 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 11-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kumar Jain & Associates, 783, Bhavani Peth, Pune-42.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Shantilal Sonigara, 55/3, New Bazar, Kirkee. Pune-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8906/1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 306, 3rd floor, Neeta Corner, House No. 72, New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) incilitating the concealment of any income or uny moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons namely :-

27-306GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the gaid inmovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, third floor, Necta Corner, House No. 72, New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune. (Arca 590 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8906/1985-86 in the month of Jan., 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kumar Jain & Associates. 783, Bhavani Peth, Punc-42.

(Transferor)

(2) Mr. P. C. Sonigara, 55/5. New Bazar, Kirkee, Pune-3.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5|37EE|8905|1985-86.— Whereas, 1. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoverle property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2014, third floor, Neeta Corner, House No. 72, New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t answered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Ac in. Fange, Pune on January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe the the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fallitating the concealing of any income or any raphy, or other sends which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, third floor, Neet Corner, House No. 72, New Bazar Kirkee of G.L.R.S. No. 27/1582, Pune. (Area 580 eq. ft.)

(Prope ty as desc ibed in the agreement to cale registered in the office of the I.A.C.. Acquisi on Range, Pune, under document No. 8905/1985-86 in the month of Jan., 1986).

ANIL KUMAR
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, Vardhaman Bunders, 839, Rasta Peth, Punc.

(Transferor) (s)

(2) Shri P. U. Desarda, 339, Rasta Peth. Pune-11.

(Transferee) (8)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 2nd May 1986 Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8309/1985-85.— Whereas, I, ANIL KUMAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 103, Godown No. 4, CTS No. 339, Rasta Peth,

Pune-11 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act 1508 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. 100/06

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in than ". America

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Godown No. 4, C.T.S. No. 339, Rasta Peth. Punc-11

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8369/1985-86 in the month of March, 1986).

> ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12718/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat Nos. 3/4/5 on ground floor in Mitha Towers at Plot No. 41, D.B.C. Sec. or 17, Vashi, New Bombay situated at Vashi New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mitha Estates, 612, V. N. Purav Marg, Chambur, Bombay.

(2) M/s. Abumarble Mining Pvt. Ltd., 59, R. A. Kidwai Road, Kings Circle,

(Transferee) (8)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 3/4/5 on ground floor in Mitha Towers, at Plot No. 41, D.B.C. Sector 17, Vashi, New Bombay. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 12718/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12719/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, seing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1s. 1,00,000/- and bearing flat No. 3 & 4 on 8th floor in Mitha Towers, Plot No. 41, Sector 17. D.B.C. Scheme at Vashi, New Bomaby situated at Vashi, New Bombay and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeiring Officer at LA.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986

or an apparent consideration which is less than the fair parker value of the aforemal property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforemal scheduler the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in this said instrument of ransfer with the object of i---

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mitha Estates, 612, V. N. Purav Marg, Chemubr, Bombay.

(Transferors)

(2) Shri Manmohan J Shitole & Shri Baraokar Pratap V-102, Kasba Peth, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3 & 4 on 8th floor in Micha Towers, Plot No. 41. Sector 17, D.B.C. Scheme at Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No 12719/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Dato: 28-4-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12022/1985-86.— Whereas, I, A.HL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Immovable p operty bearing S. No. 132/1(p) and 135/6 (P) Kolshet Read, Balkum, Thane's uated at Thane (and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is 'ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Umilabai Laxman Bhagwat, Fradhan Build.ng, Near Thune Ranway Station. Thane (W).

(Transferor)

(2) M/s. Esdee Paints Pvt. Ltd. 203, Navketan Building, Chembur, Bombay. Bombay.

Mariana and the control of the contr

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property eray be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing S. No. 132/1(p) and 135/6 (p) Kolshat Road, Balkum, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under decument. No. 12022/1985-86 in the month of March,

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 6-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, hte 28th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14952 1986-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent athorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Plot of land bearing (1) City Survey No. 123A(3) Part, Tika No. 12, S. No. 227A, H. No. 3, 2, City Survey No. 123B, Tika No. 12, S. No. 227C situated at Charai, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IA.C. Acqn. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and manufacture of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any socione or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshibston Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I berely initiate proceedings for the acquisition of the aforestid atometry by the usus of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, manners and

 Smt. Sonabai Anant Pawar, Agra Road, Charai, Thane,

(Transferor)

(2) M/s S. P. Enterprises, Mulyc House, Edulji Road, Charai, Thane (W).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by one of the aforesaid persons within a period of 45 loss from the date of publication of this motive in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 2 inchever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 48 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P.o.t of land bearing C. S. No. 123A(3) Part Tika No. 12, S. No. 227A. H. No. 3, 2, City Survey No. 123B, Tike Fo. 12, S. No. 227C at Charai, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune under document No. 14952/1985-86 in the month of Mar. 1986)

ANTL KUWAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 28-4-1986

Scal:

FORM ITNS (1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13247/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac.'), have reason to believe that the immovifiat No. 208 on 2nd floor in building Lok Shilp Plot No. 59, Sector 17, Vashi New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqu. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lalit C Gandhi,
 Lok Shilp Co-operative
 Hsg. Scc. Ltd. 14 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road, Andheri (E) Bombay.
 (Transferor)
- (2) Shri C. S. Narayanan, Flat No. 1, Sanarth Sainath Niketan C.H.S. 5th Road, Pestom Sagar Chembur, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 on 2nd floor in building Lok Shilp Cooperative Hag. Soc. Ltd. 14 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andherl (E), Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune. under document No. 13247/1985-86 in the month of March, 1986).

ANII, KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Communication of Income-ax
Acquisition Range, Fcom

Date: 6-5-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Vardhaman Builders, 339/B Rasta Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Pravin Uttamchand Desarda, 339/B Rasta Peth, Pune,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. JAC ACO/CA-5/37EE/8368/1985-86.—Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, second floor and godown No. 3 on ground floor at 339-B Rasta Path situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C., Acqn. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have roason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been train stated in the said instrument of transfer with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on second floor and godown No. 3 on ground floor in building at 339-B Rasta Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8368/1985-86 in the month of March, 1986)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-5-1986

Seal:

28-306 GI/86

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1880/37EE/8585/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 249D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises on first, 2nd and third floor, Final plot No. 802, Shivajinagar situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) M/s Rathi Kumar Beharay, "Construction House", 796/189-B Bhandarkar, Institute Road, Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Western Maharashtra Development Corporation Ltd. 2nd floor, Udyog Bhavan, Ganeshkhind Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proporty may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same exeaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises on first, 2nd and third floor, Final Plot No. 802, Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the agreement on sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8585/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pooria

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31--3-1986

Seal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th June 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/652/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Unit No. N-101 in Bhavani Chambers, 461 B-Ward, situated at Bhavani Mandap, Kolhapur has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Karvir, (Kolhapur) in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M./s Ghatge Estate Developments, 461 B-Ward, Bhavani Mandap, Kolhapur, by its duly authorised partners—Shri Ajitsingh Y Ghatge & Shrl Avinash V Patil.

(Transferor)

(2) Shree Warana Sahakari Bank Ltd. Warananagar Kolhapur by its duly authorised Representative Shri Nandakumar K Naik and Shrl Annasaheb J Desai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iransonable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Unit No. N-101 in Bhavani Chambers, 461 B-Ward, Bhavani Mandap, Kolhapur,

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir, under document No. 652/1985-86 in the month of March, 1986)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 12-6-1986

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMUNICATION OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2024/1986-87.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Floor No. 5, Block II, Shangrila Apartments, 31 Koregaon Park, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-

ties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Jai Thackers Land Development Pvt. Ltd., 2128 V. P. Street, Pune Camp, Pune.

 Pyrene Rai Metal Treatments Ltd., Nirlon House,
 254B Dr. Annic Besant Road, Worll,
 Bombay.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by vary of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said functorside property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same metaing as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Floor No. 5, Block II, Shangrila Apartments. 31 Koregaon Park, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2024/1986-87 in the month of August, 1986)

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 20-8-1986

Seal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Patson Enterprises, 4/37 Erandwane, Pune-4,

(Transferor)

(2) Kelga Techno Sales Pvt. Ltd., 8/2 Ravl Building, Navl Peth, Punc-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2104/1986-87.—Whereas I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office premises on 1st floor C.T.S. No. 10-B Sadashiv Peth, situated at Pune-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rule aution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office remises on 1st floor, C.T.S. No. 10B, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2104/1986-87 in the month of August, 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 29-8-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri V. N. Tambaku & Others, Fisherman Colony, Mahim, Building No. 20A, Flat No. 999, Bombay-6.

(2) Amit Enterprises, 1025 Sadashiv Peth, Pune-30. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7565/1985-86.—Whereas I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rq. 1,00,000/- and bearing CTS No. 71A & 71B Rasta Peth, situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, Pune in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 71A & 71B Rasta Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7565/1985-86 in the month of February, 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Jayendra S. Vakil and Others, 18, Rige Appt. Ridge Road, Malbar Hill, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Mr. Anwar H. Mulla and Others 211 Arun Chambers, Tardes Bombay-34.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/620/85-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 555/H. No. J. Dist. Nasik situated at Dist Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub. Reg. Bombay in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective narrans. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 555/H. No. 1, Dist. Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the Sub-Registrar Bombay under document No. 2149/85 dt. 9-1-1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 22nd September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/316/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

ncome-tax Act. 1961 (45 of 1961) (hereinate) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 12, S. No. 131/1A/IC/2A, F.P. No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sacceds the apparent consideration therefor by more than integra per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Malini Purushottam Bodas, 38 Vijayanagar Colony, Pune-30 and Bank of Maharashtra, Lokmangal, 1501 Shiyajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Renuka Construction Co., A/1 Success Chambers, 1232 Apte Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, S. No. 131/1A/1C/2A/F.P. No. 529/2, Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, und document No. 316/1986-87 in the month of June 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 22-9-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons, namely :--

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 22nd September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/313/1986-87.—
Whereas, I. ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 15, S. No. 131/1A/1C/2A, FP No. 529/2
Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer us agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-29—306GI/86

 Mrs. Malini Purushottam Bodas, 38 Vijayanagar Colony, Pune-30 and Bank of Maharashtra, Lokmangal, 1501 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Renuka Construction Co., A/1 Success Chambers, 1232 Apte Road, Punc-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, S. No. 131/1A/1C/2A, FP No. 529/2, Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 313/1986-87 in the month of June 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 22-9-1986

Seal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 22nd September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/315/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 13, S. No. 131/1A/1C/2A, F.P. No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Malini Purushottam Bodas, 38 Vijayanagar Colony, Pune-30 and Bank of Maharashtra, Lokmangal, 1501 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Renuka Construction Co., A/1 Success Chambers, 1232 Apte Road, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, S. No. 131/1A/1C/2A, F.P. No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune. under document No. 37EE/315/1986-87 in the month of June 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 22-9-1986

Seal:

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jayant Shantaram Kalyanpurkar, Kalyanpur Hona District Road, Vile Parle, Bombay.

(Transferor)

(2) Lake View Investment Trading Co. Pvt. Ltd., Sadhana Rayon House, Dr. B. N. Road, Fort, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G[647]1985-86.--Whereas I,

ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property situated at bearing S. No. 16/1-5 at village Tungarli, Tal, Maval, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pacietains Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Bombay in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property is situated at bearing S. No. 16/1-5 at Village Tungarali, Tal. Maval, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 647/1985-86 in the month of April 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 28-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Pune, the 28th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CΛ-5/37G/191/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 517. Plot No. 20, CTS No. 365/24 Ghorpade Peth, Ekbote Colony, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli in April 1986

S.R. Haveli in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shripad Haribhu Ratnaparakhi & others, C/o Mandarmala, S.G.R.S.
 C.T.S. No. 365/24/20 Ghorpade Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mandar mala C.H.S. Ltd., 365/24 Ghorpadi Peth, Pune-42.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 517, Plot No. 20, C.T.S. No. 365/24 Ghorpade Peth, Ekbote Colony, Punc,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the S.R. Haveli, under document No. 37G/191/1986-87 in the month of April 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1986

Seal:

PORM ITNS-

ASSISTANT COMMIS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5 37G/86-87,--Whereas, I, ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43' of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

OFFICE OF THE INSPECTING

Rs. 1,00,000 and bearing
Plot No. B-74, situated at Road No. 33, Wagle Industrial
Estate situated at M.I.D.C. Thanc
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Bombay in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instantment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Burlington's Exports, B-75, Wagle Industrial Estate, Thane.

(Transferor)

(2) M/s Flexton Auto Suspensions, 502, Limkway, 397 14th Road, Khar Bombay-400 052,

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. B-74, situated at Road, No. 33, Wagle Industrial Estate, M.I.D.C. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the S.R. Bombay under document No. 37-G/ 224/86-87 in the month of April, 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 25-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37Q/134/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable rine said Act; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 6 to 25 of approved layout situated on S. No. 288, 289A & 289B, Old National Highway No. 6, Near Western Railway Crossing, Jalgaon situated at Jalgaon

situated at Julgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jalgaon in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of : -

(1) Jain Construction Co. Partner Sri Jagnath Nathu Wani, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Jain Brothers Industries, Jalgaon,

Partner: Ashok Bhavarlal Jain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the SR Jalgaon, under document No. 1757/ 86 dt March, 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1986

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/2-86/4632.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 115. Block No. 172, Jor Bagh situated at

Delhi

ζ

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under hie Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Kuljit Singh Kohil, 115 Jor Bagh, New Delhi through his duly constituted general attorney Sh. Bachanand T. Tijhwani R. o 3072/2 CA, Ranjeet Nagar, New Delhi, vide attorney dt. 23-5-86.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Kumar Ahuja, R/o 248, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 115, Block No. 172, Jor Bagh New Delhi measuring 468.8 sq. yds, which is two and half storeyed building.

> .. JAGDISH MITTAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section *59I) of the said Act, to the following persons, mannely:---

Date: 14-8-86

Seal :

7*

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION MAY, 1987

New Delhi, the 1st November 1986

No. F. 8/3/86-E-1(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 17th May, 1987, for admission to the undermentioned courses:—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- Indian Military Academy, Dehra Dun 84th Course commencing in January, 1988 [Includes 32* vacancies reserved for NCO 'C' Certificate (Λrmy Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in January, 1988.
 - (a) General Service 44*
 [Including 6 reserved for NCC 'C'
 Certificate (Naval Wing) holders].
 - (b) Naval-Aviation. 33*
- (3) Air Force AF Station Begumpet Secunderabad [Pre-Flying Training Course commencing in January, 1988 i.e. No. 143.
- (4) Officers' Training School, Madras [47th 269*@ SSC (NT) Course commencing in May, 1988].
- *The above number are liable to alteration.
- *@This includes training wastages.

N.B. (i).—A candidate is required to specify clearly in Col. 9 of the Application Form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 1st November, 1986 the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

However, only in case of shortfall on IMA/Naval/Air Force Academics, candidates having OTS as their first choice and also qualified for IMA/Navy/AF can be considered for induction into these courses in order of their choice if otherwise eligible.

N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

Note I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) / (Senior Division Air Wing) / (Naval Wing) holders may also complete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (c). New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by 31st December 1987.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

Note II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination. (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc, for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh. Cochin. Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar. Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna. Port Blair, Raipur, Shillong. Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE JIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY FEFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE. INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 8(ii) below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 20th April, 1987 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) NATIONALITY :-

A candidate must either be-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a 'Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently setting in India, or
- (y) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and Fast African countries of Kenya, Uganda. United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently setting in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

(b) AGE LIMITS, SEX AND MARITAL STATUS :--

- For IMA—Unmarried male candidate born not carlier than 2nd January, 1964 and not after than 1st January, 1969 only are eligible.
- (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1966 and not later than 1st January, 1969 are only cligible.
- (iii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarited) born not earlier than 2nd January, 1963 and not later than 1st January, 1969 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent Examination Certificates. These Certificates are required to me submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificate mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Eaxmination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

NOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPI ICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REOUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED, 30—306GI/86

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

- (c) Educational Qualifications :-
 - For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
 - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th/12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to subrait proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB Interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP)(c). New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and PO3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6 Rama Krishna Puram. New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 31st December, 1987.
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 30th April, 1988.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally augalified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note I:—Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the prounds of late conduct of basic qualifying university Examination delay in declaration of results of any other ground whatsovere.
- Norn: Candidates who are debarred by the Ministry of the Defence Services shall not be eligible for admis-Defence from holding any type of Commission in sion to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagement will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers

4 FRF

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form

n fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of he State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission-Examination Fees" and a tach the receipt with the application, APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOMS NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

- (ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (iii) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fcc and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (iv) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in May, 1986 or October, 1986 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the CDS Examination May, 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or berofe 15th October, 1987.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY: A candidate sceking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 1st November, 1986. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 1st November, 1986, Candidates

should note that applications filled in on the application forms meant for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the Combined Defence Services Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, MAY, 1987".

- (a) A candidate must send the following documents with his application:
- (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).
- (ii) Attendance Sheet (Printed alongside) duly filled in on foolscap size paper.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm \times 7 cm, approx) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. \times 27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should hake special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward to the Commission.

Note: Application not accompanied by the prescribed fee (unless remission of fee is claimed as in para 4 above) or incomplete or defective applications shall be summarily rejected. No representation or correspondence regarding such rejection shall be entertained under any circumstances. Candidates are not required to submit alongwith their applications any certificate in support of their claims regarding age. Educational qualifications, scheduled castes and scheduled tribes, and fee remission etc. They should therefore, ensure that they fulfil all the elicibility conditions for admission to the examination. Their admission to the examination will also therefore be purely provisional if on verification at any later date it is found that they do not fulfil all eligibility conditions, their candidature will be cancelled,

Candidates are advised to keep ready the following documents in original alongwith their attested copies soon after the declaration of the result of the written part of the examination which is likely to be declared in the month of August, 1987 for submission to the Army HQ/Naval HQ/Air HQ as the case may be :—

- 1. Matric/Higher Secondary School Certificate or its equivalent showing date of birth.
- Degree/Provisional Degree Certificate/marks sheet showing clearly having passed degree examination and cligible for award of degree.

In the first instance all qualified candidates eligible for SSB interview will carry their original Matric/Hr. Secondary School; Certificate with them while going to the Service Selection Centres for SSB interview as otherwise they shall not be allowed to appear for SSB interview. No relaxation for non-submission of Matric/Hr. Secondary School Certificate at the Selection Centre is allowed.

- IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT FAI.SE, FRAUD/FABRICATED THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 6 BELOW:
- 6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—
- (i) obtaining support for his candidature by any means; or (ii) impersonating; or (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination;
 - (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) mishchaving in any other manner in the examination hall; or
- (3) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (XII) attempting to commit or as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable:—
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :-
- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them,
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after:—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONGWITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS:

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal deilvery at the counter on or before the 15th December, 1986 (29th December, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladak division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 15th December, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep of abroad from a date prior to 15th December, 1986.

NOTE:

- (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&k State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

8. CORRESPONDENCE. WITH THE COMMISSION/ARMY/NAVAL/AIR HEADQUARTERS.

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application it is not, however, possible to say when the result of the application will be commu-

nicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

(iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as the Application Registration No. already communicated to the candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidate should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- 1. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- 3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.)
- 4. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICA-
- N.B.: (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B.: (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- N.B.: (iii) CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS OF THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS. A.G's BRANCH, RTG., 6 (SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY

WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP) (e) (ii) West Block 3, 2nd Floor, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 in case of candidates having IMA or Navy or OTS as their first choice and PO3 (A) Air Headquarters, Wing No 7 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, in the case of candidates having Air Force first choice.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army Headquarters/Air Headquarters will be the sole declding authority.

N.B.: In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of October, 1987 and by 4th week of December, 1987 for OTS, he should write to Army Headquarters/Rtg. 6(SP) (e) West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter.

(vii) ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF: Only those candidates who qualify in the SSB interiew will be required to submit their original certificates alongwith the attested copies thereof in support of educational qualification at Service Selection Centres before SSB interiew or to Army HQ Rtg. 6(SP) (e). New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of the Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Hoor. West Block No. 6, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066; in case of AIr Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 31st December, 1987/30th April 1988 in case of SSC (NT) only. Certifical true copies or photostal copies of the certificates will not be accepted in any case.

9. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.B. tests in September/October 1987 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1987/January, 1988.

Candidates will appear before the Service Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i), written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merits

on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Note: Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the I(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

10. DISQU'ALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

11. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NALAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No. candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officer's Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such mairiage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

- 12. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered tor any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NAFA, may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shortfall on that particular course.
- 13. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on eash payment. This can also be obtained only against eash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K, S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

14. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. K. KRISHNAN-Deputy Secretary Union Public Service Commission

APPENDIX 1

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises :--
 - (a) written examination as shown in para 2 below:
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2 The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:--
 - (a) For Admission to Indian Military Academy

Subject		Duration	Maximum Marks
l, English		2 Hours	100
General Knowledge		2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	 	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY 1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

OPTIONAL 3. Elementary Mathematics or Elementary Physics . . 2 Hours 100 4. Mathematics or Physics . . 2 Hours 150

*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(c) For Admission to Officers' Training School

Subject	 	Time allowed	Maximum Marks
English General Knowledge		2 Hours 2 Hours	100 100

(d) For Admission to Alr Force Academy

Subject	 	Duration	Maximum Marks
1. English		2 Hours	100
2. General Knowledge		2 Hours	100
3. Elementary Mathematics		2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE. TYPE QUESTIONS ONLY. The question rapers (Test Booklets) will be set in English only. The "Candidates Information Manual" containing details pertaining to objective type Tests including sample question will be supplied to candidates along with the Admission Certificate.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand, In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculator for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Fundamental operations—additions, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal functions

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elemenary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors. Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities Laws of Indices.

TRIGONOMETRY

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} \le X \le 90^{\circ}$

Values of sin x, $\cos x$ and $\tan x$, for $x = 0^{\circ}$, 30° , 45° , 60° and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances,

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point (ii) Furallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

MATHEMATICS (Code No. 04)

Algebra

Algebra of Scts, relation and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants, adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles systems of circles elipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential Calculus.—Concept of limit, continuity and Differentiability of a function of one of real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem (Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and minima of a function of single variable geometrical applications such as tangent, normal subnament subnormal, asymptoic curvature (cartesian co-ordinates only. Fivelope; Partial differentiation. Eullers theorem for homogeneous functions.

Integral Calculus.—Standard methods of integration Reimann definition to definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus, Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of evolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential Equations.—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems of growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane virutal work (two dimensions).

Dynamics,—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circula-Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication theorems. conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution.—Binomial Distribution, definition mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of poison distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate Distribution.—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, chi³ and F distributions for tests of significance.

Note: —Out of two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering quertions on any one of the two topics.

ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force, Units of Force, Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity States of equilibrium Simple Machines. Velocity Ratio Various simple machines including inclined plane Screw and Gears. Friction angle of frictions coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.

- (c) Properties of Fluids. -Pressure and Thrust. Pascal's I aw. Archimedies principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedies principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion o fsolids and cubical expansion of liquids Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero, Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity dew point and relative humidity.
- con Light.—Rectllinear Propagation, Laws of reflection, spherical mirrors Refraction, laws o frefraction Lenses, optical instruments, camera, projector, epidiascope telescope, microscope, binocular & Periscope, Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism; magnetic field. Magnetic lines of force. Terrestrial Magnetism conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; a conductor in a magnetic field. Fleming's left hand dule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter. Voltmeter. Wattmeter, chemical effect of an eletric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code No. 06)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Interia. Work, energy and momentum Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum, Elasticity, Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, memranes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkles and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes ingases. Specific heat and thermal conductivity Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines: Cornot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics, Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherial surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance: Properties of reactive circuit elements and their determination thermoelectric effect; Electromagnetic induction. Production of alternating currents Transformers and motors; Flectronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Flements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Flectricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Rudioactivity, Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion,

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social triats and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDIAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

- A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.
- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
 - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties
 - (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
 - (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navv and 162.5 cms. for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives, the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:

Height and Weight Standards

Height in Centimetres					Weig		
(with	out sh	oes)	-8		18 years	20 years	22 years
152 .			·		44	46	47
155 .					46	48	49
157 .					47	49	50
160 .					48	50	51
162.					50	52	53
165 .					52	53	55
168 .					53	55	57
170 .					55	57	58
173 .					57	59	60
175 .					59	61	62
178 .	-				61	62	63
180 .		•			63	64	65
183 .					65	67	67
185 .					67	69	70
188 .					70	71	72
190 .					72	73	74
193 .					74	76	77
195 .					77	78	78

- A+10% (for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.
 - (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blade; behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
 - (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
 - (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
 - (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each car at a distance of 610 cms, in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the car, nose and throat.
 - (h) There should be no signs of functional or organ disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.
 - (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
 - (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and heelings i. completed.
 - (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
 - Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection,
 - (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.
 - (n) A candidate should be able to read 6 6 in a distant vision chart with each eve with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D. and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of opthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following visior standards:—

Distant vision	•	. 6/12, 6/12 Correctable to 6/6
Near vislon		. N-5 cach eye
Colour vision		. CP-1 by MLT

Myonia is not to exceed 0.75 dioptres and Hypermetronia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(i) at 6 metree	•	•	8 prism diop- ioria 8 prism
			Hyperphoria dioptres.
(#1) at 20 am		Emanharia	16

(ii) at 30 cm. . . . Fxophoria 16 prism dioptres. Esophoria 6 prism dioptres. Hyperaphoria 1 prism dioptres.

- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of service spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only :-
 - (a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows:

Height 162 ·5 cms. Leg Length Min, 99 cms. & Max. 120 cms. Thigh Length Sitting . Max. Height Min. 81 ·5 cms, & Max. 96 cms.

- (b) X-Ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:
 - (i) Granulomatous disease of Spine
 - (ii) Arthritis/spondylosis
 - (iii) More than mild kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15 by Cobb's method will be cause for rejection.
 - (iv) Spondylolisthesis/spondylolysis
 - (v) Herniated Nucluns Pulposis
 - (vi) Compression fracture of Vertebra
 - (vii) Scheuemanns Disease
 - (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
 - (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory
- (d) Vision

Distance Vision 6/6, 6/9 Correctable to 6/6 N-5 Near vision cach eve. Colour Vision CP-1 (MLT)

Maoifest Hypermetropia . Must not exceed 2-00D.

Ocular Muscle Balance

Metrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i)	at 6 metres	:		Exophoria	6	prism
				dioptres Esophoria dioptres	6	prism
				Hyperphoria dioptres	1	prism
(ii)	at 33 cms.	•	4	Exophoria dioptres	16	prism
				Esophoria dioptres	6	prism
				Hyperphoria dioptres	1	prism
				Myopia		Nil.
				Astigmatism+	0.7	5 D
					only	y.

Bionocular Vision-Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

- (e) Hearing Standards:
 - (i) Speech test

Whispeared peining 610 cms, each car

(ii) Audiometric test

Audiometric not exceed +10db in frequencies between 250 Hz and 400 Hz

- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILI-TARY ACADEMY, DEHRA DUN
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result o the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performerd upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise,
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2 Candidates finally elected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentleunder the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility or financial assistance,

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00
- (b) For items of clothing and equipment--Rs. 1500.00 Total: Rs. 1950.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :--

> Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
 - (b) if he is not granted a commission refunded to the State.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate, will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training, Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous/Military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank		Pay Scale	Rank	Pay Scale	
		Rs.		Rs.	
2nd Lieut	•	750790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed	
Liout		830950	Colonel	1950—21 75	
Captain		1100—1550	Brigadier	22002400	

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
Major .	1450—1800	Maj. General	2500—125/ 2—2750
Major Se- lection Grade			
Pay) Lt. Colonel	1800501900	Lt. General	3000 Pm.
(by selection.	17501960	Lt. General (Army Comma	3250 p.m. inders)
Lt. Colonel (Selection G	2000-50-2100 rado Pay)		

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum arent of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances.—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above forein allwance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
- (e) Outfit Allowance: Initial outfit allowance is Rs, 2100/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By time scale

Lt.			2 years	of Commissioned Service
Capt.		•	5 years	of Commissioned Service,
Major		,	11 years	of Commissioned Service
Lt, Col.	٠		21 years	of Commissioned Service

By Selection

Lt, Col		. 16 years of Commissioned Service
Col.		. 20 years of Commissioned Service
Brigadier		. 23 years of Commissioned Service
Major Gen.		 25 years of Commission Service
Lt. Gen	•	. 28 years of Commissioned Service
General .		No e tions

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:—

Captain .			3 years.
Major .			6 years.
Lt. Colonel	•		6 1/2 years
Colonel .		,	8 1/2 years
Brigadier .			12 years
Major General			20 years
Lt. General			25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACA-DEMY, COCHIN

- 1. (a) Candidates, finally selected for training at the Acudemy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy, Cochin.
- (1) Candidates not applying for government financial aid:
 - (i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45 .00 per month .

. Rs. 225 ·00

(ii) For items of clothing and equipment Rs. 460 ·00 Rs. 685 00 Total

- (2) Candidates applying for Government financial aid
- (i) Pocket allowance for two months @ Rs. 45 .00 per month . . Rs. 90 00
- (ii) For items of clothing and equip-Rs. 460 ·00 ment

Rs. 550 00 Total

- (b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishment as under:
 - (a) Cadets Training including affort taining for 6 months . . 1 year
 - (b) Midshipmen afloat Training . 6 months
 - (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course . . . 12 months
 - (d) Sub-Lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, howthe Government. Parents or guardians of cadets will, however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs, 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs, 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection submit an application through the District Magistrate of his District who will with his recommendations forward the District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training a Naval ships/establishments, financial assistance

aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be require to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ship and establishment may, with the approval of the Government establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet be withdrawn from training and uncharged. It is a substituted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not in the substitute for resolution to a subsequent course. Cases be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate gounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign:-
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treament of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a com-mission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) DAV

(a) PAI					
Rank					Pay Scale General Services
1	-				2
Midshipman					Rs. 560 00
Ag. Sub-lieut.					Rs. 750 ·00
Sub-Lieut					Rs. 830.00870.00
Licut .					Rs. 1100-001450 ·00
Lieut Cdr.					Rs. 1450 ·00—1800 ·00
Lieut Cdr. (Selec	tion	Grade	Pay)		Rs. 1800 ·00-1900 ·00
Commander (By	Sele	ction)		1750.00—1950.00
Commander (b	Commander (by Time scale).				Rs. 1900 · 00 fixed

Captain	•	•	Rs. 1950-2400 00 (Commodore receives pay to which en- titled according) to Seniority as Captain
Rear Admiral			Rs. 2500 ·00 ·125 ·00/2- 2750 ·00
Vice-Admiral Vice-Admiral (VCNS-FC	DC-IN-C		Rs. 3000 · 00 Rs. 3250 · 00 Rs. 4000 · 00

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances: --

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances and interim relief are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible to-
 - (a) married officers serving in non-family station;
 - (b) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance: Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400/-
 - (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100/-, after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commodore (N) in the Navy.
- (vii) Separation Allowance (Peace)
 Rear Admiral and above when forced to live in mess due to non-availability of family accommodation are entitled to Separate Allowance (Peace) of Rs. 200/-P.M. w.e.f. the date of assumption of duty at the new Station till allotment of family accommodation. This allowance would be payable only in areas where such officers are not entitled to free ration as part of field services concession.
- Note I :—In addition certain special concessions like hardlying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualification pay/grant, Technical Pay and driving pay are admissible to officers.
- Note II:—Officers can volunteer for Service in Sub-murine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale	
Midshipman to Ag Sub. Lieut .	1/2 year
Ag. Sub. Lieut to Sub Lieut	1 Year.
Sub. Lieut to Lieut	3 years as Ag. and Confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeit- ure of seniority)
Lieut. to Lieut. Cdr	8 years seniority as Liout.
Lieut Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection	24 years (reckonable commissioned service.)
(h) By selection	
Lieut Cdr. to Cdt	2-8 years seniority as Lieut Cdr.
Cdr. to Capt	4 years seniority as Cdr.
Capt to Rear Admiral and above.	No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

- Note.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Services, Naval Headquarters, New Delhi-110011.
 - (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS'
 TRAINING SCHOOL MADRAS
- 1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras—
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers' Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month .. Rs. 900.00
 - (b) For items of clothing and equipment .. Rs. 500.00

Total .. Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however,

be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School
- 7. A Gentlman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of Commission, are given below.

 9. Training
- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Coommission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.
- 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay of 2/Lt, and Lieut are-

(i) Second Lieu	•		Rs.	750 ·790 p. m.
(ii) Lieut .		•	oth e r a	30-–950 p.m. plus illowances as laid or regular officers.

- (e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of the Rule 91 *ibid*.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or

- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

- (g) Pensionary benefits
 - (i) These are under consideration.
 - (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.
- (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CADEDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two source i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
 - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.
 - (b) NCC Entry.—Applications form NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interviews.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.
- 3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group Insurance Society would pay Rs. 35,000-/ as Ex gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and under-going flying training in an unfortunate eventuality. In case a flight cadet undergoing flying training is medically invalided and boarded out, he would be paid Rs. 20,000/as Ex gratia award for 100% disability and this reduces proportionately upto 20%.

Once, flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50.000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability This cover would be provided by AFGIS on payment of monthly non-refundable contribution of Rs. 76/- by each flight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

Conditions governing Financial Assistance

- (i) While the cost of training including accommodations, books, unitorms, boarding and medical treatment will be borne by Goovernment candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, mnancial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the nnancial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent guardian for a candidate desirious of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College Red Fields, Coimbatore.
- (ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For item of clothing and equipment Rs. 525.00 Total: Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned:—-

Pocket allowance for the five months at Rs. 90,00 per month—Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank				Flying Branch
			 	Rs.
Plt. Offr			-	. 825-865
Flg. Offr.				. 910-1030
Flt. Lt.				. 1150-1550
Sqn. Ldr.				. 1450-1800
Wg. Cdr.	-			. 1550-1950
Gp. Capt.				. 1950-2175
Air Comde.				. 2200-2400
Air Vice Ma	arshal			. 2550-2750
Air Marsha	l.			. 3000

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

W. Cdr. and below	•	•	•	Rs.	740 .00	P.M.
Gp Capt. and Air Comd-	e,			Rs.	666 .00	P.M.
Air Marshal and above.				Rs.	600 .00	P.M

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs 70/-, and 100/- and grants are Rs. 6.000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance,—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowances.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800/ for renewal after every seven years.

Camp Kit. Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave .-- 60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 1450 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class unpto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wife and dependent children.

Officers when travelling leave at their own expense are entiled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers

7. Pensionary Benefits

Retiring Rani substantive	Minimum length of qualifying service	Standard rate of retiring pension	Personal pension	
1	2	3	4	
Plt. Offr. /Fg		Rs.	Rs.	
Offr	20 years	950 ·00 P.M.	100 ·00 P.M.	
Flt. Lt.	20 years	1200 ·00 P.M.	75 ·00 P.M	

1	2	3	4
Sqn, Ldr Wg, Cdr.	22 years.	1400 ·00 P.M.	
(Time Scale). Wg. Cdr.	25 years.	1525 ·00 P.M.	_
(Selective) .	24 years.	1575 ·00 P.M.	_
Gp. Capt Air Comde Air Vice		1850 ·00 P.M. 2025 ·00 P.M.	_
Marshal .	30 years.	2275 ·00 P.M.	
Air Marshal Air Marshal VCAS and	30 years.	2400 ·00 P.M.	-
AOSC-in-C .	30 years.	2500 00 P.M.	
Marshal .	30 years.	2825 ·00 P.M,	

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under:-

(a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held. (b) for every additional year—Rs. 1200/- less ‡ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to maximum of 164 times of the emoluments not exceeding Rs. 50,000/-is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules

9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

		,	